खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें ➤ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –12 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ क्या भाजपा लोकप्रियतावाद.
■ युद्धविराम ही रोक सकता... 04

■ हूती विद्रोहियों ने हाइजैक किया शिप
■ इजरायल की जंग में अमेरिका लगा रहा... 09

■ अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल और महंगा होने...
■ शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट... 11

■ वर्ल्ड कप 2023 की...
■ खराब फील्डिंग और... 10

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से कहा-

जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद ठीक नहीं

नई दिल्ली, देशबन्धु। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद जजों की नियुक्ति में हो रही देरी पर केंद्र सरकार से नाराजगी जताई है।

कोर्ट ने कहा कि जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद की नीति ठीक नहीं है। ये अच्छे संकेत नहीं हैं। यह देश में गलत संदेश देता है।

जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा- जजों की नियुक्ति और तबादले भी सरकार अपनी पसंद नापसंद के मुताबिक कर रही है। हमने इसके लिए सरकार को पहले भी आगाह किया है।

बेंच ने कहा कि अभी भी इलाहाबाद, दिल्ली, पंजाब और गुजरात हाईकोर्ट में जजों के तबादले की सिफारिश वाली फाइल सरकार ने लटका रखी है। गुजरात हाईकोर्ट में तो चार जजों के तबादले पेंडिंग हैं। इन पर सरकार ने अब तक कुछ भी नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोबारा भेजे ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

आधे से ज्यादा नाम लटका रखे हैं

कोर्ट ने कहा- पिछली बार हमने जो नाम दोहराए थे, उनमें से 8 अब तक पेंडिंग हैं। हमें पता है वे नाम क्यों लटकाए गए हैं। हमें सरकार की चिंता भी मालूम है। आधे से ज्यादा नाम सरकार ने क्लियर नहीं किए। हमारी जानकारी के अनुसार, आपने 5 लोगों के लिए तबादला आदेश जारी किए हैं, लेकिन 6 अन्य के लिए नहीं, उनमें से 4 गुजरात से हैं। यह अच्छा संकेत नहीं है। इस पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी कि कोर्ट सरकार को थोड़ा और वक्त दे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम ने 11 जजों के ट्रांसफर की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी। इसमें से 5 जजों का तो ट्रांसफर हो गया, लेकिन 6 के अभी भी रुके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र इसका समाधान लेकर आए। 5 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी।

इधर केरल राज्यपाल के खिलाफ सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आठ विधेयकों पर निर्णय लेने में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की देरी के खिलाफ केरल सरकार की याचिका पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया। बता दें कि यह 8 बिल सात महीने से लेकर दो साल तक की अवधि से लंबित पड़े हुए है। कोर्ट अब इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा।

जानकारी के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है। शीर्ष अदालत ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को भी नोटिस जारी कर पूछा कि या तो वह या सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुनवाई में उनकी सहायता करें। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह एक स्थानिक स्थिति है। राज्यपालों को यह एहसास नहीं है कि वे संविधान के अनुच्छेद 168 के तहत विधायिका का हिस्सा हैं। केरल राज्य ने अपनी याचिका में दावा किया कि राज्यपाल खान राज्य विधानसभा द्वारा पारित आठ विधेयकों पर विचार करने में देरी कर रहे हैं।

8 बिल 7 महीने से लेकर 2 साल तक की अवधि से लंबित पड़े हैं

सार संक्षेप

तेलंगाना में निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम ढहने से 3 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार को एक निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम का एक हिस्सा गिरने से 3 श्रमिकों की मौत हो गई। छह कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं। मृतकों की पहचान बिहार के बब्लू और पश्चिम बंगाल के सुनील के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि बचाव अभियान जारी है क्योंकि एक अन्य कर्मचारी मलबे में फंसा हुआ है। यह घटना हैदराबाद से लगभग 40 किमी दूर मोइनाबाद ब्लॉक के कनकमामिडी में खेल परिसर में हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अस्पताल में भर्ती

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को अचानक मैक्स अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनकी स्थिति सामान्य है। डॉक्टर ने हरीश रावत को पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत बताई है। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा उनसे मिलते पहुंचे है। पिछले दिनों हादसे में घायल होने के बाद से ही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को कुछ दिक्कत हो रही थी।

फर्जी खबरें रोकने के लिए फैक्ट चेक यूनिट बनाएगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने झूठी खबरों और सूचना प्रचार का मुकाबला करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट स्थापित करने का फैसला किया है। राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को घोषणा की। राज्य के आईटी मंत्री के मुताबिक, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इस संबंध में एक टेंडर जारी किया है और पांच कंपनियों को शॉर्टलिस्ट किया है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- चुनाव वाले राज्यों में बीते चुनाव की तुलना में इस बार 7 गुना ज्यादा रकम और अवांछित सामग्री पकड़ी गई।

चुहिया- हां प्रिये- यह तो पकड़ी गई रकम और सामग्री का आंकड़ा है, जो नहीं पकड़ा गया वह कई गुना ज्यादा हो सकता है।

उगते सूर्य को अर्घ्य

नई दिल्ली, देशबन्धु। उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ सोमवार को छठ महापर्व संपन्न हो गया। चार दिन चले इस पर्व के दौरान जगह-जगह पर छठ पूजा का आयोजन किया गया था। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने परिवार जनों के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य देने पहुंची थी। छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन को ऊषा अर्घ्य के नाम से जाना जाता है। छठ का पर्व दिल्ली, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

मणिपुर में फिर खून-खराबा

कांगपोकली में गोलीबारी, दो की मौत

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। रुक-रुककर हिंसा का कोई न कोई मामला सामने आता रहता है। हिंसा का ताजा मामला कांगपोकली जिले से है, जहां पर सोमवार को दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई।

गोलीबारी की यह घटना हारोथेल और कोब्शा गांवों के बीच हुई, लेकिन यह किस वजह से शुरू हुई। पुलिस को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। एक आदिवासी संगठन ने दावा किया कि कुकी-जो समुदाय के लोगों पर बिना किसी उकसावे के हमला किया गया और जिले में बंद घोषित कर दिया गया है। मई की शुरुआत में पूर्वोत्तर राज्य में मैतई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच गोलीबारी की कई घटनाएं देखी गई हैं।

अतिरिक्त बल की हुई तैनाती- बकौल एजेंसी, एक पुलिस अधिकारी ने बताया, इलाके में अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। गोलीबारी की घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है।

कुकी-जो समुदाय के लोगों पर अकारण हमले की निंदा करते हुए कांगपोकपी स्थित कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने जिले में आपातकालीन बंद का एलान किया है।

फार्मेसी को शिक्षण प्रणाली बनाने केन्द्र सरकार का बड़ा कदम

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किया राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक का मसौदा, जनता से मांगी राय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदा राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक, 2023 जारी कर दिया है। इसमें 1948 के फार्मेसी अधिनियम को निरस्त करने और भारतीय फार्मेसी परिषद की जगह एक राष्ट्रीय आयोग बनाने का प्रावधान प्रस्तावित है।

मंत्रालय ने विधेयक के मसौदे को 14 नवंबर को अपनी वेबसाइट पर डाला है और इस पर जनता की राय मांगी है। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य एक फार्मेसी शिक्षण प्रणाली बनाना है, जो गुणवत्तापूर्ण और किफायती फार्मेसी या फार्मास्युटिक शिक्षा तक पहुंच को सुगम बनाए। इसके साथ विधेयक का उद्देश्य देश के सभी हिस्सों में पर्याप्त और उच्च गुणवत्ता वाले फार्मेसी पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, समान और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और फार्मेसी पेशेवरों की सेवाएं सभी नागरिकों के लिए सुगम बनाना है।

मसौदा विधेयक में फार्मेसी संस्थानों के समय-समय पर और पारदर्शी मूल्यांकन का प्रस्ताव है। विधेयक के मसौदे के अनुसार, फार्मेसी आचार और पंजीकरण बोर्ड के पास एक राष्ट्रीय फार्मेसी पंजी होगी, जिसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फार्मेसी पेशेवरों का विवरण रखा जाएगा।

बस से उतरते ही घरवालों के सामने लड़की को उठा ले गए बदमाश

बाइक से दो लड़के आए और दिन दहाड़े जबरन बैठाकर ले उड़े

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में बदमाश एक लड़की को दिनदहाड़े किडनैप कर ले गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लड़के जबरन लड़की को बाइक पर बैठा रहे हैं। लड़की बाइक पर बैठना नहीं चाह रही है। एक आरोपी लड़की को पकड़कर जबरन बाइक पर बैठा देता है। दूसरा आरोपी बाइक चला रहा है। इसके बाद दोनों आरोपी लड़की को वहां से किडनैप कर लेकर चले जाते हैं। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना सोमवार सुबह की है।

पीड़िता बरहा गांव की रहने वाली है- रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता भिंड जिले के लहार इलाके स्थित बरहा गांव की रहने वाली है। वह अपने चाचा-चाची के साथ बस से ग्वालियर में नाका चंद्रबदनी इलाके गई थी। पेट्रोल पंप के पास बस से उतरने के बाद उसके चाचा-चाची सामान उतार रहे थे। इसी बीच दो बदमाशों ने उसे पकड़ लिया।

मामले में एडिशनल एसपी ऋषिकेश मीणा का कहना है कि लड़की अपने चाचा-चाची के साथ पेट्रोल पंप के पास बस से उतरी थी। यहीं पर दो बदमाशों ने उसे पकड लिया और जबरन बाइक पर बैठाकर उसे किडनैप कर ले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।घटना के बाद परिजन ने झांसी रोड थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में घुसे फलस्तीनी समर्थक की क्राइम ब्रांच में हुई पेशी

अहमदाबाद। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के आईसीसी विश्व कप मैच के दौरान बीते दिन एक अजीब घटना घटी। दरअसल, चलते मैच के बीच मैदान में एक फलस्तीन समर्थक सुरक्षा घेरा तोड़कर घुस गया। मैदान में घुसे व्यक्ति ने इसके बाद विराट कोहली को पकड़ लिया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह शख्स ऑस्ट्रेलिया का रहने वाला है और इसने अपना नाम जॉन बताया। शख्स ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि वो फलस्तीन का समर्थन है और वो केवल इसे दिखाने के लिए फलस्तीन समर्थन वाली टी-शर्ट पहनकर मैदान में घुसा था।

प्रधानमंत्री की रैली में जा रहे 6 पुलिस कर्मियों की भीषण हादसे में मौत

ट्रक से टकराकर कार के उड़े परखच्चे

चुरू। राजस्थान के चुरू जिले में रविवार को एक वाहन के ट्रक से टकरा जाने से छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि कर्मियों को झुंझुनू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली में वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी सौंपी गई थी और वे नागौर से कार्यक्रम स्थल की ओर जा रहे थे।

यह घटना तड़के हुई जब पुलिस कर्मी एनएच 58 पर चूरू जिले के बाघसरा गांव पहुंचने वाले थे। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण कार एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर में महिंद्रा जाइलो एक्सयूवी, जिसमें पुलिसकर्मी सवार थे, चकनाचूर हो गई। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

घायल अधिकारी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस कर्मियों की मौत राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना में घायल पुलिस कर्मियों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना की है।

चुनाव वाले 5 राज्यों से 1760 करोड़ की शराब-नकदी जब्त

2018 विधानसभा चुनाव में हुई बरामदगी का 7 गुना है आंकड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार 20 नवंबर को कहा कि चुनाव वाले पांच राज्यों से 1760 करोड़ की शराब, ड्रग्स, कैश और महंगी धातु बरामद की गईं। ये सब चीजें वोटरों को रिझाने के लिए बांटी गई थीं। इन चीजों की बरामदगी 9 अक्टूबर से हो रही थी। इसी दिन इलेक्शन कमीशन ने पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। आयोग ने यह भी बताया कि आंकड़ा 1760 करोड़ इन राज्यों में 2018 विधानसभा चुनाव के दौरान हुई बरामदगी का 7 गुना है। पिछली बार 239.15 करोड़ की चीजें जब्त की गई थीं। अभी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव चल रहे हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में वोटिंग हो चुकी है। राजस्थान में 25 तो तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

मौसम — अगले 5 दिनों में कुछ राज्यों में बारिश

उत्तर भारत समेत देशभर के कई हिस्सों में ठंड ने दी दस्तक

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देशभर के कई हिस्सों में ठंड दस्तक दे चुकी है। दिल्ली में भी तापमान धीरे-धीरे गिरने लगा है, जिससे आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। इससे सुबह और शाम को भारी ठंड पड़ेगी। पहाड़ी क्षेत्र शिमला, देहरादून समेत कई शहरों के ठंड के मुकाबले दिल्ली में ज्यादा सर्दी बढ़ने की आशंका है। भारतीय विज्ञान मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में 19 नवंबर को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम 27 डिग्री तक रहा। सुबह-शाम हल्का कोहरा छाया रहा। आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 19 से 23 नवंबर के दौरान तमिलनाडु और केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। गरज के साथ बिजली भी चमकेगी और तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने की संभावना है। मछुआरों को इन क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, 20 नवंबर की सुबह पूर्वी और दक्षिणी असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। दक्षिण तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई है।

अगले 5 दिनों के मौसम को लेकर आईएमडी की चेतावनी- कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 22 और 23 नवंबर, 2023 को कर्नाटक में भारी बारिश होने की उम्मीद। तमिलनाडु में 19, 22 और 23 और आने वाले दिनों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 22 और 23 नवंबर को केरल और माहे में भी भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड, असम और मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और तमिल में कुछ स्थानों पर भी बारिश होगी। नाडु, पुदुचेरी और कराईकल और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर भी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नागालैंड मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए भी ढ्ढ्ढ ने बारिश की संभावना जताई है।

बिहार की राजधानी पटना समेत कई शहरों के तापमान में गिरावट आई है। पटना, भागलपुर, बेगूसराय, दरभंगा में तापमान लुढका है।

देश-विदेश

अलग राज्यों में एफआईआर के बावजूद दी जा सकती है जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय आरोपी को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे सकते हैं, भले ही एफआईआर किसी दूसरे राज्य में ही क्यों न दर्ज हो। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ राजस्थान में एक महिला द्वारा दायर दहेज की मांग की शिकायत से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें पति को बेंगलुरु जिला अदालत द्वारा अग्रिम जमानत दी गई थी। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि एचसी या सत्र अदालतें किसी आरोपी को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे सकती हैं, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं किया गया हो और अंतरिम सुरक्षा तब तक जारी रहेगी जब तक आरोपी क्षेत्राधिकार वाली अदालत में नहीं पहुंचता।

गोवा में 54वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू

गोवा, (एजेंसियां)। गोवा में सोमवार से 54वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव-आईएफएफआई शुरू हो गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव फिल्म पृथुल कुमार के अनुसार महोत्सव के दौरान 270 से अधिक फिल्में 4 स्थानों आईनॉक्स पंजिम, माक्विनेज पैलेस, आईनॉक्स पोरवोरिम और जेड स्क्वायर सम्राट अशोक पर प्रदर्शित की जाएंगी। 54वें आईएफएफआई के 'अंतरराष्ट्रीय खंड' में 198 फिल्में होंगी, जो 53वें आईएफएफआई से 18 अधिक हैं। इसमें 13 विश्व प्रीमियर, 18 अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर, 62 एशिया प्रीमियर और 89 भारत प्रीमियर होंगे। पृथुल कुमार ने कहा, इस वर्ष आईएफएफआई को 105 देशों से रिकॉर्ड संख्या में 2,926 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियों से तीन गुना अधिक है। 'इंडियन पैनोरमा' अनुभाग में भारत की 25 फीचर फिल्में और 20 गैर-फीचर फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। फीचर सेक्शन में ओपनिंग फिल्म मलयालम फिल्म 'अट्टम' है, और गैर-फीचर सेक्शन में मणिपुर की 'एंड्रो ड्रीम्स' है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज (ओटीटी) पुरस्कार की शुरुआत ओटीटी प्लेटफार्मों की समृद्ध सामग्री और इसके रचनाकारों को स्वीकार करने, प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, 15 ओटीटी प्लेटफार्मों से 10 भाषाओं में 32 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। विजेता श्रृंखला को पुरस्कार राशि के रूप में प्रमाण पत्र और 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, जिसकी घोषणा समापन समारोह में की जाएगी।

270 से अधिक फिल्में दिखाई जाएगी, इंडियन पैनोरमा' में भारत की 25 फीचर, व 20 गैर-फीचर फिल्में

बचाव अभियान के लिए पहुंचे अंतरराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट

बोले- हम किसी को भी चोट नहीं पहुंचने देंगे, सुरंग के मुख्य द्वार पर बने एक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग हादसे के बाद बचाव अभियान में मदद के लिए पहुंचे अंतरराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि हम उन लोगों को बाहर निकालने जा रहे हैं। उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग में हादसे में फंसे मजदूरों को बचाने के अभियान में हिस्सा लेने के लिए इंटरनेशनल टनलिंग अंडरग्राउंड स्पेस के अध्यक्ष प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स उत्तराखंड पहुंचे। 12 नवंबर को उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढह गया था। रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद के लिए डीआरडीओ की रोबोटिक्स टीम भी पहुंच गयी है।

उत्तरकाशी सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान के तहत भारी मशीनें सिल्कयारा सुरंग में पहुंच गई हैं। टनल एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने कहा,हमने यहां सुरंग के ऊपर जो देखा है और जो हम जानते हैं कि सुरंग के अंदर क्या हो रहा है, इसके बारे में हम जानते हैं। हम उन 41 लोगों को बचा रहे हैं और ऐसा करते समय हम किसी को भी चोट नहीं पहुंचने देंगे। टनल एक्सपर्ट ने आगे कहा, यहां टीम बचाव पर इतना ध्यान केंद्रित कर रही है कि किसी और को चोट न पहुंचे। फिलहाल, यह सकारात्मक दिख रहा है। हम सभी एक टीम हैं और पूरी दुनिया हमारे

साथ है। यह अच्छा दिख रहा है लेकिन हमें यह तय करना होगा कि क्या यह वास्तव में अच्छा है या यह एक जाल है। यह बहुत सकारात्मक लग रहा है क्योंकि मेरे साथ हिमालय भूविज्ञान के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हैं। हमें तुलना करने की आवश्यकता है। यह किसी भी जटिल काम की तरह है जहां हमें चारों ओर देखना होता है, ऊपर से नीचे तक। हम सभी एक टीम हैं और पूरी दुनिया हमारे साथ है।

क्करूमोदी ने की ष्टरूपुष्कर धामी से बात, सुरंग में फंसी 41 जिंदगियों के रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना की ली जा सकती है मदद

मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें यह भी बताया कि उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया है और बचाव कार्यों पर भी लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर कई मेडिकल टीम तैनात कर दी गई हैं।

सुरंग के अंदर 8 दिन से फंसे हैं 41 मजदूर- 12 नवंबर को हुए सुरंग हादसे के बाद से अब तक प्रधानमंत्री तीन बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की टीम भी मौके का निरीक्षण कर चुकी है और लगातार स्थिति पर नजर बनाये हुए है। चारधाम सड़क परियोजना के तहत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही साढ़े चार किलोमीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर काम कर रहे 41 श्रमिक फंस गए जिन्हें निकाले जाने के लिए युद्धस्तर पर बचाव और राहत अभियान जारी है।

प्रधानमंत्री ने किया मुख्यमंत्री धामी को फोन

वहीं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात करके निर्माणाधीन सिल्क्यारा सुरंग में पिछले आठ दिनों से फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए जारी बचाव और राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बचाव कार्य में उपयोग के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य की एजेंसियों के परस्पर समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया।

टनल के अंदर डाली गई छह इंच की पाइप

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में चल रहे रेस्क्यू अभियान में आज एक महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। सुरंग के अवरुद्ध हिस्से में 6 इंच की पाइपलाइन बिछाकर सेकेंडरी लाइफ लाइन बनाने के लिए की जा रही ड्रिलिंग पूर्ण कर मलवे के आर पार 53 मीटर लंबी पाइपलाइन डाल कर इसके जरिये फंसे श्रमिकों तक खाद्य सामग्री पहुचाने की तैयारी की जा रही है। आज शाम लगभग साढ़े चार बजे एनएचएआईडीसीएल के निदेशक अंशुमनीष खलखो, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला और टनल के भीतर संचालित रेस्क्यू अभियान के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल ने मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि गत नौ दिनों से चल रहे रेस्क्यू की इस पहली कामयाबी के बाद श्रमिकों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने के अहर्निश प्रयास तेजी से संचालित किए जाएंगे।

करतारपुर साहिब गुरुद्वारा में नॉनवेज और शराब के साथ हुई डांस पार्टी

नई दिल्ली। पाक की हरकत पर भड़का सिख समुदाय भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने नाच-गाने और पार्टी करने का एक वीडियो जारी किया है। पार्टी 18 नवंबर को हुई थी। इसमें 80 लोग शामिल हुए थे।1

मनजिंदर सिंह ने कहा कि जहां गुरु नानक देव जी ने अपनी अंतिम सांसें ली थीं, उस पवित्र स्थल के इस अपमान से दुनिया भर में सिख समुदाय खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। पाकिस्तान में सिखों के पवित्र स्थल करतारपुर साहिब गुरुद्वारा में हाल ही में कथित तौर पर डांस पार्टी करने और शराब के साथ मांसाहारी भोज का आयोजन करने पर श्रद्धालुओं में काफी आक्रोश है। बीजेपी नेता और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने नाच-गाने और पार्टी करने का एक वीडियो भी जारी किया है। उनका कहना है कि यह सिख समुदाय का अपमान है। इस घटना की कठोर निंदा करते हुए सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में पाकिस्तान सरकार से आरोपियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई के लिए कहा है। करतारपुर साहिब गुरुद्वारा परिसर में 18 नवंबर 2023 को डांस पार्टी आयोजित होने के बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा के दावे पर एसजीपीसी के प्रवक्ता गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा, पूरा सिख समुदाय इस शर्मनाक घटना की निंदा करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में विधेयकों को पास करने में हो रही देरी पर उठाए सवाल!

राज्यपाल तीन साल से क्या कर रहे थे : चंद्रचूड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि से सवाल किया कि उनकी मंजूरी के लिए भेजे गए कुछ बिल्स पर उन्होंने तब एक्ट क्यों किया जब मामला अदालत के पास पहुंच गया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा कि- राज्यपाल तीन साल से क्या कर रहे थे?

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच को हेड कर रहे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह सवाल उठाया। इस याचिका में तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि पर विधायिका द्वारा उन्हें भेजे गए कुछ बिल्स पर कोई एक्शन नहीं लिए जाने का आरोप लगाया था।सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई एक दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने इस फैक्ट पर गौर किया कि तमिलनाडु विधानसभा ने गवर्नर द्वारा लौटाए गए 10 विधेयकों को फिर से पारित किया है।

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने राज्यपाल कार्यालय की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल (एजी) आर वेंकटरमणी की ओर से सुनवाई टालने के आग्रह को मान लिया। बेंच ने कहा, पहले हम विधेयकों (पुन: पारित) पर राज्यपाल के निर्णय का इंतजार करते हैं।

विधेयकों को मंजूरी देने में देरी पर गौर करते हुए पीठ ने कहा कि- मुद्दा यह है कि क्या राज्यपाल के कार्यालय को सौंपे गए संवैधानिक कार्यों के निर्वहन में देरी हुई है। इस पर एजी ने अदालत के समक्ष कहा कि वर्तमान राज्यपाल ने 18 नवंबर, 2021 को कार्यभार संभाला था और देरी के लिए राज्यपाल को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कई विधेयकों में कई 'जटिल मुद्दे' अंतर्निहित होते हैं।

यूएफओ का पता लगाने के लिए वायुसेना ने भेजे दो राफेल विमान

नई दिल्ली। मणिपुर के इंफाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास रविवार दोपहर को यूएफओ देखा गया। सच्चाई का पता लगाने के लिए भारतीय वायु सेना ने फौरन इंफाल हवाई अड्डे के पास दो राफेल लड़ाकू विमानों को भेज दिया।

इंफाल एयरपोर्ट पर यूएफओ देखे जाने की घटना रविवार दोपहर करीब 2.30 बजे हुई, जिसके बाद सामान्य उड़ान सेवाएं प्रभावित हुईं। रक्षा सूत्रों ने एक समाचार एजेंसी को बताया, इंफाल एयरपोर्ट के पास यूएफओ के बारे में सूचना मिलने के तुरंत बाद सबसे नजदीकी एयरबेस से एक राफेल लड़ाकू विमान को यूएफओ की तलाश के लिए भेजा गया।

तलाशी में नहीं मिला यूएफओ-उन्होंने कहा, उन्नत सेंसर से लैस राफेल ने यूएफओ की तलाश के लिए संदिग्ध क्षेत्र में निचले स्तर पर उड़ान भरी, लेकिन उसे वहां कुछ नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पहले विमान के वापस लौटने के बाद एक दूसरे राफेल विमान को भेजा गया। दोनों विमानों ने यूएफए की टोह ली, लेकिन यूएफओ को आसपास के इलाके में कहीं नहीं देखा गया।

सेना के अधिकारी ने कहा, संबंधित एजेंसियां यूएफओ का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं क्योंकि इंफाल हवाई अड्डे पर यूएफओ को देखा गया है और इसका वीडियो भी है। वहीं, इंफाल एयरपोर्ट से उड़ान के लिए मंजूरी मिलने के तुरंत बाद, भारतीय वायु सेना के शिलांग मुख्यालय में मौजूद पूर्वी कमान ने कहा, हमने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं मनीषा पांडे उम्र 49 वर्ष पति श्री आशीष पाण्डे निवासी- 814/1 कछियाना मोहल्ला, आमनपुर, नरसिंह वार्ड जबलपुर सूचना प्रेषित करती हूं यह कि मेरा पुत्र अभिनव पाण्डे (ABHINAV PANDEY) का नाम जन्म प्रमाण पत्र में अभि लिखा है एवं स्कूल के समस्त दस्तावेजों एवं अन्य दस्तावेजों में अभिनव लिखा हुआ है मेरे पुत्र का नाम अभिनव पाण्डे (ABHINAV PANDEY) (जन्म तिथि 31.07.2009) पिता स्व. श्री आशीष पाण्डे है। यह कि मेरा पुत्र का नाम समस्त दस्तावेजों में मनीषा पाण्डे पति स्व. श्री आशीष पाण्डे लिखा हुआ है उपरोक्त दोनों नाम अभि एवं अभिनव मेरे ही पुत्र के नाम है तथा मेरा पुत्र अभिनव पाण्डे के नाम से जाना पहचाना जाता है अत: मेरे पुत्र का नाम अभिनव पाण्डे (ABHINAV PANDEY) पिता स्व. आशीष पाण्डे लिखा एवं पढ़ा जावे।

पूर्व नाम-अभि एवं अभिनव
वर्तमान नाम- अभिनव पाण्डे
(ABHINAV PANDEY)
र.नं. 1591

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अपूर्व शुक्ला (APOORV SHUKLA) पिता भी शील गगन शुक्ला उम्र 19 वर्ष (जन्म तिथि 21.04.2004) निवासी- B2/311, अनमोल हाईट्स न्यू रामनगर एतिहासिक वैली स्कूल रोड आधारताल जबलपुर मेरी मां श्रीमती मंजुला शुक्ला (मंजुला गोटिया/ मंजुला शर्मा)का प्रथम विवाह श्री अभिषेक शर्मा से हुआ था। मेरी मां ने विवाह-विच्छेद के उपरांत दूसरा विवाह श्री शील गगन शुक्ला के साथ किया है जिसका विधिवत पंजीयन दिनांक 23.12.2020 पंजीयन क्रं. RS/451/2307/2377/ 2020 के जरिये पंजीयन स्थान जबलपुर में किया गया है। यह कि मेरा जन्म से नाम अपूर्व शर्मा पिता श्री अभिषेक शर्मा सभी शासकीय, अशासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में आज दिनांक तक चला आ रहा है मेरी मां के दूसरे विवाह के पश्चात में सभी दस्तावेजों में अपना नाम अपूर्व शुक्ला (APOORV SHUKLA) पिता श्री शील गगन शुक्ला कराना चाहता हूं। यह कि आज दिनांक से मुझे अपूर्व शुक्ला पिता शील गगन शुक्ला के नाम से जाना पहचाना जावे। एवं सभी दस्तावेजों में मेरा नाम अपूर्व शुक्ला (APOORV SHUKLA) पिता शील गगन शुक्ला पढ़ा एवं लिखा जावे।

पूर्व नाम-अपूर्व शर्मा
वर्तमान नाम- अपूर्व शुक्ला
((APOORV SHUKLA)
र.नं. 1592

विशाखापत्तनम बंदरगाह पर भीषण आग,40 नावें राख

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम में एक बंदरगाह पर बीती रात भीषण आग लगने की जानकारी सामने आई है। इस घटना में लगभग 40 मछली पकड़ने वाली नावें जलकर राख हो गईं। मछुआरों को संदेह है कि कुछ अपराधियों ने नावों में आग लगाने का काम किया है। उन्होंने यह भी संदेह जताया कि आग एक नाव में किसी पार्टी द्वारा लगाई गई थी, जिसमें 30 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है।

आवश्यक सूचना

पमरे, जबलपुर मंडल का रेल कर्मचारी शिविर जनवरी/फरवरी 2024 में जाना है। (04 नाइट व 05 दिन) उक्त शिविर केरल जाना है। इस हेतू टूर्स/ ट्रेवल्स एजेन्सी से क्योटेशन आमंत्रित है जो मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर के कल्याण अनुभाग में दि. 30/11/2023 तक अनिवार्य रूप से जमा कर दिये जायें।

email-cosweljbp@gmail.com
Mob. No. - 9752419027

जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री

JABALPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY JCCI
Moti Building, Ashok Marg Cantt.. JABALPUR (M.P.) INDIA - 482001
Ph.: 91-0761-2971866, 2620626, email: jcciin@yahoo.com, www.jccl.in

Notice is hereby given that TWENTY SEVEN ANNUAL GENERAL MEETING of the members of the JABALPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY, JABALPUR will be held on Tuesday, 12th December 2023 at 4:00 PM at Chamber Office, Moti Building, Ashok Marg, Cantt, Sadar, JABALPUR.

The following business shall be transacted at the meeting:

1. To receive the enclosed 27th Report of the Directors of the JCCI.
2. To receive and approve the Auditors Report and Audited Accounts of the Jabalpur Chamber of Commerce & Industry for the period ending 31st March 2023.
3. To appoint Auditors for the year 2023-24 and fix their remuneration.
4. To approve budget for the year 2023-24.
5. To decide upon the events & programmes in the calendar year 2023-24.
6. To Carry out any other business with the permission of the Chair.

- All members are cordially invited to attend. 'Thanking You'

For & On Behalf of the Board — Date 20/11/2023
Pankaj Maheshwari (Secretary) — Place: Jabalpur

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. /अ-6 / वर्ष 2023-24

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार पंजीकृत बैनामा के आधार नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 30/11/2023 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचारधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	क्षेत्रफल व.फु. में	विद्यमान अभिलेख में धारक/ धारकों के नाम, पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/ पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1.	2.	3.	4.	5.	6.
01	कंदेली	2/29	3600 वर्गफुट	गिरीशचरण दुबे आ. स्व. मैथिलीचरण दुबे निवासी इतवारा बाजार लाल बंगला कम्पाउंड कंदेली नरसिंहपुर	मिथलेश राजपूत आ. लक्ष्मन सिंह राजपूत निवासी ग्राम बाबरिया पो. बचई तहसील व जिला नरसिंहपुर

आज दिनांक 20/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

जजों की नियुक्ति में.....

गए नामों पर नियुक्ति नहीं करना परेशान करने वाला है। **5 दिसम्बर को होगी अगली सुनवाई** -कॉलेजियम की सिफारिशों पर अमल करने के लिए और वक्त देते हुए कोर्ट ने कहा कि केंद्र इसका समाधान लेकर आए। 5 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी। बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से जजों की नियुक्ति को लेकर यह याचिका लगाई गई है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि विधानसभा चुनावों में व्यस्तता की वजह से देरी हुई है। सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं थी। हमने सरकार को सूचित कर रखा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा हमने हाईकोर्ट्स में 14 जजों की नियुक्ति की सिफारिश की है, लेकिन नियुक्ति सिर्फ गुवाहाटी हाईकोर्ट में हुई। सरकार की इस पसंद-नापसंद से जजों के वरिष्ठता के क्रम पर असर पड़ता है। वकील जज बनने के लिए अपनी मंजूरी वरिष्ठता के लिए ही तो देते हैं। जब इस पर अमल नहीं होगा, तो वे जज बनने को क्यों राजी होंगे?

चुनाव वाले 5 राज्यों.......

आयोग ने पांच राज्यों में चुनावी खर्च पर नजर रखने के लिए 228 पर्यवेक्षक तैनात किए थे। साथ ही 194 विधानसभा सीटों को चुनावी खर्च के लिहाज से संवेदनशील बताया था। आयोग के मुताबिक, इससे पहले जिन 6 राज्यों गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में चुनाव हुए थे, वहां से 1400 करोड़ की चीजें बरामद की गई थीं। यह इन राज्यों में पिछले चुनाव के दौरान हुई बरामदगी का 11 गुना था। मिजोरम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मतदान कराए जा चुके हैं। राजस्थान और तेलंगाना में क्रमश: 25 और 30 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को करायी जाएगी।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

रा.प्र.क्र. 0955/ अ-6/20......

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अमरजीत सिंह स्व. मोहन सिंह एवं अन्य निवासी- .... द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक ...... के माध्यम से मौजा हाथीताल नं.बं. 753 प.ह.नं. .... खसरा नं. 33 रकवा 2600 वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र/वसीयतनामा/ बटवारानामा/हस्तांतरण पत्र /हकत्याग पत्र/दानपत्र एवं नक्शा बटांक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 05/12/2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20/11/2023 को जारी।

जारी दिनांक 20/11/2023
पेशी दिनांक 05/12/2023

र.नं. 1597 नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

रा.प्र.क्र. 0956/ अ-6/2023-24

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र सिंह परमार स्व. श्री फूलसिंह परमार निवासी- .... द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक ...... के माध्यम से मौजा हाथीताल नं.बं. 753 प.ह.नं. .... खसरा नं. 33 रकवा 1360 वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र/वसीयतनामा/ बटवारानामा/हस्तांतरण पत्र /हकत्याग पत्र/दानपत्र एवं नक्शा बटांक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 05/12/2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20/11/2023 को जारी।

जारी दिनांक 20/11/2023
पेशी दिनांक 05/12/2023

र.नं. 1597 नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मैं MOHAMMAD ZABIULLA MULLICK S/O MOHAMMAD GULAM HUSAN MULLICK यह सूचित करता हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर J1419476 जारी दिनांक 10/09/2010 वैद्यता दिनांक 09/09/2020 में मेरा नाम MOHAMMAD ZABIULLA MALIK लिखा हुआ हैं, जिसे मैंने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD ZABIULLA MULLICK रख लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, एवं बैंक पासबुक आदि में दर्ज है। अत: मेरे नाम को MOHAMMAD ZABIULLA MULLICK ही पढ़ा-लिखा एवं समझा जावें।

पूर्व नाम - MOHAMMAD ZABIULLA MALIK
वर्तमान नाम — MOHAMMAD ZABIULLA MULLICK
पता - 1728, AHIR MOHALLA FRONT OF GURUDWARA GORAKHPUR, JABALPUR (M.P.) PIN- 482001
र.नं. 1594

देश-प्रदेश

उवाच

एक देश-एक चुनाव देश की जरूरत

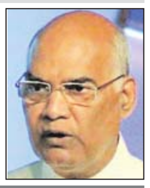

रायबरेली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आम चुनाव को राष्ट्र हित का मुद्दा बताते हुये 'वन नेशन वन इलेक्शन' की वकालत की है। एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने यहां आये श्री कोविंद ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' देश की जरूरत है। इसके होने से जो राष्ट्र का धन व संसाधन बचेगा उसे जन विकास के कार्यों में खर्च किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस सम्बंध में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है जिसके अध्यक्ष वे खुद हैं। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बहुत सी समितियों की रिपोर्ट आई है यहां तक कि पार्लियामेंट्री कमेटी, नीति आयोग और चुनाव आयोग की भी रिपोर्ट है जिसमे इस परम्परा की आवश्यकता बताई गई है। इस प्रक्रिया से एक समय मे सारे चुनाव होने से सरकारी मशीनरी और कोष पर अलग से बोझ नहीं पड़ेगा।

राजस्थान में अंतिम दौर में तेज हुआ चुनाव प्रचार

प्रधानमंत्री ने पाली की सभा में किया ऐलान

भाजपा सरकार बनी तो पेट्रोल-डीजल के दामों की समीक्षा की जाएगी

पाली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं और यहां के मुख्यमंत्री प्रमाण पत्र देते हैं कि फर्जी शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं। यह महिलाओं का अपमान है। मोदी ने पाली के जार्डन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार महंगा पेट्रोल बेचकर कट कंपनी चलाती है। मैं गारंटी देता हूं कि अगर 3 दिसंबर के बाद भाजपा की सरकार बनी तो पेट्रोल-डीजल के दामों की समीक्षा की जाएगी। पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकारें सस्ती दरों पर पेट्रोल बेच रही हैं।

मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आपका मोबाइल बिल भी कम कर दिया है। अगर 2014 से पहले डेटा की कीमत तय की गई होती, तो आज आप जितना डेटा खर्च कर रहे हैं, उससे कम से कम 5 हजार रुपये अधिक आपको मोबाइल पर खर्च करने पड़ते थे। एक परिवार में कम से कम 4 मोबाइल फोन हैं, मोदी ने ये खर्च बचा लिया है।

मोदी ने कहा कि जब से महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ है, तब से घमंडिया गठबंधन ने महिलाओं के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन मजाल है कि किसी कांग्रेस नेता ने आवाज उठाई। ये है कांग्रेस का असली चेहरा।

उन्होंने कहा कि महिला विरोधी कांग्रेस कभी भी महिलाओं का कल्याण नहीं कर सकती। कांग्रेस ने महिलाओं के खिलाफ अपराध में राजस्थान को नंबर वन बनाया है। यहां मुख्यमंत्री का कहना है कि राजस्थान की बहन-बेटियों ने थाने में फर्जी शिकायत दर्ज कराई है। हमारे देश में कोई मां-बहन ऐसा नहीं कर सकती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में रोड़े अटकटाने की तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक गरीबों के लिए 20 लाख घर बन चुके हैं। इनकी संख्या और भी हो सकती थी। कांग्रेस की मानसिकता गरीब विरोधी है। राजस्थान में हर घर नल से जल पहुंचाने के काम में भी कांग्रेस ने डाका डाला। आधी आबादी तक पानी नहीं पहुंचा। माता-बहनों से उनकी क्या दुश्मनी है, समझ नहीं आ रहा। न उन्होंने काम किया, न होने दिया। मैं दिल्ली से पाइप-नल के लिए पानी भेजता हूं, यहां कांग्रेसी कागज पर नल लगाते हैं और पैसे डकार जाते हैं। पानी के लिए कांग्रेस से मुक्ति पानी होगी। कांग्रेस विज्ञापनों में पैसे देकर फर्जी लहर चला रही है। लाल डायरी और लॉकर से निकले पैसों पर मुख्यमंत्री धमका रहे हैं। कांग्रेस का यह पाप ज्यादा नहीं चलेगा।

प्रियंका ने मतदाताओं से कहा-

आकलन करें कि किस सरकार ने आपको राहत दी

केकड़ी, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी राजस्थान में भाजपा के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर लगातार हमलावर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति केवल लोगों को धर्म जाति के नाम पर लड़ाना है। केकड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे आकलन करें कि किस सरकार ने उन्हें राहत पहुंचाई। प्रिंयका गांधी ने कहा कि सदा हिंदुस्तान और पाकिस्तान की बातें कर लोगों को भटकाती रहती है। इस दौरान प्रियंका गांधी ने सोमवार को वसुंधरा का नाम लिए बगैर उनके प्रति अपनी हमदर्दी जताई।

उन्होंने विधानसभा में प्रत्याशी रघु शर्मा के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जनता सोच समझकर आकलन करें, कि किस सरकार ने उन्हें राहत दी है और किस सरकार ने उन्हें नुकसान। आपकी एक बड़ी गलती आने वाले 5 सालों में बड़ा नुकसान कर सकती है। प्रियंका गांधी ने अपनी भाषण की शुरुआत ठेठ राजस्थानी भाषा में 'घणी राम राम सा' कहकर शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मोदी जी राजस्थान में लगातार जो भाषण दे रहे हैं। उनमें जो आरोप और बातें कर रहे हैं। उनका मैंने आकलन किया तो, मुझे महसूस हुआ कि पीएम मोदी के आरोपों और उनकी बातों में कोई वजन नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि वे केवल इधर-उधर की बातें करते हुए लोगों को भटकाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई विजन नहीं है। उनके पास वोट मांगने के लिए भी कोई मुद्दा नहीं है।

मालवा निमाड़ में उम्मीद से कम मतदान ने बढ़ाई कांग्रेस-भाजपा की चिंता

13 सीटों पर बीते विधानसभा चुनाव से भी कम हुआ मतदान

इंदौर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 के मतदान के अंतिम आंकड़े चुनाव आयोग द्वारा जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश में 2533 उम्मीदवारों का भाग्य वोटिंग मशीनों में बंद हो गया है, बस इंतजार है तो 3 दिसंबर का। उस दिन सभी के भाग्य का फैसला हो जाएगा। मालवा-निमाड़ में विधानसभा की 66 सीटें हैं। इसमें से 22 अनुसूचित जनजाति।

नौ अनुसूचित जाति और 35 सामान्य के लिए आरक्षित हैं। सभी दलों के नेताओं ने मालवा निमाड़ में चुनावी सभाओं को सम्बोधित किया है। मालवा-निमाड़ में हुए मतदान की बात करें तो वर्ष 2018 के मुकाबले मात्र 0.47 प्रतिशत मतदान ज्यादा हुआ है, जबकि 2013 के मुकाबले 2018 में 3.39 प्रतिशत मतदान अधिक हुआ था। मालवा निमाड़ में मतदान के प्रति जागरूकता या मतदाताओं की बेरुखी एक चिंता का विषय है। मालवा निमाड़ की 66 सीटों पर 2018 के मुकाबले सबसे कम मतदान बड़वानी में हुआ, जो वर्ष 2018 से 5.25 प्रतिशत कम है, जबकि 2018 में यह सीट भाजपा के पास थी। पिछले विधानसभा चुनाव में हुए मतदान प्रतिशत करीब 13 स्थानों पर इस बार मतदान कम हुआ है, मांधाता, खंडवा, पंधाना, बड़वाह, पेटलावद, गंधवानी, मनावर, बदनावर, महू, जावद, देवास, खातेगांव और बागली में कम मतदान में शामिल है। इन 13 कम मतदान सीटों पर 7 भाजपा और 6 कांग्रेस के पास थी, जाहिर है दोनों के पास सीटों का सामान्य अंतर है। इलाके की 26 सीटों पर पिछले चुनाव के मुकाबले एक प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इसमें से पिछले चुनाव में 13 स्थान कांग्रेस, 12 भाजपा और 1 निर्दलीय के पास था। इस तरह इसमें भी कोई बड़ा अंतर नहीं है। अनुसचित जनजाति की सीटों पर 2018 के मुकाबले इस वर्ष 0.03 प्रतिशत मतदान कम हुआ। इसी तरह वर्ष 2013 के मुकाबले 2018 में इन अजजा सीटों पर 5.15 प्रतिशत मतदान अधिक हुआ था। अनुसचित जाति की सीटों पर भी 2018 के मुकाबले 0. 68 प्रतिशत कम मतदान दर्ज किया गया, जबकि 2013 के मुकाबले 2018 में 2.98 प्रतिशत अधिक मतदान दर्ज किया था। जोबट में हमेशा कम मतदान होता रहा है पर इस बार 2018 के मुकाबले 1.53 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया है। सैलाना में मालवा का सर्वाधिक 90.1 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड दर्ज किया गया। मालवा निमाड़ में मतदान सैलाना के बाद थांदला और रतलाम ग्रामीण में हुआ। सैलाना में महिलाओं ने सर्वाधिक मतदान किया। थांदला और जावद महिला मतदान में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। मालवा निमाड़ में कुछ स्थानों पर पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाता की संख्या अधिक थी, वहां भी महिलाओं ने कम मतदान किया। अलीराजपुर में 3.07, पानसेमल में 3.35, कुक्षी में 3.94 ,पेटलावद में 1..83 और झाबुआ में 2.32 प्रतिशत महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले कम मतदान किया है। मालवा निमाड़ में मतदान का प्रतिशत कम होना और प्रदेश में बढ़ना निश्चय ही उम्मीदवारों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। प्रदेश में सत्ता प्राप्ति के लिए मालवा निमाड़ की अहम भूमिका रहती है।

चंद्रबाबू नायडू की नियमित जमानत मंजूर

विजयवाडा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को कौशल विकास घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की नियमित जमानत मंजूर कर ली। उच्च न्यायालय ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष को नियमित जमानत मंजूर कर ली और उन्हें 29 नवंबर से सभी राजनीतिक और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी गयी है। उच्च न्यायालय ने दलील दी इसका कोई सबूत नहीं मिला है कि नायडू गवाहों को प्रभावित करेंगे। विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री नायडू की नियमित जमानत मंजूरी पर न्यायमूर्ति टी मल्लिकार्जुन राव ने तर्क दिया, रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री से निश्चित रूप से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि गलत तरीके से जुटायी गयी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष छतरपुर पहुंचे, राजनगर मामले में कलेक्टर-एसपी को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस विधायक विक्रम सिंह समेत 12 लोगों पर कई धाराओं में मामला दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में सलमान की मौत के बाद राजनीति गर्मा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा 2 दिन पहले यहां धरना दिए जाने के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा आज छतरपुर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा विधायक और राजनगर से कांग्रेस प्रत्याशी नातीराजा ने अपने ही ड्राइवर की बलि दे दी।

राजनीतिक लाभ के लिए योजनाबद्ध तरीके से उन्होंने ऐसा किया। प्रशासन ने इस मामले में एकतरफा कार्रवाई की। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग भी की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं के साथ कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें भाजपा प्रत्याशी और पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। इसके कुछ देर बाद ही पुलिस ने कांग्रेस विधायक विक्रम सिंह समेत 12 लोगों पर कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश शासन के मंत्री विजेन्द्र प्रताप सिंह, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता यादव, पार्टी के प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाहा, पार्टी के जिला अध्यक्ष मलखान सिंह, विधायक राजेश शुक्ला, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या हरिओम अग्निहोत्री, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अभिनेन्द्र पटैरिया, पन्ना के पूर्व जिला अध्यक्ष सदानंद गौतम एवं चंदला प्रत्याशी दिलीप अहिरवार उपस्थित रहे।

मामले में दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए : शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने यहां कहा कि हमने पुलिस प्रशासन को इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है। मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। पार्षद सलमान की मौत कैसे हुई है। प्रशासन ने कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कलेक्टर से शिकायती आवेदन में कहा है कि गाड़ी से कुचलने के मामले में 302 के तहत मामला दर्ज किया गया क्या ऐसा होता है।

इनका कहना है

कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह, शिवम सिंह बुंदेला, गोविंद सिंह, शनि सिंह, धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर, योगेन्द्र सिंह छुटटे राजा, अमर सिंह, महूम सिंह, जगत सिंह, अजय सिंह, शैलेन्द्र सिंह डिगौनी, रामकिशोर गुप्ता सहित 20 अन्य लोगों पर 307 समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यह केस 17 तारीख को सुबह 3 से 4 बजे के बीच विवाद हुआ थाए उसे लेकर है। दोनों ही मामलों में निष्पक्ष जांच करवाई जा रही है।

अमित सांघी, *एसपी, छतरपुर*

कार्यकर्ता बैठक में बोले-

डरने की जरूरत नहीं, मैं आपके साथ हमेशा खड़ा हूं

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने छतरपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली। उन्होंने कहा कि निराधार और मनगढंत आरोपों से डरने की जरूरत नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं को देवतुल्य मानती है, किसी भी कार्यकर्ता को अगर कोई भी व्यक्ति डराता है या परेशान करने की कोशिश करता है तो पूरी पार्टी उसके साथ खड़ी है। निर्दोष कार्यकर्ताओं पर बिना जांच, बिना सबूत के हत्या जैसे गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए चुनाव आयोग और पुलिस महानिदेशक को शिकायत की गई है। बैठक में खनिज मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, संभाग प्रभारी मुकेश चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता यादव, प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाहा, विधायक राजेश शुक्ला, जिला अध्यक्ष मलखान सिंह, पन्ना जिला अध्यक्ष रामबिहारी चौरसिया, पूर्व जिला अध्यक्ष सदानंद गौतम, जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौरसिया मौजूद थे।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर तक

प्रदेश के 16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई।

टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये। बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

कांग्रेस ने शाजापुर जिलाध्यक्ष को पद से हटाया

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने शाजापुर जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह बंटी को पद से हटा दिया है। उन पर चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस संबंध में उनसे सात दिन में जवाब मांगा गया है। चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मप्र कांग्रेस ने पार्टी के खिलाफ काम करने पर शाजापुर जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह बंटी को पद से हटा दिया है। सात दिन में जवाब मांगा है। इसमें संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

राज्यस्तरीय ऑडिट सप्ताह प्रारंभ

विधायिका व महालेखाकार के कार्य परस्पर अनुपूरक हैं : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि विधायिका और महालेखाकार के कार्य संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन परस्पर अनुपूरक हैं। वह राज्य स्तरीय ऑडिट सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर मध्य प्रदेश एकाउन्टेंट जनरल (ऑडिट) ऑफिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे।

इसके पहले श्री सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि 24 नवंबर तक आयोजित इस ऑडिट सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका का यह उत्तरदायित्व सभा के सदस्यों द्वारा विधायी प्रक्रिया के तहत विधानसभा के सत्र के समय प्रश्न, ध्यानाकर्षण, बजट की मांगों पर चर्चा आदि के माध्यम शासन की नीतियों और कार्यक्रमों का विश्लेषण कर सुनिश्चित किया जाता है। परन्तु विधान सभा का सत्र न होने पर यही कार्यपालिका के दायित्व के निर्धारण का कार्य विधानसभा की समितियों द्वारा किया जाता है। इन समितियों में विशेष रूप से वित्तीय समितियां, जैसे लोक लेखा समिति, सार्वजनिक उपक्रमों संबंधी समिति, पंचायती राज लेखा समिति आदि के परीक्षण के कार्य में महालेखाकार एवं उनके कार्यालय द्वारा सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। संविधान में विधानसभा के पटल पर रखे गये महालेखाकार के प्रतिवेदनों को वित्तीय समितियों के परीक्षण के लिये संदर्भित किया जाता है, यह समितियां शासन के विभागों से बजट के माध्यम से दी गई राशि का सही ढंग से उपयोग करने की स्थिति का परीक्षण महालेखाकार के अधिकारियों द्वारा तैयार किये गये प्रतिवेदन के आक्षेपों के आधार पर किया जाता है। श्री सिंह ने कहा कि विधायिका और उसकी समितियों तथा महालेखाकार के ऑडिट दोनों का ही उद्देश्य शासन व्यववस्था में पारदर्शिता, दायित्वों और सुशासन के लिए रचनात्मक सुझाव देने की रहती है।

श्री सिंह ने आशा व्यक्त की है कि 20 नवम्बर से प्रारंभ इस 'ऑडिट सप्ताह' में विभिन्न सामयिक और उपयोगी विषयों पर चर्चा में परस्पर ज्ञान एवं अनुभवों का आदान-प्रदान किया जाएगा तथा जनसरोकार के विषयों पर विचार किया जाएगा, इससे महालेखाकार और उनकी टीम नई ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का गुणवत्ता से निवर्हन करने में सक्षम हो सकेगी। इस अवसर पर महालेखा परीक्षक के अतिरिक्त सुनील शर्मा, वरिष्ठ उप लेखापरीक्षक, अजय यशवंत, उप लेखा परीक्षक, केबीन थॉमस, उप लेखा परीक्षक, सुश्री स्मिता सक्सेना, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, संजय सक्सेना व अन्य ऑडिट एवं एकाउंट कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जनसरोकार के मुद्दों पर होगी चर्चा : पारेख

इसके पहले मुख्य महालेखा परीक्षक सुश्री प्रिया पारेख ने यह ऑडिट सप्ताह मध्यप्रदेश के महालेखाकार और संबद्ध कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया है। इसमें अनेक विषयों पर विशेषज्ञों के साथ ग्रुप चर्चा, क्विज प्रतियोगिता और पर्यावरण के संबंध में परिचर्चा तथा अन्य जनसरोकार के मुद्दों को लिया जाएगा। सभी अधिकारी और कर्मचारी इसमें उत्साह से भाग ले रहे हैं।

कश्मीर में 'चिल्लेकलां' से पहले ही भयानक सर्दी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। कश्मीर में चिल्लेकलां (भयानक सर्दी का मौसम) का आगमन अभी एक माह दूर है पर कश्मीरी अभी से ठंड से चिल्लाने लगे हैं। ऐसे में उन्हें चिंता है कि इस बार चिल्लेकलां के दौरान कितनी भयानक सर्दी पड़ेगी।

कश्मीर में 21 और 22 दिसम्बर की रात से सर्दी के मौसम की शरु आत मानी जाती है। करीब 40 दिनों तक के मौसम को चिल्लेकलां कहा जाता है। और इस दिन हुई बर्फबारी कई सालों के बाद सही समय पर हुई है। नतीजतन कुदरत का समय चक्र सुधरा तो कश्मीरियों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि पिछले कई सालों से बर्फबारी के समय पर न होने के कारण वे चिल्लेकलां को ही भुला बैठे थे।

40 दिनों तक चलता चिल्लेकलां

चिल्लेकलां करीब 40 दिनों तक चलता है और उसके बाद चिल्ले खुर्द और फिर चिल्ले बच्चा का मौसम आ जाता है। अभी तक चिल्लेकलां के दौरान 1986 में कश्मीर में तापमान शून्य ये 9 डिग्री नीचे गया था जब विश्व प्रसिद्ध डल झील दूसरी बार जम गई थी। वैसे चिल्लेकलां के दौरान कश्मीर के तापमान में जो गिरावट देखी गई है उसके मुताबिक तापमान शून्य से 5 व 7 डिग्री ही नीचे जाता है।

हालांकि समय चक्र के सुधार से कश्मीर में पानी की किल्लत और बिजली की कमी जैसी परेशानियों से निजात मिलने की उम्मीद तो जगती है लेकिन कश्मीरी परेशानियों के दौर से गुजरने को मजबूर इसलिए हो जाते हैं क्योंकि पिछले कई सालों से मौसम के खराब रहने के कारण राजमार्ग के बार-बार बंद रहने का परिणाम यह होता है कि कश्मीरियों को चिंता इस बात की रहती है कि उन्हें खाने पीने की वस्तुओं की भारी कमी का सामना किसी भी समय करना पड़ सकता है।

रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति होती है बाधित

पहले चिल्लेकलां के शुरू होने से पहले ही कश्मीरी सब्जियों को सुखा कर तथा अन्य चीजों का भंडारण कर लेते थे मगर कई सालों से मौसम चक्र के गड़बड़ रहने के कारण वे इसे भुला बैठे थे। और अब तो राजमार्ग के बार-बार बंद होने से घाटी में रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति समय पर न होने के कारण उन्हें कई बार महंगे दामों पर खाने पीने की वस्तुएं खरीदनी पड़ती हैं। फलहाल सर्दी से कोई राहत भी नहीं मिल पा रही है। अनुमान इस बार का यह है कि सर्दी अपना भयानक रूप दिखा सकती है। वैसे भी कुछ सालों से मौसम की पश्चिमी गड़बड़ियों के कारण कश्मीर कभी बर्फीले सुनामी के दौर से गुजरता है तो कभी बाढ़ से कश्मीरियों को सामना करना पड़ रहा है।

आगे और भी भयानक सर्दी का पड़ने का है अनुमान

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया और खेल भावना की हार

रविवार 19 नवंबर 2023 का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक हो सकता था। 1983 और 2011 की तरह टीम इंडिया क्रिकेट विश्वकप तीसरी बार जीत सकती थी। लेकिन खेल है तो हार-जीत लगी रहती है। और इस बार टीम इंडिया सभी मैचों में अपराजेय रहने के बावजूद फाइनल का मुकाबला हार गई। इसका मतलब यही है कि भारतीय टीम मजबूत है, उसके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास अकूत धन-संपत्ति है, जिससे वो सभी तरह की सुविधाएं और साधन खिलाड़ियों को मुहैया करा सकती है। यह सब होने के बावजूद भारतीय टीम ठीक-ठाक स्कोर बनाकर भी हार गई, तो इस हार को गरिमा के साथ स्वीकार करने में ही क्रिकेट की शोभा है, जिसे भद्रजनों का खेल भी कहा जाता है। लेकिन अफसोस कि इस बार क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करते हुए भारत में न केवल भारतीय टीम हारी, बल्कि खेल भावना भी नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बुरी तरह मात खाती नजर आई।

दरअसल खेल भावना की हार की पटकथा तो उसी दिन से लिखनी शुरु हो गई थी, जब सरदार पटेल के नाम पर बने स्टेडियम को मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर किया गया। इतने बड़े देश में कई और नए स्टेडियम बनाए जा सकते हैं और इनमें से किसी का भी नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर हो सकता था, लेकिन तुच्छ राजनैतिक सोच के कारण नाम बदलने का जो सिलसिला शुरु हुआ है, उसका एक और उदाहरण नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में देखने मिला। 1 लाख 32 हजार लोगों को बिठाने की क्षमता वाले स्टेडियम का जब फिर से उद्घाटन हुआ था, तो यहां कोई खेल प्रतियोगिता आयोजित न होकर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम किया गया। खेल और राजनीति के घालमेल का यह मोदीयुगीन उदाहरण था। इसके बाद ऐसी कई और मिसालें देखने मिली हैं।

महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन शोषण की न केवल शिकायत की, बल्कि इसके लिए अदालत तक से गुहार लगा दी, जंतर-मंतर पर लंबा धरना-प्रदर्शन किया। लेकिन जिस ब्रजभूषण शरण सिंह पर मुख्यत: आरोप हैं, वो आज भी संसद में मौजूद है और पीड़ित खिलाड़ी इंसाफ की बाट जोह रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में संसद में ही मौजूद नामचीन खिलाड़ी पी टी उषा ने कोई आवाज नहीं उठाई, उल्टा उन्हें नसीहत दे दी। लेकिन भारत को पहला विश्वकप दिलाने वाले कपिल देव ने महिला खिलाड़ियों के हक में आवाज उठाई थी, तो वे इस बार नरेन्द्र मोदी स्टेडियम नहीं पहुंच पाए। कपिल देव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वे तो चाहते थे कि उनके साथ पहली बार विश्वकप उठाने वाली पूरी टीम फाइनल मुकाबला देखने पहुंचती, लेकिन बीसीसीआई शायद इतने जरूरी कामों में व्यस्त है कि उन्हें फाइनल मुकाबला देखने के लिए आमंत्रित ही नहीं किया गया। वैसे ये देखना रोचक है कि कपिल देव के किरदार को सिनेमा में उतारने वाले रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। फिल्मी, उद्योग और आध्यात्मिक व्यापार से जुड़े कई नामी लोग स्टेडियम में टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और जग्गी वासुदेव अगल-बगल ही बैठे थे और उन दोनों को आपस में बात करते हुए देखा गया। हालांकि सचिन के आखिर विश्वकप में उन्हें जीत का तोहफा देने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी इस फाइनल मुकाबले में नहीं रहे। शायद बीसीसीआई के लिए क्रिकेट के अहम हस्ताक्षरों से कहीं जरूरी उन लोगों की मौजूदगी थी, जिनके कारण यह खेल सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की तरह बना हुआ है। खेल भावना में हार का यह एक और उदाहरण है।

विश्वकप मुकाबले में भारत की जीत की उम्मीदें लगाए दर्शकों को काफी मायूसी हुई और यह जायज भी है। लेकिन इसके लिए बहुत से लोगों ने, जिनमें कई राजनेता भी शामिल हैं, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराना शुरु कर दिया। अगर इस हार का ठीकरा मोदी सरकार की खेल नीति की वजह से फोड़ा जाता, तब भी बात समझ में आती। मगर कई लोगों ने नरेन्द्र मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया, सोशल मीडिया पर भी यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह सरासर खेल भावना के विरुद्ध बात है। खेल से तो शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती अच्छी होती है, इसमें अंधविश्वास जैसी बीमारी की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी शिकायत का कारण हो सकती है, क्योंकि जब देश में मणिपुर की गंभीर समस्या है, जब उत्तरकाशी की सुरंग में आठ दिनों से मजदूर फंसे हुए हैं, ऐसे संकटों के बीच प्रधानमंत्री मोदी खेल का आनंद लेने के लिए पहुंचे, यह सही बात नहीं है। श्री मोदी से इस बात की भी शिकायत की जा सकती है कि उनके शासन में देश ये कैसे मुकाम पर आ पहुंचा है, जहां धर्म और राष्ट्रवाद के उन्माद में हम मेहमाननवाजी और सामान्य शिष्टाचार भी भूलते जा रहे हैं। इसी स्टेडियम में पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुए मुकाबले में दर्शकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर भारत की अतिथि परंपरा को ठेस पहुंचाई थी। उसके बाद रविवार को आस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया गया। उनकी जीत और अच्छे प्रदर्शन पर वाहवाही की जगह सन्नाटा पसरा रहा। लाख की क्षमता वाले स्टेडियम में जब विजेता टीम विश्वकप उठा रही थी तो उसकी हौसलाअफजाई के लिए उंगलियों पर गिने जाने लायक दर्शक मौजूद थे, खुद प्रधानमंत्री आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को मंच पर ट्राफी के साथ अकेले छोड़कर चले गए। श्री मोदी के गृहराज्य और उनके नाम पर बने स्टेडियम में विजेता टीम के साथ यह अफसोसनाक व्यवहार हुआ, इसकी शिकायत होनी चाहिए। पनौती जैसे शब्दों के साथ विरोध करने वाले अपने पक्ष को ही कमजोर कर रहे हैं।

आखिरी बात, नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत विश्वकप जीतता तो भाजपा इसे भी चुनावी मुद्दे की तरह इस्तेमाल करती। एक टीवी चैनल ने तो शीर्षक ही लगा दिया था कि मोदी पहुंचे स्टेडियम, अब भारत की जीत पक्की। मोदी राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हो सकते हैं, लेकिन क्या बचपन से उन्होंने क्रिकेट की दीक्षा भी ली है, इस तथ्य का खुलासा होना अभी बाकी है। बहरहाल, आस्ट्रेलिया की लगातार छठवीं जीत और भारतीय टीम की हार के बीच भारत में खेल भावना क्यों हारती जा रही है, इसकी समीक्षा जरूरी है। आस्ट्रेलिया के अखबार तो हमारे इस रवैये की समीक्षा कर ही रहे हैं।

क्या भाजपा लोकप्रियतावाद के रास्ते पर बढ़ रही है?

विधानसभाई चुनाव के मौजूदा चक्र में पांच में से तीन राज्यों—मिजोरम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश— में वोट डाले जा चुके हैं और चौथे राज्य—राजस्थान—में इसी हफ्ते के आखिर में वोट पड़ जाएंगे। उसके बाद, इस चक्र में से तेलंगाना ही बचेगा, जहां मतदान इस महीने के आखिरी दिन, 30 नवंबर को होना है। लेकिन, तेलंगाना का मामला वैसे भी इस चक्र में कुछ अलग सा है। विधानसभाई चुनावों के इस चक्र में शामिल यह इकलौता दक्षिणी राज्य, ऐसा इकलौता राज्य भी है जहां एक क्षेत्रीय पार्टी— बीआरएस (पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति)—सत्ता में है। दूसरी तरफ, मिजोरम की तरह, इस चक्र का यह एक और ऐसा चुनाव मुकाबला है, जहां केंद्र में सत्ताधारी भाजपा, अपनी सारी कोशिशों तथा सारे पैंतरों के बावजूद, चुनावी हाशिए पर ही है। प्राय: सभी चुनावी रिपोर्टें और चुनाव-पूर्व सर्वे इस पर एकमत हैं कि तेलंगाना में वास्तविक चुनावी मुकाबला बीआरएस और कांग्रेस के बीच ही है, जबकि भाजपा काफी पीछे तीसरे स्थान के लिए होड़ कर रही है। इस माने में तेलंगाना के विधानसभाई चुनाव की कहानी के संकेत, मिजोरम की तरह, चुनाव के इस चक्र की मुख्य कहानी से अलग ही रहने जा रहे हैं। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि अब तक बाकायदा इसकी चर्चाएं भी शुरू हो गयी हैं कि चुनाव के इस चक्र के मोटे तौर उत्तरी भारत के लिए क्या संकेत हैं और विशेष रूप से आगामी आम चुनाव के लिए, सीधे चुनावी नतीजों के अलावा क्या संकेत नजर आते हैं।

इस सिलसिले में एक स्वत: स्पष्ट रुझान की ओर स्वाभाविक रूप से अनेक टिप्पणीकारों का ध्यान गया है। विशेष रूप से उत्तरी भारत के तीनों राज्यों—छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान—में, इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच जिस तरह कल्याणकारी कदमों के वादों की होड़ लगी हुई है, इससे पहले कम से कम हिंदीभाषी इलाके में शायद ही कभी देखने को मिली हो। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में, जहां कांग्रेस सत्ता में है, कांग्रेसी सरकारों में इन कल्याणकारी कदमों के वादों को और बढ़ाने की और भाजपा की ओर से, उनसे बढ़कर वादे करने की होड़ लगी हुई है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में जहां भाजपा सरकार में रही है, उसकी ओर से बढ़-चढ़कर वादे करने की कोशिश की गई है और उसे चुनौती दे रही कांग्रेस ने भी उसके एक-एक वादे का मुकाबला करने की कोशिश की है। इस कोशिश में दोनों ओर के चुनाव घोषणापत्रों में जैसे सभी संभव तबकों के लिए रियायतों के वादों को समेट लिया गया है।

विभिन्न तबकों के लिए रियायतों के वादों की इस होड़ में, जिसमें एक प्रकार से दोनों पक्ष एक जैसे ही वादे करते नजर आते हैं, एक दिलचस्प मुकाबला और जुड़ गया है। यह मुकाबला है, अपने इन वादों की विश्वसनीयता का भरोसा दिलाने और प्रतिद्वंद्वी के वादों को हवा-हवाई साबित करने के मुकाबले का। जाहिर है कि इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान में कांग्रेस और मध्य प्रदेश में भाजपा, अपनी पिछली सरकार के रिकार्ड के आधार पर, अपने वादों की विश्वसनीयता साबित करने में लगी हुई हैं और दूसरी ओर, जो पार्टियां सत्ता में नहीं हैं, वे संबंधित राज्यों की पिछली सरकारों के रिकार्ड के दावों पर भी सवालिया निशान लगाने में जुटी हुई हैं। इस सब के बीच भाजपा ने, जो कि इन तीनों हिंदीभाषी राज्यों में एक प्रकार से प्रधानमंत्री मोदी के ही नाम पर चुनाव लड़ रही है और जिसने इस चक्र में अपने इकलौते मुख्यमंत्री, शिवराज चौहान तक की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर खुद ही संदेह खड़े कर दिए हैं, फिर पूर्व-मुख्यमंत्रियों—वसुंधरा राजे और रमन सिंह—की तो बात ही क्या करना, एक नया काम यह किया है कि इन सारे वादों को बाकायदा 'मोदी की गारंटियां' का नाम दे दिया है। यह दूसरी बात है कि इस संदर्भ में 'गारंटियां' शब्द के उपयोग को, कांग्रेस अपनी शब्दावली में से बौद्धिक चोरी का मामला बता रही है।

राजेन्द्र शर्मा

मुद्दा सिर्फ विभिन्न तबकों के लिए रियायतों की इन घोषणाओं के मामले में मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के रूप में कांग्रेस और भाजपा के बीच होड़ होने का ही नहीं है। अव्वल तो यह नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा इस होड़ में कोई स्वेच्छा से शामिल नहीं हुई है। उसका स्वाभाविक रुख तो, जिसे उसके शीर्ष सिद्धांतकारों ने फिलहाल ताक पर भले रख दिया हो, पर त्यागा अब भी नहीं है।

इस सबसे कुछ टिप्पणीकारों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि अब इन चुनावों में मुकाबला, जनता के लिए रियायतों के वादों के बीच हो चला है। इसके साथ उसी सांस में यह भी जोड़ दिया जाता है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे और प्रयास, पीछे पड़ गए लगते हैं! लेकिन, ऐसा कोई निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा। बेशक, इसमें कोई शक नहीं है कि एक बार फिर चुनाव सामने देखकर, प्रधानमंत्री मोदी ने और जाहिर है कि उनसे संकेत ग्रहण कर संघ-भाजपा के समूचे नेतृत्व ने, कथित 'मुफ्त की रेवड़ियों' के प्रति अपनी हिकारत को अचानक सिर्फ त्याग ही नहीं दिया है, जोर-शोर से खुद भी अपनी ओर से इस तरह की रियायतें देने की कसमें खाने में लगे हुए हैं। यह दूसरी बात है कि 'मोदी की गारंटी' की शब्दावली का सहारा लेने के बावजूद, अपने वादों को विश्वसनीय बनाने के लिए उन्हें 'मुफ्त की रेवड़ियों' के प्रति हिकारत के अपने सुप्रीमो के रिकार्ड के चलते, कुछ न कुछ अतिरिक्त मेहनत भी करनी पड़ रही है।

फिर भी मुद्दा सिर्फ विभिन्न तबकों के लिए रियायतों की इन घोषणाओं के मामले में मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के रूप में कांग्रेस और भाजपा के बीच होड़ होने का ही नहीं है। अव्वल तो यह नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा इस होड़ में कोई स्वेच्छा से शामिल नहीं हुई है। उसका स्वाभाविक रुख तो, जिसे उसके शीर्ष सिद्धांतकारों ने फिलहाल ताक पर भले रख दिया हो, पर त्यागा अब भी नहीं है, इस सब को ज्यादा से ज्यादा एक जरूरी भटकाव मानने का ही है। बेशक, इसके बावजूद विपक्ष के ज्यादा से ज्यादा असरदार होते दबाव में, संघ-भाजपा को इसके आरोपों का खंडन करने के लिए कि उसके पास 'हिंदू-मुस्लिम करने' के सिवा, जनता को देने के लिए कुछ है ही नहीं, जनता को देने के लिए अपनी ओर से पेशकशें करनी जरूर पड़ रही हैं, लेकिन उसकी यह मुद्रा चुनावी-कार्यनीतिक मुद्रा ही है। इससे भी महत्वपूर्ण यह कि इस तरह की चुनावी कार्यनीतिक मुद्रा के अपनाए जाने में, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के पैंतरों को पीछे रखे जाना खोजना सही नहीं होगा। यह ज्यादा से ज्यादा इतना दिखाता है कि संघ-भाजपा खांटी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के नारे पर चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं बल्कि जनहितकारी वादों का भी सहारा लेने जा रहे हैं। लेकिन, खांटी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के नारे पर चुनाव लड़ने की कल्पना तो वास्तविकता न होकर, बहस में या आलोचना में पेश किया जाने वाला एक कैरीकेचर भर ही हो सकती है। जनतांत्रिक चुनाव में लोगों को उनके हितों का ख्याल रखने का भरोसा तो किसी भी राजनीतिक पार्टी को दिलाना ही होता है।

तो क्या हम जो देख रहे हैं, उसे सांप्रदायिक और लोकप्रिय, इन दो अलग-अलग तत्वों के मिश्रण के रूप में देखा जाना सही होगा? पहली नजर में जरूर यह इस प्रकार के मिश्रण का मामला लग सकता है और इस मिश्रण में कोई लोकप्रिय तत्व की अधिकता या प्रमुखता भी खोज सकता है। लेकिन, संघ-भाजपा के मामले में इन दो प्रकार के तत्वों की उपस्थिति को इस तरह से देखना भ्रामक होगा। असल में इस मामले में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का आवेग, एक बुनियादी खाके का काम करता है और इस बुनियादी खाके में ही लोकप्रिय तत्व समेत दूसरे सभी तत्व संयोजित हो जाते हैं। इसके लिए संघ-भाजपा अपने लिए, चुनाव प्रचार के दौरान ही नहीं बल्कि उससे आगे-पीछे, एक प्रकार से समग्रता में अपनी गतिविधियों के जरिए, एक धार्मिक-राजनीतिक यानी बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक पहचान बनाती है। और यही पहचान, उनके लोकप्रियतावाद को भी परिभाषित करती है। जैसे वे आदिवासियों के हित की दुहाई तो देंगे, लेकिन उसके साथ ही उसमें ईसाई-आदिवासीविरोधी तत्व जोड़ देंगे। वे रोजगार की बात तो करेंगे, लेकिन फौरन उसके साथ अनारक्षण का आग्रह या अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण पिछड़े गैर-हिंदुओं को बाहर करने का आग्रह ले आएंगे। जनतंत्र की दुहाई देंगे और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का छीनने के जतन कर रहे होंगे।

इस सिलसिले में विधानसभाई चुनाव के इस चक्र में ही तथाकथित 'तुष्टीकरण' विरोध को, भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक संदेश का मुख्य वाहक बना दिया गया है, उसे याद रखना जरूरी है। इस बार के अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण से शुरू कर के मोदी ने, बार-बार प्रयोग कर 'तुष्टीकरण' विरोध को, अपने अल्पंख्यक और विशेष रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यकविरोधी मंतव्यों का संकेतक बना दिया है। सबसे बढ़कर राजस्थान में कन्हैयालाल टेलर की हत्या के प्रसंग के बहाने से, जाहिर है कि बिना किसी ठोस आधार के प्रधानमंत्री मोदी से लेकर नीचे तक, संघ-भाजपा की सेनाएं जिस तरह 'तुष्टीकरण' का शोर मचाती मिल जाएंगी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की ही पुकार है। यह उनके लिए अयोध्या में राम मंदिर की दुहाई से भी ज्यादा असरदार पुकार है।

हैरानी की बात नहीं होगी कि विधानसभाई चुनावों के मौजूदा चक्र के नतीजों के बाद, संघ-भाजपा को विभिन्न तबकों के लिए रियायतों के वादों के रूप में और भी ज्यादा लोकप्रियतावाद की मिलावट करनी पड़े। लेकिन, यह मिलावट सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खाके में अन्य तत्वों के संयोजन के रूप में की जा रही होगी। और राम मंदिर की दुहाई से भी बढ़कर, 'तुष्टीकरण' विरोध का शोर, इस सांप्रदायिक ध्रुवीकरण औजार बनाया जाएगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

युद्धविराम ही रोक सकता है इस मानवीय त्रासदी को

■ नित्य चक्रवर्ती

इजरायल-हमास युद्ध सोमवार को 45वें दिन में प्रवेश कर गया। लड़ाई अब एकतरफा हो गयी है। इजरायली रक्षा बल हमास आतंकवादियों द्वारा 7 अक्तूबर को इजरायलियों पर 'आतंकी' हमले के जवाब में आतंकियों को खत्म करने के नाम पर नागरिक क्षेत्रों और अस्पतालों सहित गाजा पट्टी पर बमबारी कर रहे हैं। 18 नवंबर तक, फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 13,000 से अधिक था और30,000से अधिक घायल हुए थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के स्पष्ट समर्थन से समर्थित इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुले तौर पर घोषणा की है कि हमासबलों के पूर्ण उन्मूलन तक इजरायली हमलों पर कोई रोक नहीं लगेगी। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, इस प्रक्रिया में, नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की हत्याएं हुई हैं, जो मरने वालों की संख्या का 70प्रतिशत है। गाजा पट्टी के 28 अस्पतालों में से 18 को दवाओं की अभूतपूर्व कमी और बिजली और पानी की कटौती के कारण बंद कर दिया गया है, जबकि दस अस्पताल ऑक्सीजनसिलेंडर सहित न्यूनतम आवश्यकता के बिना ही छोटे पैमाने पर काम कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक शुक्रवार को टीवी पर उस समय लगभग रो पड़े जब उन्होंने कहा कि जब तक युद्धविराम लागू नहीं होता और सामान्य चिकित्सा आपूर्ति गाजा के कब्जे वाले निवासियों तक नहीं पहुंचती, हजारों लोग इलाज के बिना मर जायेंगे। , के कारण अत्याधुनिक रॉकेट सहित हमास के बहुत हथियार नष्ट हो गये, लेकिन मारे गये हमास सैनिकों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई। एक सैन्य अनुमान में छह सौ से कम हमास सैनिकों के मारे जाने की बात कही गयी है।

प्रधान मंत्री नेतन्याहू के लिए, 7 अक्टूबर के हमले ने उन्हें फिलिस्तीन को इज़राइल के जागीरदार राज्य में बदलने का अवसर दिया। सुदूर दक्षिणपंथी नेता ने एक संगीत हॉल में एक कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों सहित नागरिकों की भयानक हत्या के बाद अपने लोगों की भावनाओं का पूरा फायदा उठाया और हमास आतंकवादियों के पूर्ण पैमाने पर विनाश कार्यक्रम को लागू करने का विकल्प चुना। सुरक्षा परिषद को छोड़कर संयुक्त राष्ट्र निकायों ने युद्धविराम के लिए प्रस्ताव पारित किये हैं। डब्ल्यूएचओ और अन्य निकाय केवल नागरिकों के संहार को समाप्त करने के लिए रो रहे हैं, लेकिन किसे परवाह है। संयुक्त राष्ट्र हमेशा की तरह दंतहीन है। चूंकि अमेरिका समर्थन कर रहा है इसलिए इजराइल संयुक्त राष्ट्र के उपदेशों की बहुत कम परवाह कर रहा है।

जहां तक चीन और रूस का संबंध है, दोनों के अपने-अपने भू-राजनीतिक खेल हैं जहां फिलिस्तीनी त्रासदी को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके संबंधित द्विपक्षीय संबंधों की तुलना में पिछवाड़े जैसा व्यवहार मिलता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 15 नवंबर को सैनफ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ चार घंटे की बैठक की। चीनी नेता इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे कि यह ग्रह दो महाशक्तियों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त बड़ा है। शी ने इजराइल-हमास युद्ध के बारे में सामान्य शब्दों में बात की। ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं थी कि चीनी राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को तत्काल युद्धविराम घोषित करने के लिए मनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति पर बहुत दबाव डाला हो।

गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 71वां जन्मदिन था। दिन भर वह अपने उत्सवों में व्यस्त रहे। उन्होंने तीन दिन बाद प्रतिक्रिया दी लेकिन यह इजराइल के बजाय संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अधिक था। राष्ट्रपति पुतिन पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अमेरिका की विफलता और रूस द्वारा इस अंतर को भरने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। रूस हाल के वर्षों में इज़राइल के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की प्रक्रिया में है। वह इज़राइल के साथ अपने संबंधों में अचानक किसी भी गिरावट का स्वागत नहीं करता है। रूस से हमास को सीधे तौर पर कोई सहायता देने की उम्मीद नहीं है। जरूरत पड़ने पर पुतिन कुछ मदद के लिए ईरान का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, फ़िलिस्तीनियों को दो बड़ी शक्तियों सहित हमास और उनके मित्र राष्ट्रों द्वारा अधर में छोड़ दिया गया है। गाजा की आबादी 23 लाख है। इसमें से 12 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। यदि इजरायलीबलों को गाजा पट्टी में काम करने की खुली छूट दी गयी तो शेष आबादी को इजरायली हमलों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अब तक, फिलिस्तीन के लोगों ने हमास आतंकवादियों की घोर गलती की भारी कीमत चुकायी है। हत्याओं के मामले में इजरायलियों की ओर से जवाबी कार्रवाई कहीं अधिक रही है।

दक्षिण अफ्रीकी सांसदों ने आर्थिक स्वतंत्रता सेनानियों के विपक्षी दल द्वारा पेश किए गये एक प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की और सत्तारूढ़ अफ़्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा दक्षिण अफ़्रीका में इज़रायली दूतावास को बंद करने और देश के साथ सभी राजनयिक संबंधों को तब तक ख़त्म करने की मांग की, जब तक कि वह गाजा में युद्धविराम पर सहमत न हो जाये।

वैश्विक दक्षिण के केवल कुछ देशों ने ही इजरायल सरकार के खिलाफ कुछ कार्रवाई करने की हिम्मत दिखायी है। राष्ट्रपति सिरिलरामफोसा ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने गाजा में इजरायल द्वारा किये गये कथित युद्ध अपराधों की जांच के लिए प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में भेजा है। महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक महत्व का यह बयान तब आया जब गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर अवैध इजरायली हमला हुआ था। इज़रायल ने कहा कि कमांड सेंटर अस्पताल परिसर में स्थित था लेकिन अभी तक आईडीएफ को ऐसी कोई जगह नहीं मिली है। यह एक तरह से उस परिदृश्य की पुनरावृत्ति थी जो 2003 में बगदाद पर अमेरिकी बमबारी के साथ हुआ था, इस दलील पर कि परमाणु बम सामग्री एक विशिष्ट स्थान पर छिपी हुई थी। आखरि़कार, अमेरिकी सैनिकों को ऐसी कोई चीज़ नहीं मिली लेकिन जनसंहारतो पहले ही हो चुका था।

दक्षिण अफ्रीकी सांसदों ने आर्थिक स्वतंत्रता सेनानियों के विपक्षी दल द्वारा पेश किए गये एक प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की और सत्तारूढ़ अफ़्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा दक्षिण अफ़्रीका में इज़रायली दूतावास को बंद करने और देश के साथ सभी राजनयिक संबंधों को तब तक ख़त्म करने की मांग की, जब तक कि वह गाजा में युद्ध विराम पर सहमत न हो जाये।

ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला ने भी इज़रायल को कड़ी चेतावनी दी और तत्काल युद्धविराम का जोरदार आह्वान किया। मेक्सिको, होंडुरास, कोलंबिया, बोलीविया, ग्वाटेमाला और चिली सहित अन्य वामपंथी लैटिन अमेरिकी शासनों ने संयुक्त राष्ट्र में अपने संबंधित राजदूतों को तत्काल युद्धविराम के लिए काम करने का निर्देश दिया है। वैश्विक दक्षिण के कुछ देशों के इस कड़े कदम के विपरीत, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल साउथ बैठक में अपने आखिरी बयान में भी नागरिक की हत्या को रोकने की बात की, लेकिन यह उल्लेख नहीं किया कि नागरिक हत्याओं के लिए मुख्य रूप से इज़रायल जिम्मेदार था, जिसमें मरीजों से भरे अस्पतालों पर बमबारी भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अमेरिका के पूर्ण सहयोगी के रूप में काम कर रहे हैं।

फिलहाल, युद्धविराम में हर दिन की देरी का मतलब है कुछ और सैकड़ों फिलिस्तीनियों की मौत। नेतन्याहू राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा किसी की भी नहीं सुनेंगे। अगर अगले कुछ दिनों में युद्धविराम नहीं हुआ तो यह पूरी तरह से मानवीय आपदा होगी।

पावन प्रसंग

मनो अवसाद व चिंता का उपचार आध्यात्मिकता

पिछले दशक से लेकर अब तक यदि देखा जाए तो भारत सहित पूरी दुनिया में इंटरनेट के उपयोग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। शिक्षा संचार-व्यवसाय, प्रबंधन, शोध अनुसंधान के क्षेत्र व ज्ञान विज्ञान की सुलभ जानकारी की दृष्टि से इंटरनेट का महत्व भी अत्यधिक हो गया है, परंतु इसके दुरुपयोग ने अनेक तरह के समस्याओं को भी उत्पन्न कर दिया है। व्यक्ति किसी आवश्यकता की दृष्टि से इंटरनेट आदत व्यसन का रूप लेकर समस्या कब बन जाती है, यह समझ पाना मुश्किल है। इंटरनेट का व्यसन बच्चों से लेकर हर आयु वर्ग के लोगों में सहज देखा जा सकता है।

यह हमारे आधुनिक समाज की एक विकट समस्या बन चुकी है। मनोवैज्ञानिकों ने इस समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए तथ्यात्मक रूप से यह समझाने का प्रयास किया है कि इंटरनेट पर अधिक समय बिताना अनेक प्रकार की मनोशारीरिक समस्याओं को जन्म दे रहा है। सोशल मीडिया का अधिक प्रयोग भी व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है।

इंटरनेट के बेतहाशा उपयोग और इससे उत्पन्न समस्याओं को लेकर विश्व भर में अनेक शोधकार्य किए जा रहे हैं विशेषज्ञों की मान्यता है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया मनुष्य को उसके जीवन की वास्तविक स्थिति से भटका देती है, जिसके फलस्वरूप उसके निजी और सामाजिक जीवन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। तनाव, चिंता, असुरक्षा, अवसाद, निराशा, आत्मसम्मान की कमी और कुसमायोजन जैसे मनोवैज्ञानिक समस्याओं का एक बड़ा कारण इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करना है। यह समस्या और ज्यादा गंभीर तब हो जाती है, जब बच्चे और युवाओं को बुरी तरह इसकी गिरफ्त में देखते हैं। विडंबना यह है कि किसी भी स्तर पर ऐसा कोई तंत्र अभी नहीं है, जो इंटरनेट का उपयोग कब, कैसे कितना करना है, इस बात का प्रशिक्षण देता हो। साथ ही इंटरनेटजनित अर्थात साइबर उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान की कोई समुचित उपचार विधि भी मौजूद नहीं है। ऐसे में आवश्यकता है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया का व्यसन न विकसित हो, इसके प्रति सजगता और जो समस्या उत्पन्न हो चुकी है, उसकी जीवनशैली में आवश्यक सुधार कर समाधान प्राप्त करना। सजगता और समाधान के इन दोनों पहलुओं को समाहित करते हुए एक विशिष्ट शोधकार्य योग विज्ञान विभाग के अंतर्गत संपन्न किया गया है।

इसके लिए सर्वसुलभ विधि है- योग, साधना आदि की दृष्टि से तो इसका महत्व है ही, साथ ही सामान्य जीवन में भी प्रत्येक दिन को अधिक सार्थकता, सजगता और कर्तव्यनिष्ठ होकर जीने तथा तनावमुक्त बने रहने में भी आत्मबोध, तत्वबोध साधना का नियमित अभ्यास अत्यन्त सहायक होता है। अपने एक दिन के जीवन का श्रेष्छतम व सार्थक उपयोग ही इस साधना का मर्म है। आत्मबोध, तत्वबोध का साधक भविष्य की चिंता से मुक्त हो जाता है, क्योंकि वह अपने दैनिक कार्यों-कर्तव्यों को सम्यक व कुशलतापूर्वक करने में विश्वास करता है साथ ही स्वयं व परिस्थितियों के प्रति सजग बना रहता है। उसमें सहज आत्मविश्वास और सकारात्मक जैसे गुण विकसित हो उठते हैं। फलस्वरूप वह जीवन के अंत:बाह्य पक्षों में आसानी से समायोजन कर पाता है।

दूसरा उपाय है-प्रार्थना। प्रार्थना चिंतामुक्त जीवन जीने में सहायक एक प्रभावी एवं सर्वसुलभ साधना है। प्रार्थना में व्यक्ति अपने मनोभावों को पूर्ण समर्पण के साथ परमात्मा के समक्ष बड़ी ही सहजता से प्रकट कर देता है। प्रार्थना की तकनीक में आंतरिक भावनाओं की प्रबलता होती है। भावनात्मक परिष्कार से चिंतन भी शुद्ध और सकारात्मक बनता है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के कर्म, व्यवहार और आचरण पर पड़ता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

पलायन के दर्द से गुज़रता गांव

देश का दूर दराज़ ग्रामीण क्षेत्र आज भी बिजली, पानी, सड़क, अस्पताल और शिक्षा जैसी कई बुनियादी ज़रूरतों से जूझ रहा है। इसमें रोज़गार प्रमुख है जो ग्रामीणों को पलायन के लिए मजबूर करती है। परिवार के लिए दो वक़्त की रोटी की व्यवस्था करने के लिए लोग अपने गांव से निकल कर दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करते हैं। जहां वह खेतों, फैक्ट्रियों और दिहाड़ी मज़दूर के रूप में 16 से 17 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं। जिसके बाद भी वह मुश्किल से 15 से 20 हज़ार रुपए महीना कमा पाते हैं। पलायन का आंकड़ा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड में देखने को मिलता है, जहां प्रति वर्ष लाखों लोग रोज़गार की खातिर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, सूरत, मुंबई और कोलकाता का रुख करते हैं। गांव में रोज़गार का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने की वजह से लोग पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं और पीछे छोड़ जाते हैं परिवार वालों से बिछड़ने का दर्द।

बिहार के कई ऐसे गांव हैं जहां प्रति वर्ष ग्रामीणों की एक बड़ी आबादी रोज़गार के लिए पलायन करती है। इनमें अधिकतर संख्या अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और पसमांदा तबके की है। जो आर्थिक रूप से काफी कमज़ोर होते हैं। इन्हीं में एक उचला गांव भी है। बुद्ध की धरती बोध गया से करीब 54 किमी दूर बांकेबाज़ार ब्लॉक के रौशनगंज पंचायत स्थित इस गांव के अधिकतर परिवार का कोई एक सदस्य रोज़गार के बेहतर ख्वाब के साथ महानगरों की ओर पलायन करता है। करीब 350 परिवारों वाले इस गांव में उच्च वर्ग और अनुसूचित जाति की मिश्रित आबादी निवास करती है। उच्च वर्ग जहां खेती के लिए पर्याप्त ज़मीन और रोज़गार के स्थानीय साधन के साथ आर्थिक रूप से संपन्न है तो वहीं अनुसूचित जाति के अधिकतर परिवारों के पास कृषि योग्य उतनी ज़मीन नहीं है कि उनके परिवार की आजीविका चल सके। जिसकी वजह से इस समुदाय के ज़्यादातर पुरुष गांव से निकल कर महानगरों का रुख करते हैं और कामगार या दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं।

हाल ही में पंजाब से मज़दूरी करके गांव लौटे 47 वर्षीय संजय कुमार बताते हैं कि गांव में अनुसूचित जाति के लगभग 60 प्रतिशत पुरुष बाहर जाकर कमाते हैं। यह सभी कृषि या कारखानों में मज़दूर के रूप में काम करते हैं। जहां आमदनी कम और काम के घंटे ज़्यादा होते हैं। छोटे उद्योगों में फैक्ट्री मालिकों द्वारा उनका आर्थिक शोषण भी किया जाता है। लेकिन काम का दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण वह इसे सहने को मजबूर होते हैं। संजय बताते हैं कि कई बार उन्हें तीन महीने तक वेतन नहीं मिलता है, ऐसे में न केवल घर वालों बल्कि स्वयं उनकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा जाती है। वह कहते हैं कि अगर गांव में रहकर रोज़गार मिल जाए तो पलायन की समस्या खुद ही ख़त्म हो जायेगी।

इस संबंध में गांव के वार्ड न. 8 की पंच शकुंतला देवी कहती हैं कि जाति भेदभाव के कारण गांव के गरीब लोगों को घर पर ही रहकर काम नहीं मिल पाता है और वह पलायन को मजबूर होते हैं। वह आरोप लगाती हैं कि अक्सर संबंधित अधिकारी अथवा जनप्रतिनिधि अपनी ही जाति के लोगों या करीबियों को बेरोज़गारी भत्ता या रोज़गार का लाभ दिलवा देते हैं। जिससे ज़रूरतमंद वंचित रह जाते हैं और उन्हें मजबूरन पलायन करनी पड़ती है। बहरहाल, पलायन रोकने के लिए बिहार सरकार उद्यमी योजना सहित अन्य कई योजनाएं चला रही हैं। इसका प्रभाव भी दिखने लगा है और पिछले कुछ वर्षों में पलायन की संख्या घटी भी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि उचला गांव के इन अनुसूचित जाति परिवारों तक इसका लाभ क्यों नहीं पहुंच रहा है? केवल योजनाओं के बनाने से समस्या का हल मुमकिन नहीं है। ज़रूरत है ऐसे तंत्र विकसित करने की जिससे योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिल सके।

यशोदा कुमारी, बिहार

प्रत्येक टेबल पर एक गणना अभिकर्ता नियुक्त कर सकेगा उम्मीदवार

मतगणना की तिथि के तीन दिन पहले देना होगा निर्धारित प्रारूप में आर ओ को नियुक्ति पत्र

जबलपुर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव लड़ रहे प्रत्येक उम्मीदवार को डाक मतपत्रों की गणना टेबल सहित उसके विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना में प्रयुक्त टेबल की संख्या के बराबर गणना अभिकर्ता नियुक्त करने की अनुमति होगी। उम्मीदवार अपनी अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्ता की अनुपस्थिति में गणना की प्रक्रिया को देखने के लिये एक अन्य गणना प्रतिनिधि रिटर्निंग ऑफिसर के मेज पर भी नियुक्त कर सकता है ।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गणना अभिकर्ता की नियुक्ति फॉर्म-18 में उम्मीदवार को स्वयं या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा की जानी चाहिए। गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के बारे में किसी भी उम्मीदवार या निर्वाचन अभिकर्ता से प्राप्त किए जाने वाले सादे कागज पर अनुरोध को आरओ द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा । फॉर्म-18 में गणना अभिकर्ता का नाम और पता भरा जाएगा और उम्मीदवार या उसके निर्वाचन अभिकर्ता व्यक्तिगत रूप से उस पर हस्ताक्षर करेंगे। गणना अभिकर्ता को भी इस पर अपने हस्ताक्षर करने होंगे। उम्मीदवार को गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के लिये निर्धारित फॉर्म-18 की दो प्रतियां अभिकर्ताओं की छायाचित्रों के साथ तैयार करनी होंगी ।

आयोग के मुताबिक उम्मीदवार अथवा उसके निर्वाचन अभिकर्ता को फॉर्म-18 की एक प्रति मतों की गणना की तिथि से 3 दिन पहले शाम 5 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर को भेजनी होगी। जबकि इसकी दूसरी प्रति गणना अभिकर्ता को मतगणना के दिन रिटर्निंग ऑफिसर के सामने प्रस्तुत करने के लिये होगी। उम्मीदवारों से फार्म-18 में प्राप्त सूचना के आधार पर रिटर्निंग अधिकारी द्वारा गणना अभिकर्ता के लिए फोटो पहचान पत्र तैयार किये जायेंगे। उम्मीदवार अपने सभी गणना अभिकर्त्ताओं की नियुक्ति एक ही फार्म-18 में भी कर सकते हैं। ऐसे मामले में सभी गणना अभिकर्त्ताओं को उस पर हस्ताक्षर करने होंगे कि उन्होंने गणना अभिकर्त्ता के रूप में अपनी नियुक्ति को स्वीकार कर लिया है ।

मतगणना स्थल पर अधिकृत व्यक्ति ही प्रवेश पा सकेंगे

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतगणना हाल में अंदर केवल अधिकृत व्यक्ति को ही प्रवेश दिया जाएगा, इनमें गणना पर्यवेक्षक और गणना सहायक, निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति, निर्वाचन के संबंध कर्तव्यारूढ़ लोकसेवक एवं उम्मीदवार तथा उनके निर्वाचन और गणना अभिकर्ता शामिल रहेंगे। आयोग के मुताबिक मतगणना प्रारंभ होने के पूर्व यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिकृत व्यक्तियों के अलावा अन्य कोई व्यक्ति हाल में उपस्थित न हो। आयोग ने यह ध्यान रखने भी कहा है कि निर्वाचन के संबंध में कर्तव्यारूढ़ लोकसेवक के अंतर्गत सामान्य रूप से पुलिस अधिकारी नहीं आते हैं, ऐसे अधिकारियों को चाहे वे वर्दी में हो, या सादे वस्त्रों में, सामान्यत: नियमानुसार काउंटिंग हाल के अंदर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब तक कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने या किसी भी प्रकार के अन्य प्रयोजन से अंदर बुलाने का निर्णय न लिया जाए। इसी तरह केन्द्र अथवा राज्यों के मंत्री, राज्य मंत्री और उपमंत्री भी इस श्रेणी नहीं आते। वे काउंटिंग हॉल में केवल अभ्यर्थी के रूप में आ सकते हैं।

आयोग के निर्देशानुसार उनकी नियुक्ति निर्वाचन या गणना अभिकर्ताओं के रूप में नहीं की जा सकती, क्योंकि वे गनमैन की सुरक्षा में होते हैं। इसलिए उन्हें काउंटिंग हॉल में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा। आयोग के अनुसार किसी भी परिस्थिति में गणना के स्थान में अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।

कांग्रेस प्रत्याशी विधायक विनय सक्सेना, राजेश पटेल स्ट्रांग रूम में अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की मतपेटियों नजर रखते हुए।

मतगणना केन्द्रों में मंत्रियों को प्रवेश की अनुमति नहीं

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य एवं केन्द्र शासन के मंत्रियों अथवा राज्य मंत्रियों को मतगणना केन्द्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मंत्रीगण केवल उस स्थिति में ही मतगणना केन्द्रों में प्रवेश पा सकेंगे जबकि वो खुद विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार हों। वो केवल उसी विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे जहां से वे चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में उनकी सुरक्षा के लिए तैनात सशस्त्र गार्डों को मतगणना केन्द्र के भीतर प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। निर्वाचन आयोग ने अपने निर्देशों में यह भी कहा है कि केन्द्र एवं राज्य शासन के मंत्री अथवा राज्य मंत्री चूंकि सशस्त्र सुरक्षा गार्ड प्राप्त होते हैं इसलिए उनको किसी उम्मीदवार का चुनाव अभिकर्ता या गणन अभिकर्ता भी नियुक्त नहीं किया जा सकेगा ।

मंत्री, सांसद और विधायक के साथ-साथ स्थानीय निकायों, सहकारी संस्थाओं एवं शासकीय उपक्रमों के अध्यक्ष भी नहीं बन सकेंगे गणना एजेंट

भारत निर्वाचन आयोग ने केन्द्र एवं राज्य शासन के मंत्रिगणों, संसद सदस्यों, विधायकों एवं विधान परिषद के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय निकायों, सहकारी संस्थाओं एवं शासकीय उपक्रमों के अध्यक्षों के भी उम्मीदवारों के गणना एजेंट बनने पर रोक लगाई है ।

आयोग के निर्देशानुसार किसी भी स्थानीय संस्था के अध्यक्ष, नगर निगम के महापौर, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष, जिला पंचायत एवं पंचायत समिति के अध्यक्ष, केन्द्र एवं राज्य सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के उपक्रमों के अध्यक्ष विधानसभा का चुनाव लड़ रहे किसी भी प्रत्याशी के गणना एजेंट नियुक्त नहीं किये जा सकेंगे। चाहे उन्हें सुरक्षा कवच मिला हो या न मिला हो ।

निर्वाचन आयोग द्वारा अनुसार शासकीय सेवकों पर भी प्रत्याशियों के गणना एजेंट बनने पर रोक लगाई गई है। सरकार से किसी प्रकार का मानदेय अथवा किसी भी सरकारी या सरकार से अनुदान प्राप्त संस्थान में अंश कालिक काम करने वाले व्यक्ति भी उम्मीदवार के गणना अभिकर्त्ता नहीं बन सकेंगे । शासकीय अथवा अशासकीय अनुदान प्राप्त संस्थानों में काम करने वाले पैरा मेडिकल या स्वास्थ्य कर्मी, उचित मूल्य दुकान के डीलर्स एवं आंगनवाड़ी कर्मी को भी गणना अभिकर्त्ता नियुक्त नहीं किया जा सकेगा ।

निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायत प्रधान अथवा सरपंच, पंचायत सदस्य, नगर पालिका या म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पार्षदों या सदस्यों और स्थानीय व्यक्तियों के उम्मीदवारों के अभ्यर्थियों के गणना अभिकर्ता के रूप में नियुक्ति पर कोई पाबंदी नहीं लगाई है। आयोग के अनुसार किसी भी भारतीय नागरिक जो एनआरआई है, को भी उम्मीदवार का गणना अभिकर्ता बनाया जा सकेगा ।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसे राज्य (केंद्रीय और राज्य सरकारों) द्वारा सुरक्षा घेरा प्रदान किया गया हो, उन्हें निर्वाचन अभिकर्ता या उम्मीदवार के गणना अभिकर्ता के रूप में नियुक्त नहीं किया जायेगा, चाहे वो अपनी सुरक्षा को समर्पित कर दे या छोड़ दे । इस तरह के व्यक्ति अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ या उनके बिना गणना हॉल में दाखिल नहीं हो सकेंगे । निर्वाचन आयोग ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे अपने गणना अभिकर्ता 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को ही नियुक्त करें, ताकि उन्हें मतगणना के दौरान उचित रूप से प्रतिनिधित्व मिल सके ।

मानेगांव तालाब में मनाया गया छठ का महापर्व

जबलपुर, देशबन्धु। मानेगांव रांझी तालाब में मनाया गया छठ का महापर्व जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु आकर तालाब के घाट पर बैठकर छठी मैया का पूजन अर्चन कर सूर्यास्त के समय सूर्य भगवान का पूजन किया इसमें धीरज कृष्णा शास्त्री द्वारा भगवान सूर्य की आराधना वैदिक मंत्र द्वारा की गई। जिसमें पनागर विधायक इंदु तिवारी उनकी पत्नी माया तिवारी, चंद्रप्रकाश दुबे, सरिता दुबे ,समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे, सुधा दुबे, नीरज शुक्ला, प्रीति शुक्ला, ज्योति पांडे और छठ घाट समिति मानेगांव के समिति के हजारों लोगों ने पूजन अर्चन कर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त किया और हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर पूजन में सहभागिता ली।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा की सफलता के लिए हनुमान जी के नाम का हवन आज

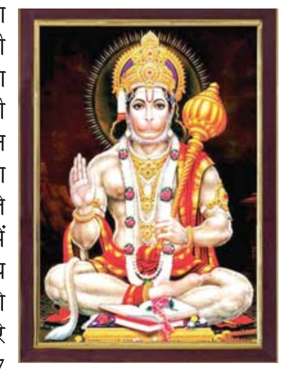

जबलपुर, देशबन्धु। नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट की सफलता के लिये परिक्रमा संचालक भगवान हनुमान जी महाराज के 1100 नामों के हवन कार्तिक मास के अंतिम चौथा मंगलवार 21 नवम्बर शाम 4 बजे से जमुना सभागृह गोल बाजार में वैदिक ब्राह्मण के द्वारा विधि विधान से कराया जाएगा। ज्ञात हो 396 नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से 27 नवंबर सोमवार कार्तिक पूर्णिमा को 8.30 बजे पूज्य संत महात्मा महात्माओं एवं देश के शहीद परिवारों के नेतृत्व में निकाली जाएगी। उपस्थिति की अपील पप्पू चौबे वीरबहादुर पटेल राजेंद्र ठाकुर कैलाश विश्वकर्मा के एल दीक्षित राजेश असाटी अवधेश खरे जगदीश तिवारी शिवम नामदेव शीर्ष अग्रवाल एडवोकेट आदि ने की है।

अभिनेता प्रेमनाथ जयंती का आयोजन आज

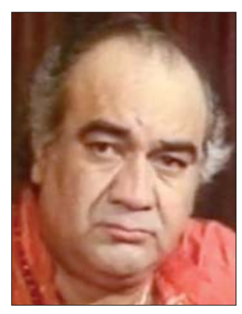

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर संस्कारधानी जबलपुर के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता प्रेमनाथ जी की जयंती पर फिल्मोत्थान संस्था द्वारा मंगलवार 21 नवम्बर. शाम 4.30 बजे पी.एस.एम. कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रेमनाथ जी की फिल्मों की पोस्टर प्रदर्शनी व्रतचित्र एवं जबलपुर के फिल्मकारों द्वारा निर्मित फिल्मों, वेबसीरीज का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति डॉ. कैलाश गुप्ता जी एवं अध्यक्षता हेमंत सिंह सी.ई.ओ. (JATCC) करेंगे। संस्था के संजय प्रसाद, पंकज गोस्वामी एवं सौरभ अग्रवाल आदि ने प्रेमनाथ जी के प्रशंसकों, सिने प्रेमियों एवं फिल्मकारों से उपस्थित की अपील की है।

नर्मदा पंचकोषी यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर बैठक आज

जबलपुर, देशबन्धु। कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित नर्मदा पंचकोषी यात्रा के लिये की जाने वाली प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर चर्चा करने आज मंगलवार को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक बुलाई गई है। सभी सबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में मौजूद रहने के निर्देश गये हैं।

जहां खाद की जरूरत है, वहां पहले वितरण करायें : कमिश्नर वर्मा

जबलपुर, देशबन्धु। कमिश्नर अभय वर्मा ने सोमवार को संभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संभाग के जिलों में खाद की उपलब्धता को लेकर विस्तृत समीक्षा की और कहा कि जहां-जहां खाद की जरूरत है वहां पहले वितरण करायें। इसके साथ ही धान कटाई, रबी की बोवनी, धान खरीदी की तैयारी आदि की समीक्षा की गई और कहा कि धान खरीदी केन्द्र पूर्व की भांति यथावत रखा जाये, जरूरत पड़े तो धान उपार्जन केन्द्र बढ़ा सकते हैं लेकिन कम न करें। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के दौरान खाद्यान्न के उठाव व वितरण समय पर करने के निर्देश दिये गये। बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की सुनिश्चितता में लापरवाही न करें। हेल्थ की समीक्षा में संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण कार्यक्रम, एनआरसी, एसएनसीयू, दवाईयों की उपलब्धता, सिकल सेल व थैलेसिमिया की रोकथाम, टेली मेडिसन सिस्टमतथा सीटी स्केन के दरों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही मत्स्य पालन, उद्यानिकी तथा सामाजिक न्याय की योजनाओं पर चर्चा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये।

दिव्यांगों के दियो को मिला अच्छा प्रतिसाद

जबलपुर, देशबन्धु। विकलांग सेवा भारती चेतना के मानसिक मंद छात्र छात्राएं द्वारा दीवाली के पावन पर्व पर स्कूल कॉलेज मे स्टाल लगाए गए। माउन्ट लिट्रा स्कूल मे लगाए गए स्टॉल को स्कूल कि प्राचार्य मयूरिका भिसे शिक्षिका और स्टॉफ ने बहुत सराहा और उन्हें दिवाली कि शुभकामनायें दी और उनके उज्जवल भविष्य कि कामना कि। इस अवसर पर संस्था कि प्राचार्य पुष्पा ठाकुर, गुलनाज़ बी, सुचिता द्विवेदी, आकाशी रजक उपस्थित रही।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांगरूम का निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने सोमवार की सुबह जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्ट्रांगरूम का निरीक्षण किया। विधानसभा चुनाव के लिये हुये मतदान के बाद जिले की सभी आठों विधानसभा क्षेत्रों की ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों को कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है।

मतगणना के लिये नियुक्त किये गये अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारी

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने आठों विधानसभा क्षेत्रों में अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्ति किये हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार कलेक्टर ने पाटन विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिये नायब तहसीलदार दीपक पटेल, बरगी के लिये नायब तहसीलदार कल्याण सिंह क्षत्री, जबलपुर पूर्व के लिये सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख सरफराज अली, जबलपुर उत्तर के लिये डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, जबलपुर कैंट के लिये सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख अंकिता जैन, जबलपुर पश्चिम के लिये डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी, पनागर के लिये नायब तहसीलदार सुनीता मिश्रा तथा विधानसभा क्षेत्र सिहोरा की मतगणना के लिये नायब तहसीलदार गोरेलाल मरावी को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है।

संड्री अर्निंग में पमरे ने 120 करोड़ से अधिक राजस्व अर्जित किया

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों पर संड्री से राजस्व बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर माह तक कुल 122 करोड़ 53 लाख रूपये संड्री से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 110 करोड़ 52 लाख रूपये की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत अधिक है।

सात माह में मण्डल स्तर पर संड्री रेवेन्यू परफॉरमेंस इस प्रकार है -

जबलपुर मण्डल- मण्डल को कुल रुपये 55.30 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 47.30 करोड़ से लगभग 17 प्रतिशत अधिक है।

भोपाल मण्डल- मण्डल को कुल रुपये 36.74 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में राजस्व रुपये 34.22 करोड़ से लगभग 07 प्रतिशत अधिक है।

कोटा मण्डल- मण्डल को कुल रुपये 30.49 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व रुपये 29.10 करोड़ से लगभग 05 प्रतिशत अधिक है।

उल्लेखनीय है कि संड्री यानि विविध राजस्व के अंतर्गत रेलवे भूमि का वाणिज्यिक उपयोग से प्राप्त होने वाली आय, निजी साइडिंग के अलावा अन्य विभागों को दी गई जमीन की लाइसेंस फीस, कॉनकोर को दी गई जमीन, पैंट्री कारों की ढुलाई लागत, लावारिस और क्षतिग्रस्त माल, अनुपयोगी राजस्व स्क्रैप, आवासीय भवन, रिटायरिंग रूम, विश्राम गृह, भवन निर्माण के लिए पट्टे पर दी गई भूमि, स्टेशनों/रेलवे परिसर में कार/स्कूटर/साईकिल पार्किंग, खानपान विभाग तथा विज्ञापन शुल्क और गैर किराया राजस्व की आय शामिल है।

एक सूत्रीय मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। सहित देशभर में आयुध निमार्णियों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी केंद्र सरकार की निगमीकरण और ओपीएस को लेकर लामबंद हो रहे हैं।

भारतीय मजदूर संघ और प्रतिरक्षा मजदूर संघ के बैनर तले करीब ढाई लाख अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 22 नंवबर को निगमीकरण के खिलाफ धरने पर बैठेंगे। इसमें जबलपुर से भी करीब 500 कर्मियों का जत्था धरना व प्रदर्शन में शामिल होने 20 नवंबर को ट्रेन से दिल्ली रवाना होगा।

भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ राष्ट्रीय संयुक्त सचिव रूपेश पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि खमरिया के अध्यक्ष राजेंद्र चराड़िया सतिन शार्मा, प्रेम लाल सेन, वीएफजे शारदा यादव संतोष शर्मा, जीआइएफ, जीसीएफ मनोज धन्मजय, सीओडी और 506 आर्मी बेस के सीएस साहू आदि के साथ यूनियन से जुड़े 500 कर्मियों का दल एक ही साथ 20 नवंबर को दिल्ली कूच करेंगे। इसे लेकर स्थानीय फैक्ट्री कर्मी व यूनियन पदाधिकारियों के साथ रणनीति पर बात हो चुकी है और बैठकों का दौर जारी है।

भारतीय मजदूर संघ व उसकी यूनिट प्रतिरक्षा मजदूर संघ निमार्णियों में शुरू से निगमीकरण का विरोध करता रहा है। इस मामले में अपनी आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से देशभर से आयुध निर्माणी कर्मचारी एकत्र होकर जंतर-मंतर से केंद्र की इस नीति के खिलाफ अपनी बात रखेंगे। एक दिवसीय प्रदर्शन को लेकर मजदूर संघ पदाधिकारी देशभर के अपने सहयोगियों से आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

मौसम में बदलाओं को दृष्टिगत निमोनिया से बचाव एवं उपचार

जबलपुर, देशबन्धु। मौसम में बार-बार बदलावों को दृष्टिगत रखते हुए निमोनिया बढ़ने की संभावना है। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है। 5 वर्ष तक के बच्चों में सर्वाधिक मृत्यु का कारण निमोनिया है। निमोनिया से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण, छह माह तक सिर्फ स्तनपान और उसके बाद उचित पूरक आहार, विटामिन ए का सेवन, साबुन से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करना आवश्यक है।

छठ महापर्व : उगते सूर्यदेव को प्रथम अर्घ्य के साथ पूजन सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। लोक आस्था का महापर्व छठ के तीसरे दिन व्रतियों के साथ हजारों की संख्या में छठ व्रती ने गौरीघाट तट पर सूर्य को अर्घ्य दिया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, के साथ जबलपुर में भी इस त्यौहार को बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। इस दिन सूप में फल, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि प्रसाद के रूप में सजाकर कमर तक पानी में रहकर परिक्रमा करते हुए परम्परानुसार अर्घ्य दिया गया है। शहर के 15 से अधिक स्थानों पर सामूहिक रूप से छठ पूजा की गई। ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, मानेगांव, रांझी, गुलौआ चौक, खामारिया, अधारताल, इत्यादि स्थानों पर पूजा सम्पन्न हुई। इसी क्रम में व्रती विमला देवी का परिवार विगत 30 वर्षों से यह व्रत करती आ रही है उन्होंने बताया कि हमारे परिवार में ओमप्रकाश यादव, डॉ आशीष यादव, छाया स्वेता ने सामूहिक रूप से पूजा की।

चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन-20 नवंबर को छठ पूजा का आखिरी दिन था। चौथे दिन सप्तमी तिथि को छठ महापर्व प्रात: काल उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया है। इसी अर्घ्य के साथ छठ महापर्व सम्पन्न हो गया है। छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई थी। इसके बाद दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन को ऊषा अर्घ्य के नाम से जाना जाता है। छठ का पर्व बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने व्रत रखकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर छठ मैया से संतान की लंबी उम्र और उनके खुशहाल जीवन की कामना की।

उषा अर्घ्य के साथ छठ पूजन सम्पन्न- नहाय-खाय से चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरूआत के बाद उषा अर्घ्य के साथ सम्पन्न हुआ। छठ पर्व के आखरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ के व्रत का पारण किया गया।

इस दिन व्रत रखने वालों ने सूर्योदय से पहले नदी के घाट पर पहुंचकर उदित होते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद सूर्य देव और छठ माता से संतान के सुखी जीवन और परिवार की सुख-शांति की कामना की।

सभी को प्रतिदिन गौ ग्रास निकालना चाहिएः स्वामी नरसिंह दास

जबलपुर, देशबन्धु। गौ माता में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। सभी को प्रतिदिन गौग्रास निकालना चाहिए। जिससे हमारे पूर्व जन्मों के पापों का क्षय होता है। उक्त उद्गार नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास महाराज ने गीता धाम गौ शाला भटौली ग्वारीघाट में गोपाष्टमी पर्व पर गौ पूजन के दौरान व्यक्त किए। गोपाष्टमी पर महाराज ने आवाहन किया कि भगवान श्री कृष्ण द्वारा गौ-चारण लीला आरंभ करने पर मनाए जाने वाले पर्व गोपाष्टमी पर हम सबको गौ पालन, गौ सेवा, गौ-रक्षा तथा उनके संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर जगदीश साहू, इंदुमती प्यासी, विष्णु पटेल, विध्येश भापकर, संदीप व्यास, हिमांशु प्रियांशु, अमित शास्त्री सहित बड़ी संख्या में नरसिंह मंदिर गीता धाम में भक्त मंडल के श्रध्दालु उपस्थित रहे।

इंटरनेट कनेक्शन ने इडियट बॉक्स को बनाया स्मार्ट

जबलपुर, देशबन्धु। टेलीविजन...यानी दुनिया भर की जानकारी देने वाला बक्सा। पुराने दौर में टीवी लोगों के लिए मनोरंजन का प्रमुख जरिया था। इसलिए इसे इडियट बॉक्स की उपाधि दे दी गई थी। क्योंकि उस दौर में जब मनोरंजन के साधन कम थे, तब टीवी ही ऐसा बक्सा था, जिसके सामने लोग घंटों बैठे रहते थे। समय के साथ टीवी में कई बदलाव आए और अब असर यह है, कि इंटरनेट कनेक्शन ने टेलीविजन को स्मार्ट बना दिया है। वहीं 4-जी और 5-जी के रोमांच के बाद मोबाइल दीवारों से निकलकर हाथों तक पहुंच चुका है।

एंटरटेंमेंट के साथ लर्निंग पैकेज- टीवी लोगों के लिए अब एंटरटेंमेंट का जरिया है, बल्कि लर्निंग और फैमिली फन का पूरा पैकेज बन चुका है। टेलीविजन की बनावट और फीचर्स में लगातार बदलाव आए हैं। जिसके कारण टीवी अब एक्स्ट्रा स्मार्ट हो चुका है। हाल यह है कि टीवी अब मोबाइल में कन्वर्ट हो चुका है, जहां अलग-अलग चैनल्स के सब्सक्रिप्शन के कारण लगातार मोबाइल टीवी यूजर बढ़ रहे हैं।

ओटीटी के बाद बदला ट्रेंड-4-जी लॉन्च होने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म भी बढ़ने लगा। जहां लोगों ने मूवी वॉचिंग के लिए सबसे ज्यादा समय बिताना शुरू किया। वहीं कोरोना काल में ओटीटी का ग्राफ और तेजी से बढ़ गया, क्योंकि लोगों के पास कोरोना काल में एंटरटेंमेंट के साधन कम थे। इसलिए मोबाइल टीवी पर लोगों के ऑप्शन को लोगों ने खूब चुना। इसके साथ ही कई चैनल्स के फ्री सब्सक्रिप्शन से भी मोबाइल टीवी यूजर्स की संख्या में काफी इजाफा किया।

मूव टू मोबाइल टीवी-लोगों का कहना है कि रूटीन की व्यस्तता के कारण मोबाइल टीवी का क्रेज बढ़ा है। खासतौर पर कोविड के बाद से मोबाइल वॉचिंग बढ़ गई है। तरह-तरह के चैनल्स भी अब मोबाइल पर एक्टिव हो गए हैं, जिसके कारण हर हाथ टीवी किसी भी समय देखी जा रही है। फिर चाहे ऑनलाइन लर्निंग करना हो या फिर मूवीज देखनी हो।

टेलीविजन में पसंद का ग्राफ

बुर्जुग-	47 फीसदी
महिलाएं-	23 फीसदी
किड्स-	18 फीसदी
यूथ-	12 फीसदी

इनका कहना है

- पहले टेलीविजन ही एकमात्र मनोरंजन का जरिया था। हम लोग, बुनियाद, तमस, नीम का पेड़ और चित्रहार जैसे कार्यक्रम याद आते हैं। महाभारत और रामायण आते ही सड़कों पर कर्फ्यू की स्थिति निर्मित हो जाती थी। पुराने दौर में टीवी परिवार को बांधे रखता था, जिसके मुकाबले में दिनभर आने वाले चैनल तक बेकार हैं। **-उदय-उज्जवल** सुपटकर

मिलेट्स करते हैं बीमारियों से बचाव

राष्ट्रीय विज्ञान नाटिका उत्सव-राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान में आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। मिलेट्स फूड सुपरफूड है। वर्तमान में बिगड़ती हुई जीवनशैली और सेहत को दुरस्त करने का काम मिलेट्स कर रहे हैं। विज्ञान नाटिका के जरिए प्रतिभागियों ने मोटे अनाज की ऐसी ही उपयोगिताओं से अवगत करवाया। सोमवार को राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एवं अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान नाटिका उत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन की शुरुआत हुई। चयनित सर्वश्रेष्ठ नाटिका जोनल स्तर पर 25 नवम्बर को नेहरू विज्ञान केंद्र मुबंई में मप्र का प्रतिनिधित्व करेगी।

आयोजन में आठ जोनों से आई टीमें-दो दिवसीय आयोजन में राज्य के 8 जोन से 8 टीमों की सहभागिता दर्ज की गई है। नाटिका का मुख्य कथानक मानव जाति के लाभ के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी रखा गया है। उद्घाटन मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, प्राचीश जैन, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी, घनश्याम सोनी, अध्यक्षता राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान संचालक श्रद्धा पाठक द्वारा, समन्वयक डॉ. राजेश पाण्डे ने किया।

रंग मंचीय प्रभाव-विज्ञान नाटिकाओं की प्रस्तुति कलाकारों ने रंग मंचीय प्रभाव से दी। जजमेंट रंगकर्मी संतोष कुमार राजपूत, दविंदर सिह ग्रोवर और प्रो. डॉ. संजय अवस्थी द्वारा दिया गया। पहले दिन 7 नाटिकाओं का मंचन हुआ। आज मंगलवार को बाकी नाटिकाओं के मंचन के बाद पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न होगा।

गोल्डन गहोई क्लब : पूजा थाल कॉम्पीटिशन में जीते उपहार

जबलपुर, देशबन्धु। गोल्डन गहोई वुमन क्लब के तत्वावधान में दिवाली मिलन समारोह का आयोजन रसल चौक में किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने दीप और रंगोली सजाकर त्यौहार की एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। दिवाली पर आधारित गेम्स खेलकर विनर्स के टाइटल मिले। ऑनलाइन पूजा थाल डेकोरेशन कॉम्पीटिशन में मालती नौगरेया और सुनीता नौगरेया से प्राइज जीते। इस मौके पर रविबाला छिरौल्या, रूपरेखा, कमलेश मसुरहा, रश्मि पहारिया, सुधा कटारे, अंजू सोनी, अंजू इंदुरख्या मौजूद रहीं।

अधिकारी एवं कर्मचारियों को 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की द्वितीय किश्त मिली

जबलपुर, देशबन्धु। नगर निगम अधिकारी कर्मचारी संघ एवं शासकीय वाहन चालक यांत्रिक संघ के सदस्यों, अमित मेहरा और नरसिंहमलू के द्वारा 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की एरीयश राशि की द्वितीय किश्त का भुगतान कराने की मांग निगमायुक्त स्वपनिल वानखड़े और अपर आयुक्त (वित्त) बाजपेयी के सामने प्रस्तुत की थी। संघ की मांगों को गंभीरता से लेते हुये निगमायुक्त स्वपनिल वानखड़े ने 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ते के एरीयश राशि की द्वितीय किश्त प्रदान करने का आदेश जारी कर भुगतान की प्रक्रिया आरंभ करवा दी है। अमित मेहरा, नरसिंहमलू एवं संघ के सदस्यों के अथक प्रयासों के द्वारा 20 नवम्बर को निगमायुक्त स्वपनिल वानखड़े के द्वारा निगम में कार्यरत समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की एरीयश राशि की द्वितीय किश्त का भुगतान कर दिया गया है। संघ के सदस्यों द्वारा निगमायुक्त शुभकामना देने के लिये उपस्थित संघ के पदाधिकारियों में कार्यवाहक अध्यक्ष अचैया कोरी, गुलशन जबलपुरी, नरसिंहमलू, जगदीश नन्हेट, रामराव मगरदे, एड. जी. दीपक, अमित मेहरा, श्रीनिवास, उमाकांत यादव, महेन्द्र मलिक, ईसा राहुल कोरी, राहुल कोरी सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक राशिफल

मंगलवार 21 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक शुक्लपक्ष की नवमी। नक्षत्र-शत्भिषा

मेष
आप सामाजिक काम में उपस्थित होंगे। मित्रों तथा स्नेहियों के साथ बहुत आनंद मना सकेंगे।

वृषभ
जो लोग नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं या उसकी योजना बनाना चाहते हैं, उनके लिए दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन
समय आपके अनुकूल नहीं होने के कारण आपके काम पूरे होने में देर होगी। आपके शरीर में थकान का अनुभव रहेगा। किसी तकलीफ से परेशान हो सकते हैं।

क.159-148

तुला
आज आप अपनी सृजनशीलता और कल्पनाओं का बहुत अच्छी तरह उपयोग कर सकेंगे। संतान की प्रगति से खुशी का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक
आज आप तन-मन से अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी- बड़ी चिंता आपको सता सकती है। कुटुंबजनों तथा सम्बंधियों के साथ मतभेद हो सकता है।

धनु
आपआध्यात्मिक विषयों तथा रहस्यमयी विद्याओं की तरफ आकर्षण महसूस करेंगे। कोई काम करना चाहते हों, तो समय आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क
नकारात्मक मानसिकता के कारण आज निराशा अनुभव करेंगे। बाहर खाने-पीने के कारण स्वास्थ्य खराब होने की आशंका बनी रहेगी।

सिंह
पति- पत्नी के बीच मामूली कारणों को लेकर मतभेद हो सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य चिंता का कारण होगा। सांसारिक विषयों में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या
आपका तन-मन स्वस्थ रहेगा। घर में सुख- शांति का वातावरण रहेगा। आपको खुशी, वित्तीय लाभ तथा कार्य में सफलता मिलेगी।

मकर
आपको वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखना चाहिए। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद न हो इसका ध्यान रखें।

कुंभ
आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिजनों, मित्रों और सगे- सम्बंधियों के साथ आपका घरेलू वातावरण सुखद रहेगा।

मीन
आर्थिक विषय और पूंजी निवेश में आपको विशेष ध्यान रखने पड़ेगा। आपका ध्यान विचलित होगा और बेचैनी अनुभव होगा।

मा. 467-889

0,2,4,9,00,24,40,90,09,22,16,99

पारम्परिक परिधान में मनाया उत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। पारम्परिक परिधान, खूबसूरत श्रृंगार और संस्कृति से जुड़कर महिलाओं ने दिवाली उत्सव मनाया। इस दौरान जहां दिवाली के पर्व से जीवन में खुशियों के रंग भरने की बात कही गई, वहीं महिलाओं ने तरह-तरह के गेम्स खेलकर मनोरंजन किया। सर्वमंगला ग्रुप के तत्वावधान में कचनार क्लब में दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने ट्रेडिशनल अंदाज में डिफरेंट एक्टिविटी में पार्टिसिपेट किया।

दिखाए हुनर के रंग- कार्यक्रम में महिलाओं ने खुद को डिफरेंट अंदाज में दिखाया। इस समारोह में कोई मां दुर्गा के रूप में नजर आया, तो किसी ने पसंदीदा अभिनेत्री का किरदार निभाया। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टॉल्स भी लगाए गए। इस मौके पर लीना वाते, सोनल उज्जैनकर, प्रीति गोरे, स्वाति गाडगिल, नीलिमा देशपाण्डे, अर्पिता बापट, प्रीति जोशी, रंजना वर्तक मौजूद रहीं।

स्टायफाउंड व्यवस्था समाप्त कर नियमित वेतन दिया जाए: संघ

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी-कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शिक्षा विभाग मे वर्षों से कार्यरत प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा विभाग की अनुमति के उपरांत सीधी भर्ती से निम्न पदों पर उच्च पदोन्नत हुए। माध्यमिक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक, प्राथमिक से माध्यमिक शिक्षक एवं उच्च श्रेणी शिक्षक के पद पर प्रतियोगिता परीक्षा उत्तीर्ण कर नियुक्त हुए हैं। ऐसे सीधी भर्ती से आये शिक्षकों को स्टाइफाउंड व्यवस्था 70 से 90 प्रतिशत वेतन की बाध्यता समाप्त करके उन्हें नियमित वेतन दिया जाना चाहिए। जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, विनोद सिंह, राजकुमार यादव, क्रिस्टोफर नरोन्हा, एनोस विक्टर, रऊफ खान, फिलिप अन्थोनी, गुडविन चार्ल्स, अशोक राय, धनराज पिल्ले, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, ओम प्रकाश झारिया, गोपीशाह, रामकुमार कतिया, सुधीर अवधिया, आशा राम झारिया, मनीष मिश्रा, सुधीर पावेल, राजेन्द्र सिंह, संतोष चैरसिया, रामदयाल उईके, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, मनीष झारिया, रवि जैन, नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, सुनील स्टीफन, विनय रामजे, सरीफ अहमद अंसारी, आशीष कोरी, एस.बी.रजक, सुखराम विश्वकर्मा आदि ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय, प्रमुख सचिव वित्त विभाग एवं सामान्य प्रशासन से मांग की है, कि शिक्षा विभाग की अनुमति उपरांत अपने पदोनन्त पद पर सीधी भर्ती से आये शिक्षकों को स्टाइफाउंड व्यवस्था 70 से 90 प्रतिशत वेतन की बाध्यता समाप्त करते हुए नियमित वेतन दिया जाए।

इंदिरा गांधी जयंती पर गांधी चौपाल का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई एवं विश्व की सबसे ताकतवर लेडी भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जन्म जयंती के उपलक्ष में गांधी चौपाल आयोजन किया गया। इस आशय की जानकारी चौपाल के संयोजक प्रवेंद चौहान द्वारा दी गई। जिसमें भारत की रानी लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों से युद्ध करने से लेकर स्वतंत्र भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन से जुड़ी संघर्ष पर चर्चा की गई। इंदिरा गांधी देश की सबसे शक्तिशाली महिला प्रधानमंत्री थी। इस मौके पर मुख्य रूप से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक विनय सक्सेना, प्रदेश के सह प्रभारी प्रशांत मिश्रा, जबलपुर के समन्वयक रवि पटेल, सेवा दल के अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, सतीश तिवारी, शिव कुमार चौबे, विशाल यादव, दीना ठाकुर, दीपक सिंह, दीपांशु सिंह, भगत राम, बलविंदर मान, सुषमा दीवान, सविता केवट, टीकाराम कोष्टा विशेष रूप से उपस्थिति मौजूद रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्रीमती दया बाई वाल्मीक- रामपुर बेन मोहल्ला निवासी श्री उमा शंकर वाल्मीक की धर्मपत्नी श्रीमती दया बाई वाल्मीक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री गेंद लाल चौधरी- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री गेंद लाल चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुरजीत कौर जोली- हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री इन्दर पाल सिंह जोली की धर्मपत्नी श्रीमती सुरजीत कौर जोली (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनोद चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री विनोद चौधरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दुर्गा बाई बर्मन- त्रिमूर्ति नगर दमोहनाका निवासी श्री हीरा लाल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बाई बर्मन (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लक्ष्मी प्रसाद चौधरी- बाबा टोला काली मंदिर के पास निवासी श्री लक्ष्मी प्रसाद चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कौशल्या माखीजा- तिलहरी मंडला रोड निवासी श्री रवींद्र माखीजा की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या माखीजा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कविता सोठवानी- दशमेश द्वार के पास मदनमहल निवासी श्री सुंदर दास सोठवानी की धर्मपत्नी श्रीमती कविता सोठवानी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम प्रसाद पांडे- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री राम प्रसाद पांडे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अंगूरी बाई ठाकुर- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री शारदा ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती अंगूरी बाई ठाकुर (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री शिवजी शर्मा- उदय नगर नं. 1, व्हीकल रोड निवासी श्री शिवजी शर्मा (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा शर्मा- हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री गोविंद स्वरूप शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती उषा शर्मा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुलोचना बाई रैकवार- वृंदावन स्टेट पटेल नगर सुहागी निवासी श्री मगन लाल रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती सुलोचना बाई रैकवार (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हल्की बाई चौधरी- रामनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री मिठाई लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती हल्की बाई चौधरी (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

पनागर में युवक की चाकूओं से गोदकर हत्या

जबलपुर, देशबन्धु। पनागर थाना अंतर्गत ग्राम कसही में चंडी मेला से लौट रहे युवक सौरभ श्रीपाल पर दो महिला सहित पांच लोगों धारदार से हमला कर हत्या कर दी। सौरभ की हत्या की खबर से गांव में सनसनी फैल गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

वहीं फरार आरोपी जीतू भूमिया को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार ग्राम कसही निवासी सौरभ श्रीपाल उम्र 19 वर्ष अपने दोस्तों के साथ जलगांव में आयोजित चंडी मेला घूमने गया था। मेला से लौटते वक्त परिचित जीतू भूमिया मिल गया। दोनों बातचीत करने लगा, बातचीत के दौरान ही दोनों के बीच विवाद हो गया, विवाद बढ़ते ही सौरभ ने जीतू को चांटा मार दिया। जिससे गुस्साया जीतू अपने घर से चाकू लेकर आ गया, जिसे देख अभिषेक, पूजा, राजा व कौशल्या गौड़ में आ गए। इन सभी ने सौरभ पर लाठियों से दनादन वार किए। लाठियों के हमले से सौरभ सड़क पर गिर गया, तभी जीतू व उसके साथियों से चाकू निकालकर हमला कर दिया। शोर सुनकर गांव के लोग घरों से बाहर निकल आए, जिन्होंने सौरभ को खून से लथपथ हालत में देखा तो स्तब्ध रह गए, सभी ने सौरभ को उठाकर पनागर के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने सौरभ को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाकर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी।

दो महिलाओं सहित चार गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह द्वारा घटित हुई घटना को गम्भीरता से लेते हुये आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिये आदेशित किये जाने पर थाना प्रभारी पनागर अजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गयी। गठित टीम द्वारा सरगर्मी से तलाश करते हुये आरोपी अभिषेक ठाकुर पिता स्व. मुकेश ठाकुर उम्र 24 वर्ष, जितू उर्फ जितेन्द्र भूमिया पिता राजेश भूमिया उम्र 20 वर्ष, पूजा ठाकुर पति स्व. मुकेश ठाकुर उम्र 40 वर्ष, कौशल्या रजक पति तीरथ रजक उम्र 55 वर्ष एवं 16 वर्षिय अपचारी बालक सभी निवासी ग्राम कसही को पकड़ लिया। घटना में प्रयुक्त चाकू जितू उर्फ जितेन्द्र भूमिया तथा लकड़ी के डण्डे अन्य उपरोक्त आरोपियों की निशादेही पर जप्त कर गया है।

बिना हैलमेट 850 वाहन चालकों के कटे चालान, 2 लाख 55 हजार रूपये वसूला गया समन शुल्क

हेलमेट अभियान चलाया पुलिस वालों से भी जुर्माना वसूला

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में सड़क दुर्घटनाओं एवं सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु/घायल की संख्या को कम करने के लिये पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के निर्देशानुसार शहर में चलने वाले ऐसे दो पहिया वाहन चालक जो हेलमेट धारण कर वाहन चालन नहीं करते हैं, पर पुलिस द्वारा सोमवार को विशेष हेलमेट अभियान चलाया गया। अभियान के तहत् दो पहिया वाहन चालक जो बिना हेलमेट वाहन चलाते हुये पाये गये, उन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् वैधानिक कार्यवाही कर 850 चालान किया जाकर कुल 2 लाख 55 हजार रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है।

उक्त अभियान में आम नागरिकों के साथ-साथ सभी विभागों के शासकीय कर्मचारी जो हेलमेट धारण नहीं किये पाये गये, उन पर भी चालानी कार्यवाही की गई। उक्त अभियान में आम नागरिकों के साथ-साथ ऐसे 7 पुलिस कर्मचारी जो हेलमेट धारण नहीं किये थे, उन पर भी चालानी कार्यवाही की गई। उपरोक्त अभियान अंतर्गत प्रत्येक सोमवार बिना हेलमेट धारण कर दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों के तहत् विशेष रूप से सख्त चालानी कार्यवाही की जायेगी तथा अन्य दिनों में भी उक्त कार्यवाही जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने संस्कारधानी वासियों से अपील की है कि दो पहिया वाहन चलाते समय व सवार होते समय सिर पर हमेशा आईएसआई मार्क वाला हेलमेट अवश्य धारण करें, तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बैल्ट अवश्य पहनें।

छुई खदान में महिला को उतारा मौत के घाट

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के छुई खदान में चरित्र संदेह पर पति ने पत्नी की सिर पर पत्थर पटककर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार सिविल लाइन थाना अंतर्गत छुई खदान निवासी 40 वर्षीय अंगूरी बाई ठाकुर रोज की तरह झाडू पोछे के काम पर गई हुई थी। ज़ब वह शाम को पटरी के किनारे से लौट रही थी। उसका पति शारदा सिंह ठाकुर और अंगूरी बाई दोनों साथ थे। शारदा सिंह पहले से ही अपनी पत्नि अंगूरी बाई पर चरित्र संदेह करता था और विवाद करते हुये मारपीट करता था। उसकी पत्नी ने उसे बहुत समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं समझा। घर लौटते समय रविवार देर शाम दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पति शारदा ने नजदीक पड़े पत्थर को उठाया और पत्नी अंगूरी बाई के सिर पर वार कर दिया। जिससे पत्नी के सिर में गंभीर चोटे आई और वह पटरी के किनारे गिर गई। मामले की जानकारी लगते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जहां पर अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टरों द्वारा अंगूरी बाई ठाकुर को मृत घोषित कर दिया गया। इस वारदात के बाद से ही आरोपी पति फरार चल रहा है जिसकी पुलिस द्वारा सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

बेटे के झगड़े में पिता ने युवक को चाकू मारा

जबलपुर, देशबन्धु। हनुमानताल थाना अंतर्गत टेढ़ी नीम क्षेत्र में देर रात दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें एक ने दूसरे पर धारदार हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह लगभग 4-45 बजे इमरान अंसारी उम्र 19 वर्ष निवासी ठक्कर ग्राम नूरानी मस्जिद के पीछे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सिलाई का काम करता है। बीती रात को छोटे निवासी टेढ़ीनीम एवं छोटे के भाई तनवीर की लड़ाई छोटू गोल्डन एवं छोटू गोल्डन के साथी से हुयी थी। इसी बात पर रात लगभग 2 बजे ठक्कर ग्राम में बैठा था तभी छोटे अपने पास बुलाकर हड्डी गोदाम लेकर गया। जहां छोटे का पिता गरकटी पहले से खड़ा था छोटे ने गरकटी से कहा कि पापा कल की लडाई में यह भी था। इसी बात पर छोटे का पिता उसके साथ गालीगलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो दोनों मिलकर ईंट एवं किसी नुकीली चीज से हमलाकर उसके सिर में चोट पहुंचा दी तथा भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 294, 324, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर तक

16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक...

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी।

अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई। टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये। बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवा?ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमग? और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

खितौला में हाईवा का आतंक, दो वृद्धों को टक्कर मारते हुये भाग गया

जबलपुर, देशबन्धु। खितौला थाना अंतर्गत यशपाल होटल के पास एक मनिहारी करने वाले को हाइवा ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बीती रात इस्लाम अहमद उम्र 21 वर्ष निवासी नया मोहल्ला सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पिता शेख अब्दुल खितौला चंडी लखराम मोहल्ला में चूड़ी खिलौने बेचने के लिये गये थे। वहां से रात उसके पिता ने फोन कर बताया कि ऑटो नहीं मिल रहा है तुम लेने आ जाओ तो वह अपनी मम्मी रूकसाना बी को लेने के लिये अपनी मोटर सायकिल से सिहोरा खितौला जा रहा था। रात लगभग 8-55 बजे यशराज होटल के पास पहुंचा तो उसके पिता साईकिल से घर आते दिखे, तो वह उनकी तरफ मुड़ ही रहा था तभी हाईवा क्रमांक एमपी 21 एच 0963 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके पिता की साईकिल में टक्कर मारते हुये खितौला से सिहोरा की ओर जा रहे मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एम एक्स 6659 में भी टक्कर मार दिया। जिससे साईकिल छतिग्रस्त हो गयी एवं बूंदी चूड़ी खलौने मनिहारी का सामान भी टूट गया एक्सीडेण्ट से उसके पिता के मुंह नाक, कान सीना एवं पैर में तथा मोटर सायकल चालक विवेक विश्वकर्मा के हाथ पैर में चोटें आयीं हाईवा का चालक हाईवा से उतरकर भाग गया।

25 प्रकरणों की अनिवार्यता को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज

हाईकोर्ट ने कहा राईट-टू-स्पीडी जस्टिस भी है पक्षकारों का मौलिक अधिकार

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों को निर्धारित समय सीमा में 25 प्रकरणों के निराकरण की अनिवार्यता को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दी है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र सिंह की युगलपीठ ने कहा है कि राईट-टू-स्पीडी जस्टिस भी पक्षकारों का मौलिक अधिकार है।

प्रशासनिक कसावट के लिए अधीनस्थ न्यायलयों को हाईकोर्ट द्वारा प्रकरणों के निराकरण की समय सीमा का आदेश वैधानिक है। युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रशासनिक तौर पर अधीनस्थ न्यायालयों को आदेश जारी किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि व सेवानिवृत एडीजे राजेंद्र कुमार श्रीवास एवं एडवोकेट यूनियन फॉर डेमोक्रेसी एण्ड शोसल जस्टिस के प्रतिनिधि अधिवक्ता राम गिरीश वर्मा ने याचिकाएं दायर की थीं। जिनमें कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यों की बैंच ने स्पष्ट किया है कि देश की विधायिका (संसद) के अलावा आपराधिक तथा दीवानी प्रकरणों की सुनवाई की समय सीमा का निर्धारण सुप्रीम कोर्ट तथा कोई भी हाईकोर्ट तय नहीं कर सकता। इस संबंध में उन्होंने हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायदृष्टांत भी प्रस्तुत किये थे। मामले में चली आ रहीं सुनवाई के बाद सोमवार को न्यायालय ने बहुपृष्ठीय आदेश पारित करते हुए दायर याचिकाएं निरस्त कर दी।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

ड्रोन के क्षेत्र में कॅरियर के विभिन्न अवसर है

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय महाकौशल कॉलेज में सोमवार को स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन के अंतर्गत ड्रोन जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विषय विषेशज्ञ अबुल कलाम खान, सिमरजोत कौर द्वारा ड्रोन प्रौद्योगिकी की दुनिया और संभावित इंटर्नशिप के बारे में प्रकाश डाला। विद्यार्थियां को उद्योग विषेशज्ञों से प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने और ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार विकसित हो रहे है। विशय विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रोन के पास अब कई कार्य हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन की निगरानी से लेकर प्राकृतिक आपदाओं के बाद खोज अभियान चलाना, फोटोग्राफी, फिल्मांकन और सामान पहुंचाना शामिल है। जिससे ड्रोन के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर विभिन्न अवसर है।

प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने बताया कि विद्यार्थियों को कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिये उक्त व्याख्यान का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को अपनी रूचि के आधार पर सही कॅरियर का चुनाव करना होगा। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. ए.सी.तिवारी, डॉ. शिवचंद्र वल्के, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. नीलिमा, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरूणेद्र साकेत, हर्ष सुरे, अखिल सिंह के साथ महाविद्यालय के लगभग 165 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

एन.एफ.आई.आर के आह्वान पर ओपीएस बहाली के लिए मजदूर संघ का स्ट्राइक बैलेट शुरू

जबलपुर, देशबन्धु। न्यू पेंशन स्कीम को रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम ओपीएस बहाली का मुददा राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ता जा रहा है। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा व संघ प्रवक्ता संयुक्त महामंत्री सतीश कुमार ने बताया कि एनसी/जेसीएम नेता डॉ. एम राघवैया के निर्देशानुसार नेशनल पेंशन स्कीम एनपीएस के विरूद्ध वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ डब्ल्यू सी आर एम एस द्वारा जबलपुर जोनल रेलवे के जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलों में स्थित सभी कारखानों एसी/डीजल शैडों, शाखा, मंडल तथा मुख्यालय स्तर पर एक साथ भारतीय रेल में 20 नवम्बर से जोरदार आगाज हुआ। इस दौरान संघ के प्रतिनिधि रेल कर्मचारी साथियों से एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम ओपीएस बहाली अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए रेल कर्मचारियों से स्ट्राइक बैलेट के माध्यम से उनका मत लिया।

दरअसल एन जे सी ए की राष्ट्रीय बैठक में तमाम फेडरेशनों के नेताओं ने एपीएस के खिलाफ आंदोलन की वृहद रूपरेखा तैयार की है, जिसमें वर्ष 2023 फरवरी में रैली, अप्रैल में प्रत्येक यूनिट पर रैली, मई में मशाल जुलूस जून में राज्य स्तर पर रैली तथा जुलाई अगस्त में मेगा रैली नई दिल्ली में आयोजित की अब संघ आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए कर्मचारियों का रूख जाना, जिसमें अधिकतर कर्मियों ने रेल हड़ताल का समर्थन किया है। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनुज तिवारी, मंडल अध्यक्ष एसएन शुक्ला, मंडल सचिव डीपी अग्रवाल, सहायक महामंत्री अवधेश तिवारी दीनायादव, जेपी मीना, आरए सिंह, दीपक केसरी, एस आर बाउरी, रोशन यादव, हर्ष वर्मा, मंदीप सिंह, अनिल चौबे आदि ने इस महाभियान में बढ़ चढ़कर योगदान दिया।

मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने एसोसिएशन ने की प्रार्थना

जबलपुर,देशबन्धु। क्राइस्ट चर्च स्कूल्स एलोमोइन एसोसिएशन ने दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उत्तर काशी के पहाड़ पर सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने के लिए प्रार्थना की गई एवं यह ईश्वर से प्रार्थना की अपने घर वालों एवं प्रियजनों के साथ खुशी रहें। इस मौके पर अध्यक्ष यतिन पटेल, डॉ. वाय.सी. चाऊ, प्रदीप नायडू, मोहन तामस्कर, रामजी अग्रवाल, एच एस श्रीवास्तव, प्रदीप जैन, विनय डेरिया, अतुल शाह, रविन्दर सिंह रील एवं रोहित खन्ना उपस्थित थे। सत्यनारायण गुप्ता, सुनील पिनयानी, नितिन निगांधी, डॉ प्रार्थना पटेल, प्रभीर दत्ता, श्रीजिता विश्वास, प्रांशुता तिवारी, विपिन लूनावत, डॉ सुधीर यादव, पंकज शुक्ला, कमलेश राय, अंकित बाबले, दीक्षा झा, नवनीत खण्डेलवाल, उदयन तिवारी निखिल पावा, डॉ. गिरीश बुधरानी, राजेन्द्र सोनी, हलत सिंह भोगल, समर सिंह यादव, एवं उशनन्दरीता का सहयोग सराहनीय था।

पस्मोनरी मेडिसिन स्कूल पर फिर से विखंडन का खतरा

जबलपुर, देशबन्धु। लंग इंडिया पत्रिका में प्रकाशित भारतीय चेस्ट सोसायटी तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आदि संस्थाओं के कथन के अनुसार उन्होंने नेशनल मेडिकल आयोग से मांग की है कि रेस्पीरेटरी मेडिसीन विभाग को पुनः शुरू किया जाये। जिससे एमबीबीएस छात्रों को श्वास बिमारियों के विषय में जानकारियां मिलेगी। इस संबंध में डॉ पीजी नाजपांडे ने नेशनल मेडिकल आयोग को पत्र भेजकर बताया कि हाल ही में आयोग ने 16 अगस्त को नोटीफिकेशन जारी कर एम बी बी एस कोर्सेस के विभागों में रेस्पीरेटरी विभाग शामिल नही किया है। इससे वर्तमान पस्मोनरी मेडिसीन स्कूल से कोर्सेस शिफ्ट होने का खतरा टल गया था, इससे पस्मोनरी मेडिसीन स्कूल के विखंडन पर भी रोक लग गयी। सच्चाई है कि एम बी बी एस सिलेबस से रेस्पीरेटरी मेडिसीन विषय हटाया नहीं गया है इसे मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसीन विषय के प्रोफेसर्स पढ़ा रहे हैं जैसे की नेफ्रालॉजी, कार्डीयालॉजी इत्यादि।

आयोग पुनर्विचार नही करें-मंच के रजत भार्गव, डी आर लखेरा ने बताया कि मध्यप्रदेश में पस्मोनरी मेडिसीन स्कूलों से छात्रों एवं मरीजों को लाभ हो रहा है इसे मददेनजर आयोग अपने 16 अगस्त के नोटिफिकेशन पर कायम रहें।

पराली की आग से बंजर हो रही खेतों की कोख

पराली को आग न लगाएं पान बरेजों को हो सकता है नुकसान

गांधीग्राम, देशबन्धु। राज्य सरकार व कृषि विभाग के अधिकारियों की तमाम समझाइशों के बाद भी किसान इसे नजरअंदाज कर बड़ी नादानी कर रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार पान बरेजा बनाकर पान की खेती करने वाले चौरसिया समाज के पान कृषकों ने बताया कि वर्तमान समय में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 हाईवे पर गांधीग्राम बाईपास, देवनगर, माल्हा,धरमपुरा, व बम्होरी में उनके पान बरेजे हैं, रात्रि के समय किसान पराली में आग लगाते है तो उनकी नींद हराम हो जाती है।भूपेन्द्र चौरसिया, रवि चौरसिया, रामविशाल,खेमचन्द चौरसिया, अज्जू, संतोष,राकेश,नरेश चौरसिया ने बताया कि रात्रि में ग्राम मिढ़ासन, माल्हा ,कैलवास, देवनगर,धरमपुरा, बम्होरी व उमरिया गांव की तरफ आसमान में आग उठती दिखती है तो पान कृषक पान बरेजों को देखने रात में दौड़ लगा देते है,किसानों का कहना है कि उक्त ग्रामों से रात में आग दिखती है तो रात में उन्हें अपने पान बरेजों को देखने भागना पड़ता है।चौरसिया पान कृषकों का कहना है कि पान बरेजों का निर्माण बांस,घास व लकड़ी की पतली बल्लियों से होता है थोड़ी सी आग से पान बरजे को बहुत नुकसान होता है।

पर्यावरण को नुकसान- किसानों की इस गलत आदत की वजह से वायुमंडल में धुंआ फैल जाता है और इससे प्रकृति चक्र में बदलाव के कारण देश और प्रदेश की विकास दर भी बाधित होती है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक फसलों के गिरते उत्पादन और किसानों को हो रहे घाटे के पीछे पराली का जलाना एक मुख्य वजह है। अनेक स्थानों से खेतों में आग लगने की घटना की मुख्य वजह पराली जलाने के रूप में सामने आती है। पराली में आग लगाने से कई बार आग एक खेत से दूसरे खेत और फिर आसपास के खेतों को अपनी चपेट में ले लेती है। कई बार खेत-खलिहान से होते हुए आग की लपटें लोगों के घरों तक भी पहुंच जाती है और बड़े हादसे का सबब बन जाती हैं। साथ ही खेतों की उर्वरा के लिए उपयोगी मित्र कीट भी जलकर मर जाते हैं। यह करें किसान- स्ट्रारीपर यंत्र का उपयोग कर पराली से भूसा तैयार कर सकते हैं। जिससे भूसे की मात्रा बढ़ेगी। धान की कटाई के दौरान किसान नीचे से कटाई करें। धान कटवाने के बाद उसे कृषि वेटर यंत्र का उपयोग करना चाहिए। इससे बचे हुए ठूठ व डंठल की कटिंग हो जाती है । हवा चलने से आग की छोटी चिंगारी भी दहक कर विकराल रूप ले लेती है। फसल कटने के बाद खेत में बचे तने और सूखे ठूठ आग में घी का काम करते हैं। आग बड़ी तेजी से फैलती है और किसान असहाय सा अपने इस उठाये कदम पर पश्चाताप करते हुए केवल दर्शक बनकर रह जाता है। (फाइल फोटो)

मारपीट और गुंडागर्दी के विरोध में कांग्रेसजन पहुंचे पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सौंपा ज्ञापन

पनागर, देशबन्धु। विधानसभा में चुनाव मढई रीछाई मैं जो रांझी थाना के अन्तर्गत आता है वहां पर महाराजपुर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज परैल दाऊ को रोक कर भाजपा कार्यकर्ता ने हमलाकर साथ भारपीर की एवं उनकी वीडियो बनाकर वोटिंग के दिन वायरल की। 16 तारीक की रात में

ब्लाक अध्यक्ष मढई रिछाई अपने बूथ की सामग्री वितरण करने जा रहे थे, तब उनकी गाड़ी रोककर उनके साथ मारपीट की और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल की। रात में ही में राझी थाना समस्त काँग्रेस जन अपने प्रत्याशियों के साथ थाने पहुंचे। लगभग तीन घंटे में रिपोर्ट दर्ज की गई कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष का रात भर गायब रहा इसलिए अपहरण की भी शिकायत की गयी हमलावर भाजपा के कार्यकर्ता थे जिनमें दो लोगों को पहचान लिया था जिनकी नामजद रिपोर्ट की गई जिला कांग्रेस अध्य अध्यक्ष डॉ नीलेश जैन ने बताया आज तीन दिन हो गये पुलिस ने किसी भी प्रकार की कार्यावाही नहीं की जबकि पुलिस को वीडियो सहित नामजद दजानकारी दी और ऐसा चारों ग्रामीणविधान सभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट एवं धमकी दी जा रही है।

आज दोपहर 12 बजे सैकडों की संख्या में कांग्रेसजन एस. पी. आफिस पहुंचे एवं एसपी को पूरा मामला अवगत कराया ऐसी ही घरना पाटन विधानसभा में एक सरपंच जिसका शुभम पटेल ग्राम पंचायत पोढ़ी के हैं उनके साथ घटी मारपीट कर मोवाइल तोड़ एवं पैसे भी छीन लिये। एस. पी. कार्यालय जिला कांग्रेस अध्यक्ष डी0 नीलेश जी पनागर प्रत्याशी राजेश पटेल, राजकिशोर विमल जैन विवेक पटेल शिव नामदेव, इन्द्र पटेल, नगर पालिका पटेल अध्यक्ष प्रदीप पटेल, सत्येन्द्र गर्ग, रिंकू तिवारी संजय श्रीवास्तव, मुकेश परैल, रामस्वरूप पटेल, संग्राम सिहं बिहारी परेल नेकनारायण सिंह, भवानी साहू से डॉ संदीप सिंघाई प्रशांत चौरसिया। अञ्जीत परिहार, इन्द्रकुमार परैल, जगन्नाथ शर्मा वीरेंद्र दास बैरागी कृपाल पटेल दिलीप कुशवाहा राजेन्द्र मिश्रा, प्रकाश पटेल, प्रमोड पटैल, आदि लेकर अमन गोस्वामी, राजकुमार कुशवाहा आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

गंदगी से सराबोर श्रीधाम स्टेशन

गोटेगांव, देशबन्धु । नगर में श्रीधाम रेलवे स्टेशन के नाम से मशहूर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक से लेकर प्लेटफार्म तीन सहित ब्रिज में कचरा बजबजा रहा है लेकिन रेलवे के आला अधिकारी और सफाई कर्मचारी कुंभकरण की छह महीने के नींद में तल्लीन हैं। यह एक पहला मौका नहीं है ऐसा कई बार होता दिखता है बहरहाल कई महीनों से इस रेलवे स्टेशन पर झाड़ू ना लगना रेलवे के आला अधिकारियों की उदासीनता का घोतक है। आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर भारत का पांचवां धाम परमहंसी गंगा सिद्ध क्षेत्र है जो की परम पावन प्रात: स्मरणीय जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज की तपोस्थली होने के कारण इस रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों की संख्या में प्रतिदिन भक्तों का आना जाना होता रहता है। और रेलवे स्टेशन पर इस तरह से गंदगी होना सफाई व्यवस्था सही ना होना नगर में एवम यात्रियों में जनचर्चा का विषय बनता जा रहा है।ब्रिज में डस्ट की पट्ट जम रही है प्लेटफार्म क्रमश: एक से तीन तक गंदगी और कचरे का अंबार लगता जा रहा है फिर भी रेल प्रशासन यात्रियों के लिए कोई गंभीर बीमारी को दावत देता नजर आ रहा है इस तरह प्लेटफार्मों पर फेल रही गंदगी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को चुनौती देता नजर आ रहा है।

सार-समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया स्मरण

संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पनागर, देशबन्धु। देश की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी के नाम से विख्यात श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती का कार्यक्रम पनागर कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया इस अवसर पर इंदिरा गांधी के तेज चित्र पर उपस्थित जनों ने पुष्पांजलि अर्पित की तथा संगोष्ठी में उपस्थित कांग्रेस जनों ने उन्हें याद करते हुए अपने-अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं कांग्रेस के पनागर विधानसभा प्रभारी विमल जैन ने कहा कि वह भारत देश भी नहीं वरन संपूर्ण विश्व में उनका एक अपना नाम था उन्होंने बैंकों के राष्ट्रीयकरण और गरीबी मुक्त भारत 20 सूत्रीय कार्यक्रम जैसे अनेक महत्वपूर्ण देश क्षेत्र में कार्यक्रम दिए एवं कठोर से कठोर निर्णय लेने में उन्होंने जरा सा विलंब नहीं किया एवं देश का विश्व में नाम रोशन किया।

ब्लॉक अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने भी उन्हें भारत के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र चक्रवर्ती पार्षद तुलसीराम कुशवाहा मुकेश गोटिया पूर्व पार्षद जगन्नाथ शर्मा वीरेंद्र दास बैरागी ऋषभ जैन सोट् जगदीश सोनी जग्गी अंकित जैन रामदास पटेल सुजल जैन राकेश पटेल अर्जुन कुशवाहा हरी केवट अहमद खान गुड्डू यादव सीताराम कुशवाहा धर्मेन्द्र राय, जयकुमार सोनी अमन कुशवाहा महंगवा प्रदीप कुशवाहा मनोज मिश्रा प्रशांत मिश्रा विजय कुशवाहा के साथ अनेक लोगों उपस्थित थे।

आवंटन का रोना, एरियर्स की फाइल नहीं हो रहीं अपडेट

जिला कोषालय में 15 दिनों से कचरे के समान पड़े भुगतान होने वाले देयक

गोसलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा प्रदेश संयोजक एस. बी. सिंह,जबलपुर जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय ने जबलपुर जिला कोसालय द्वारा पारित देयकों का भुगतान ना किए जाने पर भारी रोस व्यक्त किया है। महंगाई भत्ते की प्रथम किस्त के एरियर्स के देयकों का भुगतान अक्तूबर पेड़ नवंबर माह में किया जाना था, इन देयकों को समय पर कोसालय में जमा तो कर दिया गया लेकिन फाइल जनरेट ना होने के कारण आज भी भुगतान नहीं किया जा सका है। पारित देयक कोसलय में करीबन पंद्रह दिनों से कचरे के समान पड़े हुए है,कर्मचारियों के जी पी एफ अग्रिम के देयकों की फाइलें भी अपडेट ना होना का कारण बताकर अधर में लटकाकर रखी गई है। ओवर ड्राफ्ट की समस्या या बहाना बताकर कोसालय से कर्मचारियों को भगाया जा रहा है। इस समस्या का सामना आज कर्मचारियों को करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से परेशान कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जबलपुर जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, योगेश चौधरी, संतोष मिश्रा, नरेश शुक्ला, विश्वदीप पटेरिया, मध्यप्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के यू एस करोसिया, देव दोनेरिया, प्रसांत सोधिया, रविकांत दहायत, नितिन सेलेट, अजय दुबे,धीरेंद्र सिंह , मुकेश मरकाम ,योगेंद्र मिश्रा, सतीश उपाध्याय, विनय नामदेव, दुर्गेश पाण्डे, शहजाद सिंह द्विवेदी, दाल चंद पासी, डी के नेमा,राकेश उपाध्याय ने आवंटन की प्रत्याशा में समस्त कोषालय में पारित देयकों के भुगतान की मांग की है।

कार और ऑटो आपस में टकराए, दो घायल

सिवनी, देशबन्धु । बंडोल थाना क्षेत्र में रात 11 बजे सेंटर पॉइन्ट के पास एक सड़क हादसह्य में दो लोग घायल हो गए। रात के समय सेंटर पॉइंट के समीप एक कार जबलपुर की तरफ जा रही थी। वहीं छपारा तरफ से एक ऑटो सिवनी की तरफ आ रहा था। पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। जिसके कारण कार ऑटो से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी की घटना में दो लोग घायल हो गए।

खेती की जमीन को लेकर उपजे विवाद में कर दी हत्या

लांजी, देशबन्धु। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम मोहझरी निवासी गौरीशंकर भूते की जमीनी विवाद में मारपीट के दौरान मौत हो गई जिस संबध में लांजी पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। प्रथम दृष्टया यह मामल हत्या से जुडा हुआ जिसको लेकर लांजी पुलिस ने कुछ आरोपियो को हिरासत मे भी ले लिया है तथा मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। घटना के संबध में मृतक गौरीशंकर भूते की पत्नि लीला भूते ने बताया कि 19 नवंबर को दोपहर करीब 2 बजे मै अपने पति गौरीशंकर भूते, देवर अशोक भूते, एवं सांस शांतिबाई भूते के साथ खेत में लगी धान को देखने के लिये गये थे। वहां देखे तो हमारे गांव के निर्मल नाकतोड़े, शारदा नाकतोड़े, प्रांजल नाकतोड़े, महेश ठाकरे, हमारे खेत की धान काट रहे थे मेरी सास शांति बाई एवं मेरे पति गौरीशंकर भूते ने उसने बोला कि हमारे खेत की धान क्यू काट रहे हो, तो निर्मल और शारदा दोनो कहने लगे कि इस खेत के पैसे हम तुम्हे दे चुके है यह खेत हमारा है और हम हमारे खेत की धान काट रहे है इसी बात को लेकर निर्मल नाकतोड़े, शारदा नाकतोड़े, प्रांजल नाकतोड़े, महेश ठाकरे सभी गंदी गंदी गालिया देते हुये मेरे पति को धक्का देकर नीचे गिरा दिये और सभी मेरे पति को जान से मारने की नियत से लात घूसे हाथ मुक्के से मारपीट करने लगे। निर्मल नाकतोड़े ने मेरे पति को डंडा से मुंह मे तथा पैर मे मारा मारपीट से मेरे पति को पेट मे, सीने मे हाथ पैर तथा चेहरे मे चोटे आई है। शरीर मे चोट आने से मेरे पति गौरीशंकर खेत मे ही उल्टी करने लगे, जब हम सभी लोग बीच बचाव करने आये तो उक्त लोगों के द्वारा हमारे साथ भी मारपीट की गई। हम सभी लोग ने मिलकर मेरे पति को सिविल अस्पताल लांजी उपचार के लिये लाया गया जहां डॉ के द्वारा बताया गया कि गौरीशंकर भूते की मृत्यू हो चुकी है।

हत्या की धारा के तहत हो सकता है अपराध दर्ज

उक्त प्रकरण में जहां मृतक की पत्नि लीलावती ने मोहझरी निवासी निर्मल नाकतोड़े, शारदा नाकतोड़े, प्रांजल नाकतोड़े, महेश ठाकरे के विरूद्ध गंभीर आरोप लगाये गये जिनके द्वारा मारपीट कर मेरे पति की हत्या कर दी गई है। लांजी पुलिस ने उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये आरोपियो को हिरासत मे लेने की जानकारी प्राप्त हुई है वंही मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है आज उक्त चारो के विरूद्ध लांजी पुलिस अपराध पंजीबद्ध कर सकती है।

किसान के खेत में मिला अज्ञात शव क्षेत्र में फैली सनसनी

मंडला, देशबन्धु। नैनपुर के समीपी ग्राम निवारी में एक किसान के खेत मे बने कुएं में अज्ञात शव बरामद किया गया है। बताया गया कि उपरोक्त शव किसान मनीष ठाकुर के खेत के कुएं में मिला है। उक्त घटना की जानकारी किसान सुदामा ठाकुर के द्वारा स्थानीय पुलिस थाने में दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां शव को कुएं से निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के साथ शव को अपने सुपुर्द कर लिया है। फ़िलहाल शव अज्ञात बताया जा रहा है। जिसकी शिनाख्ती की कार्रवाई जारी है। उप निरीक्षक रमेश इंग्ले ने मामला कायम कर शव को पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए अग्रेसित किया है। मृतक की पहचान उसकी हुलिया के आधार पर किए जाने की कार्यवाही पुलिस कर रही है। साथ ही आसपास सूचना भेजकर मृतक के संबद्ध जानकारी जुटाने पुलिस प्रयास किया जा रहा है।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक की मौत और दो घायल

मंडला, देशबन्धु। नैनपुर नगर और उसके ग्रामीण क्षेत्रो में हुई दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो अन्य इन हादसो में घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार नैनपुर से डिठौरी होते हुए नगर के दो किराना व्यवसायी मंडला अपनी बहन के घर जा रहे थे। जो स्कूटी वाहन में सवार थे। इनके वाहन को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे नगर के किराना व्यवसायी वार्ड 12 निवासी शंकर वासानी पिता किसन वासानी उम्र 23 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे साथी दिलीप लालवानी को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई व हाथ फैक्चर होना बताया गया है। जिनका उपचार सिविल अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया गया कि पिंडरई मंडला सड़क मार्ग में ग्राम उमरडीह के पास मुख्य मार्ग पर यह हादसा हुआ। हादसे में हुई मौत से नगर स्तब्ध रह गया। इसके अलावा दूसरे सड़क हादसे में नैनपुर मंडला सड़क मार्ग पर निवारी पेट्रोल पंप ट्रैक्टर एजेंसी के पास एक वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे लोगों ने सिविल अस्पताल नैनपुर में ले जाकर भर्ती कराया। बताया गया कि घटना में घायल युवक खेराजी थाना केवलारी जिला सिवनी का निवासी अमित राजपूत है। जानकारी मिली है कि घायल युवक अमित राजपूत को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको के द्वारा रेफर किया गया। जिसे नागपुर एम्बुलेंस से ले जाया गया है।

रेलवे स्टेशन का पार्क बना भिखारियों का आशियाना

यहीं पर रहना-खाना और अपना जीवन-यापन कर रहे, ओपन जिम की मशीनें तोड़ीं

दमोह, देशबन्धु। रेलवे ने कर्मचारियों और आमजन की सुविधा के लिए लाखों रुपये खर्च कर दमोह रेलवे स्टेशन के बाहर पार्क और ओपन जिम को बनाया है। जहां वर्तमान में भिखारियों ने अपना आशियाना बना लिया है और यहीं पर उनका रहना और खाना हो रहा है और अपना जीवन यापन यहीं पर कर रहे हैं। इनके बच्चों ने ओपन जिम की मशीनें तक तोड़ डालीं। सोचने वाली बात यह है रेलवे की संपत्ति पर भिखारियों ने कब्जा कर लिया और अधिकारी बेखबर हैं। रेलवे स्टेशन के समीप पार्क के गेट पर ताला लगा हुआ है जिससे आम आदमी अंदर भी नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा करीब चार साल पहले रेलवे स्टेशन परिसर में करोड़ों रुपये की राशि से निर्मित हुए भवन और पार्क का लोकार्पण किया गया था। इसमें एक पार्क और ओपन जिम भी शामिल था। लोकार्पण के कुछ दिन तक तो यहां सुबह, शाम आम लोगों के साथ रेलवे के अधिकारी और उनके बच्चे पार्क में डले झूले और ओपन जिम का लाभ लेने पहुंचे, लेकिन उसके बाद यहां गेट पर ताल डाल दिया गया। जिससे कोई भी व्यक्ति अंदर प्रवेश नहीं कर सका और धीरे-धीरे लोगों ने पार्क में जाना बंद कर दिया। यहां कई प्रकार के झूले और ओपन जिम में मशीनें लगाई गई थीं। ताकि बड़े और बच्चे पार्क में घूम सकें और जिम की मशीनों का उपयोग कर शरीर स्वस्थ बना सकें, लेकिन यहां काफी समय से ताला लगा हुआ है।

ताला डला देख भिखारियों ने जमाया कब्जा

पार्क और ओपन जिम में हर समय ताला डला रहता है जिससे यहां आम लोगों की आवाजाही बंद हो गई और इसका फायदा भिखारियों ने उठाना शुरू कर दिया। उन्होंने पार्क के अंदर ही टीन शेड के नीचे रहना शुरू कर दिया। पार्क के अंदर खाना बनाना, रहना और नहाना शुरू कर दिया। पार्क में चारों ओर गंदगी फैली हुई है। यदि कोई व्यक्ति पार्क के अंदर आना चाहे तो यह लोग उसे मारने दौड़ते हैं और गालियां देते हैं। आज हालत यह है कि जिम की मशीनों के पुर्जे उखाड़ दिए गए हैं और फिसल पट्टी और झूलों को तोड़ दिया गया है।

एक दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

पार्क में भिखारियों के कब्जे को लेकर दमोह स्टेशन प्रबंधक जेएस मीणा ने कहा कि इस पार्क को संचालित करने का जिम्मा आईओडब्लू विभाग का है। इस पार्क का निर्माण रेलवे के कर्मचारियों और यात्रियों के लिए किया गया था। वहीं आईओडब्लू विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन भिखारियों को हटाने का काम स्टेशन प्रबंधक और आरपीएफ पुलिस का है। यह बात भी सही है कि यदि पुलिस चाहे तो यहां से भिखारी हटाए जा सकते हैं इसके बाद रेलवे के अधिकारी इस पार्क को दुरुस्त करवा दें, लेकिन जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी उठाना नहीं चाहते।

विफल हुआ स्पेसएक्स के स्टारशिप का दूसरा परीक्षण

वाशिंगटन। प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के रॉकेट स्टारशिप दूसरी परीक्षण भी विफल हो गया है। दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप को भारतीय समयानुसार शनिवार शाम करीब 6:30 बजे लॉन्च किया गया था। यह मिशन 1:30 घंटे का था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लॉन्चिंग के करीब 2.4 मिनट बाद सुपर हैवी बूस्टर और स्टारशिप का सेपरेशन हुआ। इसके बाद बूस्टर को वापस पृथ्वी पर लैंड करना था, लेकिन 3.2 मिनट बाद 90 किलोमीटर की ऊंचाई पर यह फट गया।

हूती विद्रोहियों ने हाइजैक किया शिप

इजरायल के सबसे अमीर कारोबारी अब्राहम रामी उंगर

तेल अवीव। यमन के इरान समर्थित हूती विद्रोही संगठन का कहना है कि रविवार को लाल सागर में जिस शिप को हाइजैक किया गया है वह इजरायल के कारोबारी है। बाद में इजरायली सेना ने भी कन्फर्म किया है कि यह इजरायली कारोबारी का ही शिप है। आईडीएफ का कहना है कि यह वैश्विक स्तर की एक खतरनाक घटना है।

ईरान की मीडिया के मुताबिक हूती विद्रोही हेलिकॉप्टर के जरिए भारत की तरफ आ रहे शिप पर उतर गए। इसके बाद इस शिप को अपने कंट्रोल में ले लिया और यमन तट की ओर मोड़ दिया। इस शिप में 25 क्रू मेंबर थे जो कि अलग-अलग देशों से थे। इसमें यूक्रेन, बुल्गारिया, फिलीपीन्स और मैक्सिको के क्रू मेंबर थे। वहीं आईडीएफ ने कहा है कि यह शिप ब्रिटिश कंपनी का था लेकिन जापानी कंपनी द्वारा संचालित किया जा रहा था। यह इजरायली जहाज नहीं है। हालांकि समुद्री सुरक्षा कंपनी ऐंब्रे ने कहा है कि यह शिप रे कार कैरियर का है जिसकी पैरेंट कंपनी अब्राहम रामी उंगर की है जो कि एक इजरायली कारोबारी हैं।

हारेत्ज की रिपोर्ट के मुताबिक अब्राहम उंगर इजरायल के सबसे अमीर कारोबारी हैं और उनकी कुल संपत्ति 2 अरब डॉलर से भी ज्यादा की है। वह इंटरनेशल शिपिंग की दुनिया के जाने माने नाम हैं। इसके अलावा इजरायल के सबसे बड़े वाहन आयातक हैं। इजरायल में दक्षिणपंथी राजनेताओं के साथ भी उनके अच्छे संबंध रहे हैं इजरायल के दो बड़े घोटालों में भी उनका नाम आया था। उनपर इजरायली मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्री ओलमर्ट का साथ देने का आरोप था। लाल सागर में शिप के हाइजैक पर होने पर अमेरिकी ने इसे ईरानी आतंक करार दिया है। अमेरका ने कहा कि ईरान ने समुद्री यात्राओं को भी खतरे में डाल दिया है। अब किसी भी देश के लोग समुद्र में स्वतंत्र रूप से उतरने में डरेंगे। अमेरिका ने कहा कि इस तरह से किसी शिप को अगवा करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है।

यूएन के सहयोगियों के साथ मिलकर इस मामले में अगला कदम उठाने पर चर्चा होगी। जापान ने भी इस हाइजैकिंग का विरोध किया। इससे पहले ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा था कि सभी देशों को इजरायल के साथ व्यापार बंद कर देना चाहिए।

आज का इतिहास

1877-प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
1906-चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
1921-प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) बॉबे (अब मुंबई) पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया।
1941-गुजरात की पहली मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल का जन्म।
1947-आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।
1956-एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी।
1962-भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्षविराम का ऐलान किया।
1963-केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़े जाने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरु हुआ।
1979-मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार।
1986-मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया।
1999-चीन द्वारा अपने प्रथम मानव रहित अंतरिक्ष यान 'शेनझू' का प्रक्षेपण किया गया।

सुडोकू 6382

	8		6				5	
					2	3		
3	2					6	1	
			9	2		7		
			1		7			
		4		6	3			
	9	7					4	3
		8	7					
	4				1		2	

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

गहलोत का खेड़ली दौर आज

अलवर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को कठूमर विधानसभा क्षेत्र के खेड़ली कस्बे में कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा गहलोत के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के कांग्रेस पदाधिकारी संजना जाटव के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। मुख्यमंत्री के खेड़ली आगमन की तैयारी को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी व्यवस्थाओं की देखरेख में जुटे हुए हैं।

पी.बाबू मोहन के बेटे बीआरएस में शामिल

हैदराबाद। एक्टर और तेलंगाना के एंडोले निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पी.बाबू मोहन के बेटे उदय बाबू मोहन रविवार को भारत राष्ट्र समिति में शामिल हो गए। उदय औपचारिक रूप से सिद्दीपेट में बीआरएस नेता और राज्य मंत्री टी. हरीश राव की उपस्थिति में सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए। उदय के साथ, एंडोले और जोगीपेट के कुछ स्थानीय जन प्रतिनिधि और भाजपा नेता बीआरएस में शामिल हुए। मंत्री ने उनसे बीआरएस की जीत के लिए काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह तेलंगाना के विकास के लिए काम कर रहा है।

रतलाम शहर में 73.49 प्रतिशत हुआ मतदान

रतलाम। मप्र के रतलाम जिले की पांच विधानसभा सीटों के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के अंतिम आंकड़े प्राप्त हो चुके है। मतदान के आंकड़ों से जो तस्वीर सामने आई है, वह वर्ष 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव से लगभग मिलती जुलती है। निर्वाचन आयोग से प्राप्त मतदान के अंतिम आंकड़ों को देखें तो रतलाम शहर में 73.49 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि रतलाम ग्रामीण सीट पर मतदान का प्रतिशत 86.20 रहा है। सैलाना में 90.10 प्रतिशत, जावरा में 85.52 प्रतिशत और आलोट में 83.30 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। इस तरह पूरे जिले में औसतन 83 प्रतिशत मतदान हुआ है। सैलाना में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मतदान दर्ज हुआ है।

रामगढ़ व कठूमर में भाजपा को बागी उम्मीदवारों की चुनौती

अलवर। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में अलवर जिले की रामगढ़ और कठूमर विस क्षेत्र में भाजपा के लिए बागी उम्मीदवार चुनौती बने हुए हैं। कठूमर विस आरक्षित सीट से जहां कांग्रेस ने संजना जाटव को टिकट दिया है वहीं भाजपा ने पूर्व विधायक रमेश खींची को उम्मीदवार बनाया है। यहां से भाजपा के दावेदार के रूप में पूर्व मंत्री मंगल राम कोली थे लेकिन टिकट रमेश खींची को मिला। इस पर श्री कोली ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में ताल ठोक रखी हैं जो भाजपा के लिए चुनौती मानी जा रही हैं। श्री कोली को बाल्टी चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है और इसी बाल्टी के चुनाव चिह्न पर वह पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधायक बनकर भैंरु सिंह सरकार में उपमंत्री बनाए गए थे। लेकिन बाद में बगावत करने पर पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया है।

इजरायल की जंग में अमेरिका लगा किनारे! कैसे चीन, रूस और मुसलमान देश आ गए साथ

तेल अवीव। क्या इजरायल और हमास की जंग ने अमेरिका को वैश्विक राजनीति में किनारे लगा दिया है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि अमेरिका अब खुलकर अपने साथी का बचाव नहीं कर पा रहा है, जबकि चीन अरब और मुस्लिम देशों को साथ लेकर बैठकें कर रहा है। वहीं यूक्रेन से जंग में ईरान से ड्रोन खरीदने वाले रूस ने एक बार फिर से उससे ही करीबी दिखाई है। रूस ने खुले तौर पर हमास के बर्बर हमले के जवाब में इजरायली ऐक्शन को गलत बताया है। उसने यहां तक कहा कि इजरायल को गाजा पर हमले रोक देने चाहिए। हमास के हमले की सजा आम फिलिस्तीनियों को नहीं मिलनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के खिलाफ अब तक 6 प्रस्ताव आ चुके हैं, जिनमें से 5 गिर गए। लेकिन हाल ही में मानवीय सहायता के लिए कुछ वक्त को युद्ध रोकने का प्रस्ताव भी आया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव को 12 सदस्यों ने मंजूरी दी और यह पारित हो गया। इसके खिलाफ कोई वोट नहीं पड़ा, लेकिन हमेशा इजरायल का साथ देने वाले अमेरिका ने वोटिंग से ही किनारा कर लिया। इसके अलावा चीन और रूस यह कहते हुए वोटिंग से दूर रहे कि प्रस्ताव में हमास की निंदा नहीं की गई है। इस तरह अमेरिका वैश्विक दबाव में पहली बार इजरायल के खिलाफ आए प्रस्ताव के विरोध में नहीं खड़ा हुआ, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके पास वीटो पावर है। वहीं चीन ने अब नया दांव चलते हुए मुसलमान देशों की मीटिंग बुला ली है। इसी सप्ताह सऊदी अरब, जॉर्डन, मिस्र, इंडोनेशिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्री चीन पहुंच रहे हैं। इसके अलावा इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव हिसेन इब्राहिम ताहा भी चीन जा रहे हैं। इस मीटिंग में इजरायल और हमास युद्ध पर बात होने वाली है।

ईरान और सऊदी को भी चीन ही करीब लाया था

यह पहला मौका है, जब इजरायल और गाजा पट्टी में जारी जंग को लेकर चीन ने दिलचस्पी दिखाई है। इससे पहले ईरान और सऊदी अरब को करीब लाकर चीन पहले ही मुस्लिम वर्ल्ड में दखल दे चुका है। इस तरह चीन मुस्लिम देशों के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ा रहा है। वहीं अमेरिका के करीबी रहे मुस्लिम वर्ल्ड के सऊदी अरब, कतर और जॉर्डन जैसे देश भी उसे आंख दिखा रहे हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने तो 15 घंटे इंतजार के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री से मुलाकात की थी।

कैसे रूस भी जा रहा चीन के खेमे में, क्या तैयारी

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, इस मीटिंग में चीन फिलिस्तीन और इजरायल की जंग को रुकवाने पर बात करेगा। यह चर्चा होगी कि कैसे जंग में नागरिकों को मरने से बचाया जाए। मोटे तौर पर हम फिलिस्तीन के संकट पर बात करेंगे। वहीं रूस भी चीनी खेमे में ही जाता दिख रहा है। रूस को भी लगता है कि वह ईरान और मुस्लिम वर्ल्ड का इस मसले पर समर्थन करके साथ पा सकता है। इससे उसे यूक्रेन की जंग में खुद को मजबूत करने में सफलता मिलेगी।

हूती विद्रोहियों के चलते भी एकजुट नहीं हो पा रहे अरब देश?

रियाद। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग के बीच मुस्लिम देश एकजुट होने का प्रयास कर रहे हैं। कई विफल प्रयासों के बाद अब फिर से चीन में मुस्लिम देशों का महाजुटान होने जा रहा है। वैश्विक राजनीति के स्तर पर यह एक बड़ी बात है। बता दें कि इजरायल के आसपास मिस्र, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, इराक, तुर्की, ईरान, मोरक्को, सऊदी अरब, कुवैत, फिलिस्तीन, सूडान और ट्यूनीशिया जैसे देश हैं। इसके अलावा यूएई कतर जैसे देश भी अरब में मायने रखते हैं। इनमें से कई देश इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी का भी हिस्सा हैं। वहीं कई की दोस्ती अमेरिका के साथ भी है। इस्लामिक देशों में आपस में जारी मतभेद अरब देशों को भी इजरायल के खिलाफ एकजुट होने से रोकते हैं।

ईरान और सऊदी अरब की अनबन- सऊदी अरब और इजरायल के बीच कभी दोस्ती नहीं रही लेकिन गौर करने वाली बात है कि ईरान दोनों का साझा दुश्मन है। हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठनों को ईरान से ही समर्थन मिलता है। यही हाल यमन के हूती विद्रोहियों का भी है। हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ खड़े रहते हैं। वहीं उन्हें ईरान से समर्थन मिलता है। इस वजह से अरब देशों में सहमति बननी बहुत मुश्किल हो जाती है। बता दें कि ईरान और सऊदी अरब दोनों इस्लामिक देश हैं लेकिन ईरान में शिया मुस्लिम ज्यादा हैं और सऊदी अरब में सुन्नी बहुल। ऐसे में बात जब एकजुट होने की आती है तो कुछ देश ईरान की तरफ तो कुछ देश सऊदी अरब की तरफ नजर आने लगते हैं। चीन का कहना है कि उसने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करके दोस्ती करा दी है। हालांकि वैश्विक मंचों पर मतभेद साफ नजर आ जाता है।

क्या है हूती विद्रोहियों की भूमिका- एक दिन पहले ही हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में भारत आ रहे ब्रिटेन के एक कार्गो शिप को अगवा कर लिया। जानकारी के मुताबिक उन्हें लगा कि यह शिप इजरायल का है। इससे पहले 2022 में दो जनवरी को हूती विद्रोहियों ने एक कार्गो शिप को कब्जे में ले लिया था और 11 लोगों को बंधक बनाया था। इसमें भारत के सात जवान शामिल थे। दरअसल हूती विद्रोही 1980 के दशक में यमन में पैदा हुए। यह शिया मुसलमानों का आदिवासी संगठन है।

वर्ग पहेली 6382

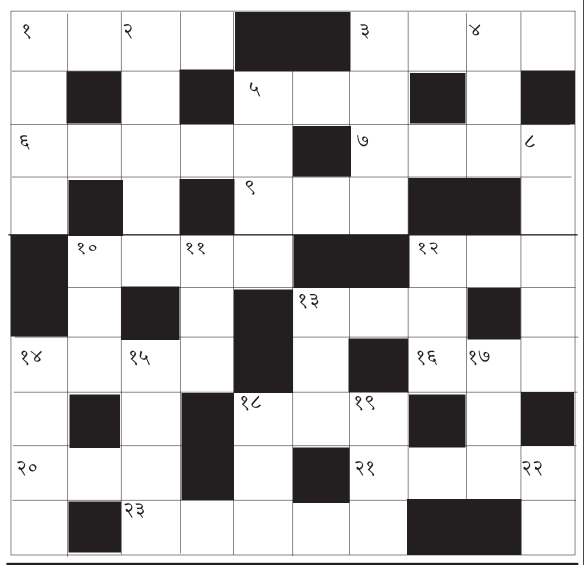

बायें से दायें:-
१. छत्तीसगढ़ राज्य का एक जिला
३. गणेश
४. पूर्ति करने की क्रिया
६. वह व्यक्ति या संस्थाा जिसे राजकीय पत्र प्रदान किया गया हो
७.एक तरह का फूल जिसमें रात में सुगंध होती है
९. व्यापार
१०. रविवार
१२. नेपाली पहाड़ी मजदूर
१३. मुख्य, प्रधान, मुखिया
१४. संदर्भ, प्रसंग, प्रतिपादन, निर्माण
१६. एक प्रकार का ज्योतिष विद्या
१८. रोकने वाला, रुकावट डालने वाला
२०. अतिरिक्त (उर्दू)
२१. गणेश
२३. दीपक, सूर्य, तिमिरहर

ऊपर से नीचे:-
१. यात्रियों, पथिकों के निशुल्क ठहरने-रुकने के लिए जगह, सराय
२. तदुपरांत
३. वह शासन व्यवस्था जिसमें चुने हुए प्रतिनिधि शासन संचालित करते हैं
४. दृश्य (उर्दू)
५. नाव खेने की डांडी
८. अर्धविक्षिप्त (उर्दू)
१०. तलबगार, इच्छा रखने वाला
११. हाथी, निवारण
१२. किरीट, मुकुट, शिरोभूषण
१३. इंतजाम, व्यवस्था
१४. सराहा गया
१५. कहावत, कहानी (उर्दू)
१७. सहायता (उर्दू)
१८. बंद करना, मना करना, रुकावट डालना१९. १९. दाग, धब्बा
२२. बचाव करने की क्रिया

वर्ग पहेली-6381

१ द्व	ष्टि	२ गो	च	३ र	■	४ सु	प्र	५ सि	द्ध
ढा	■	पा	■	६ ज	न्मां	ध	■	पा	■
७ यु	ग	ल	■	नी	■	र	स	८ ही	९ न
ध	■	■	■	१० क	स	ना	■	■	र्त्त
■	११ अ	धि	१२ भा	र	■	■	१३ अ	र्त	न
■	चं	■	जि	■	१४ कु	मु	द	■	प्रि
१५ प्र	भा	१६ वि	त	■	मा	■	१७ ब	१८ जा	य
ति	■	ष	■	१९ प	री	२० क्षा	■	य	■
२१ यो	ज	क	■	ह	■	२२ र	ह	ज	२३ नी
मी	■	२४ न्या	या	ल	य	■	■	■	चे

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

परेशानी बेमौसम बारिश और कृषि नुकसान से जूझ रहे किसान

पर्यावरणीय समस्या का सामना कर रहा गुजरात

अहमदाबाद, (एजेंसियां)। जैसे-जैसे दुनिया का ध्यान 30 नवंबर को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में शुरु होने वाले सीओपी-28 पर गया है, गुजरात पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की कड़वी सच्चाई तेजी से स्पष्ट होती जा रही है। राज्य, जो अपनी जीवंत संस्कृति और संपन्न उद्योगों के लिए जाना जाता है, अब एक पर्यावरणीय समस्या का सामना कर रहा है जो अर्थव्यवस्था और इको सिस्टम दोनों को खतरे में डाल रहा है।जलवायु परिवर्तन ने इस गर्मी में अप्रत्याशित बारिश के माध्यम से अपनी उपस्थिति महसूस की

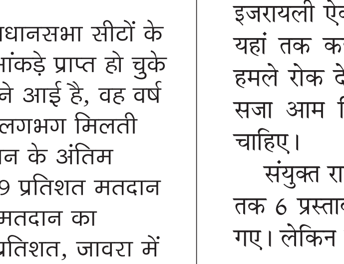

जो कि अनुमानित 42 डिग्री सेल्सियस की चिलचिलाती गर्मी के बिल्कुल विपरीत है। जहां शहरवासी बेमौसम बारिश से हैरान थे, वहीं गुजरात के ग्रामीण इलाकों में एक गंभीर तस्वीर सामने आई। यहां, किसान और फल उत्पादक कठोर जलवायु परिवर्तन से जूझ रहे हैं, वे अपनी आजीविका को भारी नुकसान का सामना कर रहे हैं।गुजरात सरकार ने एक हालिया सर्वेक्षण से पता चलता है कि 42,210 हेक्टेयर कृषि भूमि को 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है, जो हजारों करोड़ रुपये के संभावित नुकसान में बदल जाता है।जवाब में, गुजरात सरकार ने 4 मई को एक महत्वपूर्ण राहत पैकेज की घोषणा की, जिसमें भारी प्रभावित कृषि भूमि के लिए 23,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की पेशकश की गई। यह कदम, राज्य आपदा राहत कोष का पूरक है, जो अनियमित मौसम पैटर्न के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे किसानों को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करता है।2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए, यह राहत प्रयास किसानों के लिए जलता हो वरदान है जितना चुनाव तैयारी कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए।जलवायु परिवर्तन के संकेत गुजरात के बदले हुए मौसम के पैटर्न में स्पष्ट हैं क्योंकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मार्च और अप्रैल में औसत से नीचे तापमान दर्ज किया है।

यह असामान्य ठंडक मई में बेमौसम की तीसरी बारिश के साथ मेल खाती है, जिससे राज्य में कृषि परिदृश्य और जटिल हो गया है। मार्च में पिछली बेमौसम बारिश के दौरान 30 जिलों के 198 तालुकाओं में 1 से 47 मिमी तक की महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई थी। इन चुनौतियों के बावजूद, राज्य सरकार की प्रतिक्रिया सक्रिय रही है। मार्च, 2023 में राज्य के 32 में से 15 जिलों में एक सर्वेक्षण में कृषि और बागवानी दोनों फसलों को व्यापक नुकसान हुआ। इन पर्यावरण और कृषि संकटों के बीच, जनवरी 2023 में गुजरात जिला अदालत से एक अनोखा परिप्रेक्ष्य सामने आया। तापी जिला अदालत के प्रधान जिला न्यायाधीश समीर विनोदचंद्र व्यास ने गोहत्या के लिए एक व्यक्ति को सजा सुनाते हुए इस प्रथा को जलवायु परिवर्तन से जोड़ा। उन्होंने सुझाव दिया कि गोहत्या को रोकना जलवायु परिवर्तन का एक समाधान हो सकता है, जो सांस्कृतिक मान्यताओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के मिश्रण को दर्शाता है। गुजरात और दुनिया सीओपी-28 में महत्वपूर्ण चर्चाओं के लिए तैयार हैं, राज्य का अनुभव जलवायु परिवर्तन के बहुमुखी प्रभाव की याद दिलाता है।

वर्ल्ड कप 2023 की आईसीसी टीम, विराट-रोहित समेत 6 भारतीय को मिली जगह

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

विक्रय सूचना का प्रकाशन (ई- नीलामी द्वारा)

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं 6(2) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल एवं चल आस्तियों के विक्रय हेतु ई– नीलामी विक्रय नोटिस

सर्वसाधारण को साधारणतया एवं ऋणी/जमानतदार/बन्धककर्ता को विशेषतया यह सूचना दी जाती है कि निम्न वर्णित सम्पत्तियों का इंडियन बैंक के पक्ष में प्रतिभूति हित का सृजन है जिसका कब्जा इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (4) के अंतर्गत लिया गया है एवं बैंक की बकाया राशि मय ब्याज, चार्जेस आदि वसूलने हेतु निम्न शर्तों एवं नियमों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतिभूति आस्तियों का **''जैसा है जहाँ है'', ''जैसा है जो है'', और ''जो कुछ भी है''** आम जनता से निविदा का आमंत्रण कर ई– नीलामी दवारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। विक्रय अधोहस्ताक्षरी द्वारा सर्विस प्रदाता की ई– नीलामी वेबसाइट प्लेटफार्मः **(1) https://www.ibapi.in (2) http://www.mstcecommerce.com** पर संपन्न होगा। वर्तमान में संपत्ति पर **भौतिक कब्जा** नहीं है।

क्रं. सं.	शाखा का नाम एवं पता	(1) खाते का नाम एवं पता (2) ऋणी का नाम एवं पता प्रोपराइटर/पार्टनर/ डायरेक्टर का नाम (3) जमानतदार एवं उसके पिता/पति का नाम	(1) बंधक संपत्ति जिसकी नीलामी हो रही है का विवरण एवं (2) टाइटल डीड होल्डर का नाम	(1) मांग सूचना दिनांक (2) कब्जा दिनांक (3) सुरक्षित ऋण का विवरण	(1) आरक्षित मूल्य (2) धरोहर राशि (3) बिड बढ़ाने की राशि (4) विक्रय की दिनांक एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर
1	सतना एसएसआईएफ	**ऋणी– 1. श्रीमति अमृता धनायक पत्नि श्री मनीष धनायक,** वार्ड नं. 44, टिकुरिया टोला, लखन चौक के पास, सतना– 485001 **जमानतदार/ बंधककर्ता– 2. श्री मनीष धनायक पिता श्याम शंकर धनायक,** वार्ड नं. 44, टिकुरिया टोला, लखन चौक के पास, सतना– 485001	सम्पत्ति के सभी भू–भाग खुला प्लाट सम्पत्ति स्वामी– श्री मनीष धनायक पिता श्री श्याम शंकर धनायक, स्थित खसरा नं. 76/1/1/1/4, एरिया 1500 वर्गफुट, मौजा डिलौरा, प.ह.नं. 78, म्युनिसिपल वार्ड नं. 45, विकास खण्ड सोहावल, आर.आई. सर्किल सतना, तहसील रघुराजनगर, जिला– सतना। चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रेता की बची हुई अराजी, दक्षिण– विक्रेता की बची हुई अराजी, पूर्व– 20 फुट चौड़ा प्रस्तावित रास्ता, नाला, पश्चिम– कामता प्रसाद गुप्ता का प्लाट। **Property ID No. IDIB50304451038**	05-09-2022 15-03-2023 Rs. 10,29,238/- + ब्याज 05.09.2022 से एवं अन्य खर्च	Rs. 12,15,000/- Rs. 1,21,500/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री राकेश कुमार यादव 7003426479
2	वैढ़न	**ऋणी– 1. मेसर्स वंदना इन्टरप्राईजेस (प्रोप्रा. श्री अनिल कुमार वर्मा),** मेन रोड ताली, अग्रसेन ऑटोमोबाइल्स के पास, पोस्ट– वैढ़न, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886 **प्रोप्राइटर/ बंधककर्ता/ जमानतदार– 2. श्री अनिल कुमार वर्मा पिता श्री अंबिका प्रसाद वर्मा,** ग्राम– पचखोरा, वार्ड नं. 30, पोस्ट– वैढ़न, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886 **जमानतदार– 3. श्री सुशील कुमार वर्मा पिता श्री अंबिका प्रसाद वर्मा,** ग्राम– पचखोरा, वार्ड नं. 30, पोस्ट– वैढ़न, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886 **जमानतदार– 4. श्री चंद्रिका प्रसाद वर्मा पिता श्री लक्ष्णधारी प्रसाद वर्मा,** पंजरेह बस्ती, वार्ड नं. 05, मोरवा, पोस्ट– मोरवा, तहसील– सिंगरौली, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486889	1. आवासीय डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्री अनिल कुमार वर्मा, स्थित खसरा नं. 542/1 एरिया– 0.027 हेक्टे. स्थित ग्राम– पचखौरा, पोस्ट– वैढ़न, तहसील एवं जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886, चतुर्सीमाः उत्तर– राजेश सिंह की भूमि, दक्षिण– लालमन सेन की भूमि, पूर्व– राजेश सिंह की भूमि, पश्चिम– प्रस्तावित रोड। **Property ID No. IDIB50226102175** 2. आवासीय डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्री अनिल कुमार वर्मा, स्थित खसरा नं. 480/2 एरिया– 0.037 हेक्टे. स्थित ग्राम– पचखौरा, पोस्ट– वैढ़न, तहसील एवं जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886, चतुर्सीमाः उत्तर– नगर निगम रोड, दक्षिण– नरेन्द्र सिंह की भूमि, पूर्व– नगर निगम रोड, पश्चिम– वृहस्पति सिंह का मकान। **Property ID No. IDIB502261021751** 3. आवासीय डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्री अनिल कुमार वर्मा, स्थित खसरा नं. 456/2/2 (पुराना नं. 456/1/2) एरिया– 0.014 हेक्टे. स्थित ग्राम– पचखौरा, पोस्ट– वैढ़न, तहसील एवं जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886, चतुर्सीमाः उत्तर– कुबेर की भूमि, दक्षिण– लवकेश सिंह की भूमि, पूर्व– देवनारायण की भूमि, पश्चिम– प्रस्तावित रोड। **Property ID No. IDIB502261021752**	20-08-2022 16-11-2022 Rs. 66,00,271/- + ब्याज 20.08.2022 से एवं अन्य खर्च	1. Rs. 24,00,000/- 1. Rs. 2,40,000/- Rs. 25,000/- 2. Rs. 28,75,000/- 2. Rs. 2,87,500/- Rs. 25,000/- 3. Rs. 8,40,000/- 3. Rs. 84,000/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री संतोष कुमार नायक 8056170076
3	वैढ़न	**ऋणी– 1. मेसर्स माँ जगदम्बा स्टोन (प्रोप्रा. श्री नरेश प्रसाद गुप्ता),** ग्राम– करामी, पोस्ट– मकरोहर, तहसील– मादा, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886 **2. श्री नरेश प्रसाद गुप्ता (प्रोप्रा. मेसर्स माँ जगदम्बा स्टोन) पिता श्री खुरचू गुप्ता,** डी.ए.वी. स्कूल के पास, वैढ़न, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886 **3. श्रीमति किरण देवी पत्नि श्री नरेश प्रसाद गुप्ता,** डी.ए.वी. स्कूल के पास, वैढ़न, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886	(1) सम्पत्ति के सभी भू–भाग सम्पत्ति स्वामी– श्री नरेश प्रसाद गुप्ता, स्थित भूमि खसरा नं. 315/673, एरिया– 1.680 हेक्टे., स्थित ग्राम– करामी, पोस्ट– मकरोहर, तहसील– मादा, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886, चतुर्सीमा– उत्तर– सोमारू सिंह की भूमि, दक्षिण– रघुनाथ सिंह की भूमि, पूर्व– भोला सिंह की भूमि, पश्चिम– शंकर सिंह की भूमि। **Property ID No. IDIB50094810413** (2) सम्पत्ति के सभी भू–भाग सम्पत्ति स्वामी– श्री नरेश प्रसाद गुप्ता, भूमि खसरा नं. 126 एवं 127, एरिया 1.690 हेक्टे. ग्राम– करामी, पोस्ट– मकरोहर, तहसील– मादा, जिला– सिंगरौली (म.प्र.)– 486886, चतुर्सीमा– उत्तर– ज्ञान सिंह की भूमि, दक्षिण– म.प्र. शासन की भूमि, पूर्व– बृज कुमार सिंह की भूमि, पश्चिम– शिव बहोरन सिंह की भूमि **Property ID No. IDIB50449393690**	17-06-2022 15-11-2022 Rs. 67,75,048/- + ब्याज 17.06.2022 से एवं अन्य खर्च	Rs. 35,00,000/- Rs. 3,50,000/- Rs. 25,000/- Rs. 32,00,000/- Rs. 3,20,000/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री संतोष कुमार नायक 8056170076
4	न्य कटनी जंक्शन	**ऋणी– 1. मेसर्स एम.पी. टेक्नोलॉजी (प्रोप्रा. श्री पवन कुमार चौधरी),** शॉप नं. 04, गुरूनानक धरम कांटा के पास, बरगवां, जबलपुर रोड, कटनी (म.प्र.)– 483501 **ऋणी/बंधककर्ता– 2. श्री पवन कुमार चौधरी पिता श्री भरत लाल,** तिलक कॉलेज रोड, रफी अहमद किदवई वार्ड, मुड़वारा, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार– 3. श्री भरत लाल,** तिलक कॉलेज रोड, रफी अहमद किदवई वार्ड, मुड़वारा, कटनी (म.प्र.)– 483501	सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी श्री पवन कुमार चौधरी पिता श्री भरत लाल, स्थित खसरा नं. 1511/डी, एरिया 1500 वर्गफुट स्थित मौजा– मुड़वारा, प.ह.नं. 42, राम कृषण परम हंस वार्ड 34, (निर्मल धाम सहयोग ध्यान केन्द्र के बाद), तहसील– मुड़वारा, रा.नि.मं. मुड़वारा, जिला– कटनी। चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रेता की भूमि, दक्षिण– 20 फुट प्रस्तावित रोड, पूर्व– 20 फुट प्रस्तावित रोड, पश्चिम– विक्रेता की भूमि। **Property ID No. IDIB50414902281**	06-09-2022 07-11-2022 Rs. 14,72,877/- + ब्याज 06.09.2022 से एवं अन्य खर्च	Rs. 8,00,000/- Rs. 80,000/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री अविनाश नायक 8250176865
5	सतना मुख्य	**ऋणी/ बंधककर्ता– श्रीमति गीता पाण्डे पत्नि स्व. श्री अशोक पाण्डे,** पताः 1– डिलौरा रोड, गायत्री नगर, गली नं. 04, टिकुरिया टोला, तहसील– रघुराज नगर, सतना– 48001 पताः 2– ग्राम सोनौरा चेक उतेली वार्ड नं. 22, बायपास रोड, तहसील– रघुराज नगर, जिला– सतना– 485001 **ऋणी– 2. श्री अनिल पाण्डे पिता स्व. श्री अशोक कुमार पाण्डे,** पताः 1– डिलौरा रोड, गायत्री नगर, गली नं. 04, टिकुरिया टोला, तहसील– रघुराज नगर, सतना– 48001 पताः 2– ग्राम सोनौरा चेक उतेली वार्ड नं. 22, बायपास रोड, तहसील– रघुराज नगर, जिला– सतना– 485001 **जमानतदार– 3. श्री हरीषचन्द्र सेवानी पिता श्री भुगद मल सेवानी,** गोपाल कॉलोनी के पास, टिकुरिया टोला, सतना– 485001	भूमि एवं बिल्डिंग सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति गीता पाण्डे पत्नि स्व. श्री अशोक कुमार पाण्डे स्थित अराजी नं. 141/2/1/टी, एरिया 0.018 हेक्टे. या 1920 वर्गफुट स्थित ग्राम– सोनौरा चेक उटेली, प.ह.नं. 55, म्युनिसिपल वार्ड नं. 22, बायपास रोड के साईड में , ब्लाक– सोहावाल, तहसील– रघुराज नगर, जिला– सतना, रजिस्ट्रर्ड सेल डीड नं. 2463 दिनांक 01.12.2012, बुक नं. ए–1, वॉल्यूम नं. 7166, पेज नं. 111 से 117) । चतुर्सीमाः उत्तर– प्रस्तावित रोड, दक्षिण– सुरेश तिवारी का प्लाट, पूर्व– चन्द्रशेखर कुशवाहा की बची हुई भूमि, पश्चिम– पटेल जी का प्लाट। **Property ID No. IDIB50170094989**	24-12-2021 09-05-2023 Rs. 11,55,842/- + ब्याज 24.12.2021 से एवं अन्य खर्च	Rs. 12,10,000/- Rs. 1,21,000/- Rs. 10,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री राकेश कुमार यादव 7003426479
6	सतना मुख्य	**ऋणी– 1. मेसर्स राजवीर कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मटेरियल प्रोप्रा. श्रीमति सुभद्रा बदोलिया,** वार्ड नं. 38, डाली बाबा, तहसील– रघुराज नगर, सतना (म.प्र.)– 485001 **बंधककर्ता– 2. श्रीमति सुभद्रा बदोलिया प्रोप्रा. मेसर्स राजवीर कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मटेरियल पत्नि श्री उमेश बदोलिया,** वार्ड नं. 38, डाली बाबा, तहसील– रघुराज नगर, सतना (म.प्र.)– 485001 **जमानतदार– 3. श्री उमेश बदोलिया पिता श्री शिव प्रसाद बदोलिया,** कामता टोला, शिव मंदिर के पास, रघुराज नगर, सतना– 485001 **जमानतदार– 4. श्री रोहिणी प्रसाद त्रिपाठी पिता श्री जगदीश प्रसाद त्रिपाठी,** एल.आई.सी.–सी– 5, आहलूवालिया हाउस के सामने, बांधवगढ़ कॉलोनी, रघुराज नगर (म.प्र.)– 485001	सम्पत्ति के सभी भू–भाग खुली भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति सुभद्रा बदोनिया पत्नि श्री उमेश बदोनिया, स्थित अराजी नं. 893/2/10, एरिया 0.033 हेक्टे. या 3600 वर्गफुट या 334.572 वर्गमीटर स्थित मौजा– डिलोरा, वार्ड नं. 37, प.ह.नं– 78, तहसील– रघुराजनगर, जिला– सतना (सेलडीड नं. **MP348622017A1448316** दिनांक 01.08.2017) । चतुर्सीमाः उत्तर– रमाकांत शुक्ला की बची हुई अराजी, दक्षिण– सुग्रीव मल्लाह की अराजी, पूर्व– अर्द्ध निर्मित प्रस्तावित कच्चा रास्ता, पश्चिम– रमाकांत शुक्ला की बची हुई अराजी। **Property ID No. IDIB50437883420**	01-06-2021 13-10-2021 Rs. 23,09,744/- + ब्याज 01.06.2021 से एवं अन्य खर्च	Rs. 15,15,000/- Rs. 1,51,500/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री राकेश कुमार यादव 7003426479
7	सतना मुख्य	**ऋणी– 1. मेसर्स महामृत्युंजय ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी प्रा.लि.,** 73, ग्राम– चोरहटा, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **2. श्री संगीत कुमार तिवारी (डायरेक्टर) पिता श्री रामसजीवन तिवारी,** ग्राम– चोरहटा, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **3. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद तिवारी (डायरेक्टर) पिता श्री रामसजीवन तिवारी,** ग्राम– चोरहटा, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **4. श्री आशुतोष कुमार तिवारी (डायरेक्टर) पिता श्री नागेश्वर प्रसाद तिवारी,** ग्राम– चोरहटा, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001	सम्पत्ति के सभी भू– भाग सम्पत्ति स्वामी– श्री संगीत कुमार तिवारी पिता श्री रामसजीवन तिवारी, स्थित एन.एच.–7, रिलायंस पेट्रोल पम्प एवं मारूति शोरूम के पास, मौजा– चोरहटी, पटवारी हल्का नं. 29, वार्ड नं. 04, ग्राम– चोरहटा, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा, खसरा नं. 143/3, एरिया– 0.308 हेक्टे. या 33144 वर्गफुट। चतुर्सीमाः उत्तर– अवधेश शुक्ला की भूमि, दक्षिण– एन.एच.– 07 रोड, पूर्व– राम मिलन शुक्ला की भूमि, पश्चिम– शासकीय नाला। **Property ID No. IDIB50389366039**	20-01-2020 25-09-2020 Rs. 3,41,67,207/- + ब्याज 20.01.2020 से एवं अन्य खर्च	Rs. 4,06,00,000/- Rs. 40,60,000/- Rs. 1,00,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री राकेश कुमार यादव 7003426479
8	कटनी मुख्य	**ऋणी/बंधककर्ता– 1. श्रीमति सपना गौतम पत्नि श्री अश्विनी गौतम,** पता– 1. मकान नं.– 109, मेन रोड, ग्राम– पिपरोंदा, कटनी– 483442 पता– 2. मकान नं. ईडब्ल्यूएस– 09, जैन मंदिर के पा, शांति नगर हाऊसिंग बोर्ड, मुड़वारा कटनी– 48350 **सह– ऋणी– 2. श्री अश्विनी गौतम पिता श्री देवता दीन गौतम,** पता– 1. मकान नं.– 109, मेन रोड, ग्राम– पिपरोंदा, कटनी– 483442 पता– 2. मकान नं. ईडब्ल्यूएस– 09, जैन मंदिर के पा, शांति नगर हाऊसिंग बोर्ड, मुड़वारा कटनी– 48350	सम्पत्ति के सभी भू– भाग भूमि एवं बिल्डिंग, सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति सपना गौतम पत्नि श्री अश्विनी गौतम, स्थित खसरा नं 95 एरिया– 0.040 हेक्टे. एवं खसरा नं. 216/3/3, एरिया 0.049 हेक्टे. कुल एरिया 0.089 हेक्टे. या 9678 वर्गफुट स्थित ग्राम– पहाड़ी, एन.बी. 211, प.ह.नं. 49 (नया 57), आर.आई. सर्किल– पहाड़ी, रेल्वे स्टेशन के पास (पूर्व साईड), तहसील एवं जिला– कटनी (म.प्र.) (सेल डीड नं. 2784, बुक नं. ए–1, वॉल्यूम नं. 5459, पेज नं. 103 से 107, दिनांक 25.09.2006), चतुर्सीमा– उत्तर– 20 फुट चौड़ी रोड, दक्षिण– 5 फुट चौड़ी कुलिया (पैसेज), पूर्व– प्लाट नं. 23 की बची हुई भूमि, दालचंद जायसवाल का मकान, पश्चिम– प्लाट नं. 22 एवं 23 की बची हुई भूमि, सुभद्रा देवी जैन का मकान। **Property ID No. IDIB50419774456**	31-01-2023 12-05-2023 Rs. 32,15,471/- + ब्याज 31.01.2023 से एवं अन्य खर्च	Rs. 29,20,000/- Rs. 2,92,000/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री संतोष कुमार नायक 8056170076
9	कटनी मुड़वारा	**ऋणी/बंधककर्ता– 1. श्री महेन्द्र पाल गडारी पिता श्री रूपलाल गडारी,** वार्ड नं. 45, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, अमीरगंज, मुड़वारा, कटनी– 483501 **सह– ऋणी– 2. श्रीमति रेनूका पत्नि श्री महेन्द्र पाल गडारी,** वार्ड नं. 45, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, अमीरगंज, मुड़वारा, कटनी– 483501	सम्पत्ति के सभी भू– भाग भूमि एवं बिल्डिंग सम्पत्ति स्वामी– श्री महेन्द्र पाल गडारी, स्थित डायवर्टेड खसरा नं. 501/3, एरिया 2000 वर्गफुट स्थित मौजा– इमलिया, एन.बी.– 36, प.ह.नं– 34, आर.आई. सर्किल– पहाडी, तहसील एवं जिला– कटनी (रजिस्ट्रर्ड सेल **MP208052021A1026999** डीड नं. दिनांक 08/01/2021)। चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण– प्रस्तावित कच्चा रास्ता, पूर्व– खसरा नं. 501/1 की भूमि, पश्चिम– विक्रेता की शेष भूमि। **Property ID No. IDIB58004837342**	15-03-2023 20-09-2023 Rs. 21,64,550/- + ब्याज 15.03.2023 से एवं अन्य खर्च	Rs. 16,04,000/- Rs. 1,60,400/- Rs. 10,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री अविनाश नायक 8250176865
10	कटनी मुड़वारा	**ऋणी– 1. मेसर्स प्रबल फार्मा (प्रोप. श्री जितेन्द्र सिंह तिवारी),** गंगा प्लायवुड के पीछे, प्रथम तल, हीरागंज, कटनी **प्रोप्राइटर/ बंधककर्ता– 2. श्री जितेन्द्र सिंह तिवारी पिता लक्ष्मण सिंह,** मकान नं. 526, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड नं. 03, कुठला, जिला– कटनी	सम्पत्ति के सभी भू–भाग आवासीय मकान, सम्पत्ति स्वामी– श्री जितेन्द्र सिंह तिवारी पिता श्री लक्ष्मण सिंह तिवारी, स्थित कुठला, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड नं. 3, पटवारी हल्का नं. 40/50, न.बं. 363, खसरा नं. 84/48, एरिया– 616 वर्गफुट, कटनी। चतुर्सीमाः उत्तर– रास्ता, दक्षिण– डॉ. जैन का मकान, पूर्व– प्रस्तावित कच्चा रास्ता, पश्चिम– श्री लक्ष्मण सिंह तिवारी का मकान। **Property ID No. IDIB50437430730**	07-12-2020 01-03-2021 Rs. 21,16,176/- + ब्याज 07.12.2020 से एवं अन्य खर्च	Rs. 21,47,000/- Rs. 2,14,700/- Rs. 25,000/- दि. 14–12–2023 सुबह 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे तक	श्री अविनाश नायक 8250176865

ई– नीलामी की दिनांक एवं समय– 14/12/2023, सुबह 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक,
ई– नीलामी प्लेटफार्म https:ibapi.in and https://www.mstcecommerce.com, https://indianbank.in पर सम्पन्न होगी

नोट– यह सूचना उपरोक्त ऋण के कर्जदार/गारंटरों /बंधककर्ताओं को उपरिवर्णित तिथि को इस बिक्री के आयोजन और अन्य विवरण के बारे में नोटिस भी है।

दिनांकः 21/11/2023, स्थान– आंचलिक कार्यालयः द्वितीय तल,
बैंक बिल्डिंग, जय स्तम्भ चौक, सतना (म.प्र.)

प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

नई दिल्ली। आईसीसी ने वर्ल्ड कप 2023 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है। इस टीम में दमदार प्रदर्शन करने वाले छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है, जिसमें भारत के कप्तान रोहित शर्मा, करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी का नाम भी शामिल है।

टूर्नामेंट में भारत उपविजेता रहा। अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट की हार के साथ उसकी दस मैचों की अजेय जीत का सिलसिला समाप्त होने के बाद टीम के छह खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाई। जिसमें अग्रणी रन–स्कोरर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट कोहली के साथ–साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शमी भी शामिल हैं। 50 ओवर के विश्व कप में लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाने वाले रोहित शर्मा ने भारत के लिए शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए, जहां उन्होंने सिर्फ 84 गेंदों में 131 रनों की तूफानी पारी खेलकर अजेय रहे।

विराट कोहली टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। राहुल ने पूरे टूर्नामेंट में कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जैसे चेन्नई में नाबाद 97 रन और साथ ही बेंगलुरु में अपने घरेलू मैदान पर नीदरलैंड पर नियमित जीत में शतक। उन्होंने फाइनल में भारत के लिए सर्वाधिक 66 रन बनाए। लेकिन, इस बार अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। जडेजा ने भी गेंद से प्रभावित किया। शमी को भारत की प्लेइंग–11 में देर से शामिल किया गया, लेकिन उसके बाद उन्होंने बड़ा प्रभाव छोड़ा। न्यूजीलैंड पर सेमीफाइनल में सात विकेट लेने की सफलता के बाद उन्होंने विश्व कप नॉकआउट खेल में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। न्यूजीलैंड (5/54) और श्रीलंका (5/18) के खिलाफ शानदार प्रदर्शन ने शमी को विकेट चार्ट में शीर्ष पर पहुंचाने में मदद की। रोहित की तरह ही बुमराह को लगातार दूसरे विश्व कप में 20 विकेट लेने के बाद शामिल किया गया है। जो 2019 में उनके टैली से दो अधिक है। नई गेंद से खतरा पैदा करने वाले बुमराह ने भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श और स्टीवन स्मिथ के शुरुआती विकेट चटकाए। टूर्नामेंट की टीम में अन्य खिलाड़ियों में ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और लेग स्पिनर एडम ज़म्पा शामिल हैं, जिन्होंने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को छठा विश्व कप खिताब दिलाने में मदद की।

खराब फील्डिंग और बल्लेबाजी बनी भारत की दुश्मन

अहमदाबाद। भारत रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में घरेलू मैदान पर दो पुरुष वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाला एकमात्र देश बनने का सुनहरा मौका चूक गया। पूरा देश जिस जीत की उम्मीद कर रहा था, वो एक दर्दनाक हार में बदल गई। भारतीय खिलाड़ियों के आंखों में जो आंसू खुशी के देखने थे, वो गम के दिखे क्योंकि कंगारूओं ने फाइनल मुकाबले में बाजी मारी और भारत का ट्रॉफी जीतने का सपना तोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे सफल खिलाड़ी ट्रैविस हेड (137) रहे, जिन्होंने अपनी शतकीय पारी के दम पर भारत की हार की कहानी लिखी। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने भारतीय गेंदबाजों को खूब छकाया। इस मुकाबले में चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से रोहित एंड कंपनी पर हावी थी। वहीं, भारतीय टीम पिछड़ती नजर आई। बहुत धीमी और मुश्किल पिच पर पहले बल्लेबाजी करने से भारत पहले ही बैकफुट पर आ गया था। बड़ी मुश्किल से भारत ने 240 का लक्ष्य सेट किया। मगर, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती झटके लगने के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया। भारत, जिसने लगातार दस जीत के साथ विश्व कप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। ऐसा लग रहा था कि वह पूरी तरह तैयार था। कोच द्रविड़ ने स्वीकार किया कि टीम मजबूत स्कोर से 30–40 रन पीछे रह गई। वैसे तो वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार से पूरी टीम इंडिया पर दुखों का पहाड़ टूटा है। लेकिन, कप्तान रोहित शर्मा का हाल सबसे बुरा है।

सुडोकू 6382 का हल

7	8	1	6	3	9	4	5	2
4	5	6	8	1	2	3	7	9
3	2	9	4	7	5	6	1	8
5	1	3	9	2	8	7	6	4
8	6	2	1	4	7	9	3	5
9	7	4	5	6	3	2	8	1
1	9	7	2	8	6	5	4	3
2	3	8	7	5	4	1	9	6
6	4	5	3	9	1	8	2	7

SENSEX	BSE	65655.15 ▼ 139.58	19694. 00 ▼ 37.80	MCX	Gold 60520 ▼ 193	silver 72243 ▼ 897

देशबन्धु

अर्थ जगत

रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को नौ पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.35 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोषों की सतत निकासी ने स्थानीय मुद्रा की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में यह 83.35 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट है।

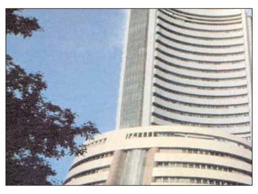

जीडीपी वृद्धि दर 2024 में मामूली घटकर 6.3 प्रतिशत रहेगी : गोल्डमैन

मुंबई। भारत की वास्तविक वैश्विक घरेलू उत्पाद वृद्धि दर अगले साल मामूली गिरावट के साथ 6.3 प्रतिशत रहेगी। अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने सोमवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। उसने कहा कि अगला कैलेंडर साल दो हिस्सों का होगा, जिसमें आगामी आम चुनाव से पहले सरकारी खर्च वृद्धि का मुख्य चालक होगा, जबकि चुनाव के बाद यह निवेश वृद्धि में खासकर निजी क्षेत्र से फिर से तेजी लाएगा। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर के चालू वित्त वर्ष में अनुमानित 6.2 प्रतिशत से बढ़कर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा, इस क्षेत्र में भारत में संरचनात्मक वृद्धि की सबसे अच्छी संभावनाएं हैं। हमारा मानना है कि 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर मजबूत रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि देश वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों, डॉलर की लगातार मजबूती और भू-राजनीतिक अनिश्चित-ताओं जैसे संभावित बाहरी झटकों के प्रति कम 'संवेदनशील है। ब्रोकरेज ने कहा कि वृद्धि परिदृश्य को लेकर जोखिम समान रूप से संतुलित हैं लेकिन मुख्य घरेलू जोखिम राजनीतिक अनिश्चितता से उत्पन्न हो रहा है, क्योंकि 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में आम चुनाव होने वाले हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल और महंगा होने की आशंका

__नई दिल्ली।__ घरेलू बाजार में चावल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, केंद्र सरकार ने पिछले कुछ महीनों में कई कदम उठाए हैं। इनमें टूटे चावल के निर्यात पर निर्यात शुल्क लगाना और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। इन कदमों का असर हुआ है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतें बढ़ रही हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। भारत दुनिया में 40 फीसदी से अधिक चावल का निर्यात करता है। अब खबर है कि भारत सरकार इन प्रतिबंधों को अगले साल तक बढ़ाने पर विचार कर रही है। इससे अक्टूबर 2023 में पिछले साल के मुकाबले चावल के दाम 24 फीसदी तक बढ़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चावल के दाम बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 में पिछले साल के मुकाबले चावल के दाम 24 फीसदी तक बढ़ गए हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। भारत दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक चावल का निर्यात करता है। सरकार का कहना है कि इन प्रतिबंधों से घरेलू बाजार में चावल की उपलब्धता और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्रतिबंधों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतों में वृद्धि होगी और इससे गरीब देशों के लोगों को परेशानी हो सकती है। इन बढ़ती कीमतों का कारण खराब मौसम और कम बारिश है। इन कारणों से इस साल चावल का उत्पादन कम हुआ है, जिससे मांग में वृद्धि हुई है और दाम बढ़ गए हैं।

असम चावल अनुसंधान संस्थान विकसित कर रहा उच्च उपज देने वाला सुगंधित जोहा

असम। असम अपना शताब्दी वर्ष मना रहा एक चावल अनुसंधान संस्थान असम के प्रसिद्ध सुगंधित जोहा का एक उच्च उपज देने वाला प्रीमियम गुणवत्ता वाला संस्करण विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। संस्थान द्वारा विकसित चावल की किस्मों में मधुमेह रोगियों के अनुकूल बैंगनी चावल की किस्म भी शामिल है। जोरहाट से लगभग 20 किमी दूर असम चावल अनुसंधान संस्थान (एआरआरआई) की शुरुआत 1923 में राज्य की ब्रह्मपुत्र घाटी के किसानों की समस्याओं को पूरा करने के लिए एक चावल प्रायोगिक स्टेशन के रूप में हुई थी। संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से राज्य में चावल के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान 1969 में चावल अनुसंधान स्टेशन के रूप में असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू) के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गया। इस साल 27 जनवरी को इसका नाम असम कृषि विश्वविद्यालय-असम चावल अनुसंधान संस्थान (एएयू-एआरआरआई) रख दिया गया। एएयू-एआरआरआई के मुख्य वैज्ञानिक संजय कुमार चेतिया ने कहा कि संस्थान अब जरूरत आधारित कृषि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

31 दिसंबर से नहीं कर सकेंगे ऑनलाइन भुगतान! बंद होंगी ये यूपीआई आईडी

__नई दिल्ली।__ डिजिटल पेमेंट्स की दुनिया में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस ने पेमेंट को काफी आसान बना दिया है। यही कारण है कि लोग बढ़-चढ़ कर यूपीआई पेमेंट मोड अपना रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में करीब हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है। लेकिन अब यूपीआई यूजर्स के लिए एक बड़ी खबर है। एनपीसीआई कई यूपीआई आईडी को बंद कर सकती है। इसके पीछे वजह एनपीसीआई की नई गाइडलाइन, कई सारे यूपीआई होल्डर्स दिसंबर के बाद अपनी आईडी से पेमेंट नहीं कर पाएंगे।

कौन सी यूपीआई आईडी होंगी बंद

एनपीसीआई ने गूगल पे, पेटीएम और फोन पे को एक सर्कुलर जारी करते हुए कहा है कि जो यूपीआई आईडी एक साल से एक्टिवेट नहीं है यानि जिन यूजर्स ने एक साल से अपनी किसी यूपीआई आईडी से लेनदेन नहीं किया है, तो उसे 31 दिसंबर 2023 के बाद बंद कर दिया जाएगा। एनपीसीआई एक सरकारी संस्था है जो देश में रिटेल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम देखती है। एनपीसीआई ही यूपीआई पेमेंट सिस्टम को रेगुलेट करता है।

क्यों आई नई गाइडलाइन?

नई गाइडलाइन के बारे में एनपीसीआई ने कहा कि ऐसा फैसला करने के पीछे कारण ये है

कि इनएक्टिव यूपीआई आईडी की समस्या बढ़ रही है। यूपीआई आईडी फोन नंबर से लिंक होती है और बहुत से यूजर्स अपना फोन नंबर बदलते हैं, लेकिन अपनी आईडी बंद नहीं करते। बाद में वो मोबाइल नंबर किसी और को अलॉट किया जाता है, तो इनकरेक्ट पेमेंट की समस्या खड़ी होती है।

ऐसे में इनएक्टिव आईडी होने से ट्रांसफर किसी और यूजर को जा सकता है। कहा जा रहा है कि इस फैसले का असर सबसे ज्यादा प्रीपेड नंबर यूज करने वालों पर होगा, क्योंकि अधिकतर वही अपना नंबर ज्यादा चेंज करते हैं, पोस्टपेड वालों की संख्या कम होगी।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 140 अंक टूटा

__मुंबई।__ मुंबई स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 140 अंक टूट गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच वाहन, जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी कंपनियों और जिंस शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 139.58 यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,655.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 246.93 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 37.80 अंक यानी 0.19 प्रतिशत फिसलकर 19,694 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में भारती एयरटेल, विप्रो, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और मारुति शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को लाभ में रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81.21 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 477.76 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

अल नीनो से गन्ने की फसल प्रभावित होने से दुनिया भर में चीनी की कीमतें तेज

__नई दिल्ली।__ चीनी की आसमान छूती कीमतों के कारण विकासशील देशों में लोगों को गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीनों में चीनी के दाम 55 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। दुनिया भर में चीनी के भाव 2011 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर हैं दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े निर्यातक देश भारत और थाईलैंड में असामान्य रूप से शुष्क मौसम के कारण गन्ने की फसल को नुकसान होने से चीनी की वैश्विक आपूर्ति कम हुई है।

यह उन विकासशील देशों के लिए एक नया झटका है, जो पहले ही चावल जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों की कमी से जूझ रहे हैं। इस वजह से खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ गई है। प्राकृतिक रूप से हो रही जलवायु परिघटना अल नीनो, यूक्रेन में युद्ध और कमजोर मुद्राओं के कारण खाद्य असुरक्षा बढ़ी है। पश्चिमी दुनिया के अमीर देश ऊंची लागत को वहन कर सकते हैं, लेकिन गरीब देशों में लोगों को आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि 2023-24 सत्र में चीनी का वैश्विक उत्पादन दो प्रतिशत तक कम रह सकता है। एफएओ के वैश्विक कमोडिटी बाजार शोधकर्ता फैबियो पाल्मेरी ने कहा कि ऐसा होने पर वैश्विक चीनी उत्पादन में करीब लगभग 35 लाख टन की गिरावट आ जाएगी। एथनॉल जैसे जैव ईंधन के लिए भी चीनी का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है, इसलिए चीनी का वैश्विक भंडार 2009 के बाद से सबसे कम है। ब्राजील चीनी का सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन इसकी पैदावार 2024 के अंत में ही कमियों को दूर करने में मदद करेगी। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) का मानना है कि इस साल भारत के चीनी उत्पादन में आठ प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। भारत चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और अब वहां चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

थाईलैंड शुगर प्लांटर्स एसोसिएशन के नेता नाराधिप अनंतसुक ने कहा कि उनके देश में अल नीनो प्रभाव से न केवल गन्ने की मात्रा में कमी आई है, बल्कि फसल की गुणवत्ता में भी बदलाव हुआ है।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एकस्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62000 चांदी रिफाइन - 74500

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62000 चांदी रिफाइन - 74500

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83. 34
एक यूरो	91. 08
एक ब्रिटिश पाउंड	103 . 95
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54. 57
एक जापानी येन	00. 56

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6700, 6 एम एम 6700, 8 एम एम 6200, 10 एम एम 6050,12 एम एम, 6000 एवं 16 एम 6000 रु.। तार- 75 रु. किलो।

विश्व कप फाइनल मैच से एयर ट्रैफिक में शानदार उछाल, एक दिन में 4.6 लाख लोगों ने भरी उड़ान

__नई दिल्ली।__ क्रिकेट विश्व कप फाइनल ने वह किया जो इस साल दिवाली नहीं कर सकी। फाइनल मैच से पहले एयर ट्रैफिक में शानदार उछाल आया। दिवाली में भी इतने मुसाफिरों ने हवाई यात्रा नहीं किया था। फाइनल से पहले शनिवार को लगभग 4.6 लाख मुसाफिरों ने घरेलू हवाई यात्रा की। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस दिवाली सीजन में दैनिक हवाई मुसाफिरों की संख्या कम रही। एक दिन में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या 4 लाख नहीं पहुंच पाई थी।

विश्व कप फाइनल से बना रिकॉर्ड- मुंबई एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने अब तक के सबसे अधिक एक दिवसीय ट्रैफिक को संभाला। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को ट्वीट किया था, एक ऐतिहासिक उपलब्धि! मुंबई एयरपोर्ट का नया माइलस्टोन- एक सिंगल रनवे एयरपोर्ट ने एक दिन (18 नवंबर को) में रिकॉर्ड-ब्रेकिंग 1,61,760 यात्रियों को सेवाएं दी हैं। यह उछाल ऐसे समय आया, जब घरेलू हवाई यात्रा कम बनी हुई थी। एक फेस्टिव सीजन के लिए यह बहुत ही असामान्य बात है। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को ट्वीट किया, भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक माइलस्टोन है। 18 नवंबर को हमने 4,56,748 घरेलू यात्रियों के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

दिवाली में किराया बढ़ाया तो घट गए मुसाफिर- विश्व कप फाइनल से पहले हवाई सफर में उछाल आया लेकिन दिवाली सीजन में हवाई मुसाफिरों की संख्या में कमी आई थी। इसके पीछे की वजह एयरलाइंस को माना जा रहा था। एयरलाइंस ने दिवाली से एक महीने पहले ही एडवांस किराया काफी बढ़ा दिया था। इसकी वजह से मुसाफिरों ने ट्रेन से सफर करना ज्यादा बेहतर समझा। एयरलाइंस को किराया बढ़ाना महंगा पड़ गया। एयरलाइंस ने सितंबर के आखिरी हफ्ते से ही एडवांस बुकिंग का फेयर बढ़ाना शुरू कर दिया था लेकिन कंपनियों का दाव उल्टा पड़ गया। लोगों ने प्लेन की जगह ट्रेनों में सफर करना बेहतर समझा।

त्यौहारी सीजन में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

__नई दिल्ली।__ इस साल ओणम से शुरू फेस्टिव सीजन भाई दूज पर खत्म हो चुका है। भारतीयों ने इस बार फेस्टिव सीजन में कार की रिकॉर्ड खरीदारी की है। ऑटोमोबाइल उद्योग के मुताबिक फेस्टिव सीजन में औसतन एक मिनट में 9 कार बेची गई है। इस साल 90 दिन के फेस्टिवल सीजन में भारत में कुल 11.4 लाख कार बिकी हैं। अगर उद्योग जगत के रेवेन्यू की बात करें तो 11.4 लाख कार की बिक्री से ऑटोमोबाइल उद्योग जगत ने 1.3 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू अर्न किया है।

एसयूवी का जबरदस्त क्रेज- इस साल के त्योहारी सीजन में प्रीमियम और हाई एंड कारों की बिक्री अधिक हुई है, इसलिए ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का रेवेन्यू जोरदार रहा है। इस साल के त्योहारी सीजन में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल का लोगों में जबरदस्त क्रेज रहा है। अगर 90 दिन के त्योहारी सीजन की बात करें तो रोजाना करीब 13000 यूनिट कारों की बिक्री हुई है।

बिक्री का आंकड़ा 11.4 लाख पार- कोरोना संकट के दौर में कारों के उत्पादन पर असर पड़ने और उसके बाद ग्राहकों की मजबूत मांग की वजह से इस साल फेस्टिव सीजन में कारों की बिक्री का आंकड़ा 11.4 लाख को पार कर गया है। पिछले साल के त्योहारी सीजन में ऑटोमोबाइल कंपनी ने 85,700 करोड़ रुपए की कारें बेची थी। पिछले 2 साल से त्योहारी सीजन में भारत में कारों की जमकर बिक्री हो रही है।

नए फीचर की मांग अधिक- भारत की युवा आबादी में नए फीचर और आधुनिक सुविधाओं वाली कार की डिमांड बढ़ रही है। अगर भारत में त्योहारी सीजन में बिकने वाली कारों की औसत कीमत की बात करें तो यह इस साल 11.5 लाख रुपए प्रति कार रही है, पिछले साल यह 10.5 लाख रुपए प्रति कार थी।

पिछले सालों की बिक्री- उद्योग जगत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। ऑटोमोबाइल कंपनियां हालांकि आने वाले समय में कारों की मांग की ग्रोथ रेट में कमजोरी की आशंका से चिंतित हैं। साल 2016 के फेस्टिवल सीजन में 77 दिनों में 7.6 लाख कार बिकी थी जबकि साल 2017 में फेस्टिव सीजन के 66 दिनों में 7 लाख कारें बिकी थी।

पहले के सभी रिकॉर्ड टूटे- साल 2018 में फेस्टिव सीजन 85 दिन का था और इसमें 8.3 लाख कार बिकी थी। साल 2019 के फेस्टिवल सीजन में 74 दिन थे और इस समय 6.8 लाख कारों की बिक्री हुई थी। साल 2020 में फेस्टिव सीजन 92 दिनों का था और इसमें 9.3 लाख कार बिकी थी जबकि साल 2021 में फेस्टिव सीजन 82 दिनों का था और इसमें 7.5 लाख कार बिकी थी।

सोना में आशिंक गिरावट, चांदी भी गिरी

नयी दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 61,770 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था।

चांदी की कीमत भी 300 रुपये के नुकसान के साथ 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। व्यापारियों की मुनाफावसूली से सोने की कीमतों में गिरावट आई, जबकि पिछले सप्ताह कीमत में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई थी। नरम आर्थिक आंकड़ों के बाद यह उम्मीद बढ़ी है कि फेडरल रिजर्व का आक्रामक मौद्रिक नीति अभियान समाप्त हो जाएगा। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत गिरावट के साथ 1,978 डॉलर प्रति औंस रह गई। चांदी भी गिरावट के साथ 23.55 डॉलर प्रति औंस रह गई।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.-9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।

देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

आवश्यकता

शिक्षित एवं बेरोजगार परमानेंट जॉब- 10 लड़के एवं 10 लड़कियां की जरुरत है। 5वीं से 12वीं पास तक वेतन 3 हजार से 10 हजार तक
पता- शारदा मंदिर बरेला हरि ऊँ किराना के बाजू में
मो.नं. 9174547445

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

सिवनी में भीषण हादसा, ट्रक में घुसी बाइक, तीन लोगों की मौत

जबलपुर आ रहे थे मोटर साईकल सवार

सिवनी/जबलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-44 में छपारा थाना अंतर्गत सादक सिवनी से छपाराकला के बीच अग्रवाल वेयर हाउस के सामने फोरलेन सड़क पर सोमवार दोपहर करीब एक बजे भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे में जाम लग गया।

घटना की जानकारी देते हुये पुलिस ने बताया कि मृतक बाइक सवार सिवनी से जबलपुर की ओर जा रहे थे, जबकि विपरीत दिशा से ट्रक वाहन आ रहा था। फोरलेन में डिवाइडर के एक ओर सड़क रिन्यूवल का कार्य चल रहा था। इसलिए वाहनों की आवाजाही डिवाइडर के एक तरफ (वनवे) से हो रही है।

तेज रफ्तार ट्रक को नहीं देख पाए- संभवत: बाइक सवार सामने आ रहे तेज रफ्तार ट्रक को नहीं देख पाए और सीधे ट्रक के अगले हिस्से में जा घुसे, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे में जाम लग गया। सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग वाहन मौके पर पहुंचा और मृतकों के शव को फोरलेन से हटाकर वाहनों का आवागमन प्रारंभ किया गया। जानकारी के अनुसार आधार कार्ड से मृतकों की पहचान की जा रही है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

देश की पहली किन्नर पूर्व विधायक के खिलाफ एफआइआर दर्ज

अनूपपुर, देशबन्धु। देश की पहली किन्नर विधायक शबनम मौसी के खिलाफ अनूपपुर की कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शबनम मौसी ने आचार संहिता के दौरान अपनी पिस्टल को थाने में जमा नहीं किया था, जिसके कारण पुलिस ने धारा-188 एवं 29, 30 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अभी हाल ही में दो ऑटो चालकों से बीच चौराहे पर मारपीट करने पर भी मामला दर्ज हुआ था।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में आचार संहिता लगने के बाद अनूपपुर पुलिस ने शस्त्रधारियों को अपने-अपने शस्त्र जमा करने के लिए नोटिस जारी किया था। उसके बाद सभी शस्त्रधारियों ने अपने-अपने शस्त्र नजदीकी थानों में जमा कर दिए थे। वहीं, शबनम मौसी पूर्व विधायक जिनके पास शस्त्र के रूप में पिस्टल था। पिस्टल को जमा करने के लिए नोटिस दिया गया था। यह नोटिस कई बार दी जा चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने लापरवाही बरतते हुए जमा नहीं कराया, जिसको लेकर थाना कोतवाली अनूपपुर में शबनम मौसी के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

सिविल जज भर्ती नियमों को चुनौती वाले मामले में अगले सप्ताह होगी सुनवाई

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल जज भर्ती नियमों को चुनौती देने वाले मामले में अगले सप्ताह सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने उक्त व्यवस्था दी है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि हाईकोर्ट ने सिविल जज के 138 पदों पर भर्ती के लिए असंवैधानिक नियमों के तहत विज्ञापन जारी कर दिया है। बावजूद इसके कि इन नियमों की संवैधानिकता को वर्षा पटेल के जरिए पूर्व में ही चुनौती दी जा चुकी थी। हाईकोर्ट नियम के अनुरूप उस याचिका की सुनवाई दायर होने के दिन से पांच दिन के भीतर अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए थी। लेकिन अब तक डिफॉल्ट तक दूर करने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं की गई है। जबकि याचिकाकर्ता सुनवाई के लिए विभिन्न तारीखों पर मेंशन मेमो प्रस्तुत कर चुका है। यहां तक कि अर्जेंट हियरिंग की मांग तक रखी गई। तीन बार मुख्य न्यायाधीश से नियमानुसार मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की प्रार्थना की गई। इसी कड़ी में चौथी बार सोमवार को निवेदन किया गया। इस दौरान अवगत कराया गया कि हाईकोर्ट में अवकाशकाल के दौरान 17 नवंबबर 2023 को सिविल जज भर्ती की अधिसूचना जारी हो चुकी है। यदि याचिका की सुनवाई शीघ्र नहीं होती तो याचिका सारहीन हो जायेगी। जिसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने आगामी सप्ताह में सुनवाई की व्यवस्था दी।

महाप्रबंधक ने कोटा मंडल के स्टेशनों के कार्यों का किया निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय नें मण्डल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के साथ 20 नवम्बर को मंडल के कोटा-नागदा रेल खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि पमरे महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण के पश्चात कोटा मंडल का उनका प्रथम निरीक्षण दौरा है।

मंडल में कोटा एवं डकनिया तलाव स्टेशन का विश्वस्तरीय तर्ज पर पुनर्विकास कार्य क्रमश: 207.20 करोड़ एवं 111.18 करोड़ की लागत से तीव्रता के साथ किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मंडल के 17 स्टेशनों का कायाकल्प कुल 356.85 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। जिसमें सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भवानी मंडी, बारां, छबरा गुगोर, झालावाड सिटी, चौमहला, शामगढ़, मांडलगढ, भरतपुर, बयाना, श्रीमहावीरजी, हिंडौन सिटी, रामगंजमंडी, बून्दी, विक्रमगढ़ आलोट एवं गरोठ स्टेशन शामिल है। पमरे के जीएम ने कोटा एवं डकनिया तलाव सहित कोटा-नागदा खण्ड के रामगंज मंडी, शामगढ़ तथा विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यो की प्रगति का निरीक्षण किया। उल्लेखित है कि रामगंज मंडी में 27.78 करोड़, शामगढ़ में 21.55 करोड़ एवं विक्रमगढ़ आलोट में 18.92 करोड़ की लागत से कार्य किया जा रहा जीएम ने रामगंज मंडी स्टेशन पर मिशन रफ़्तार 160केएमपीएच प्रोजेक्ट के अंतर्गत तैयार किए गए 25 केव्ही के टीएसएस एवं 40 मीटर ऊँचे कवच टावर का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने उक्त स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के मॉडल एवं ले-आउट प्लान के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। इस दौरान महाप्रबंधक के साथ मंडल रेल प्रबंधक, कोटा मनीष तिवारी, प्रमुख मुख्य इंजीनियर अरविन्द कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर धर्मवीर मीना, सीपीएम/गति शक्ति यूनिट सचिन शुक्ला सहित मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

नौवीं से लेकर बारहवीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षा की तिथि तय

तैयारी के लिये सिर्फ मिलेंगे 15 दिन

जबलपुर, देशबन्धु। कक्षा नौंवी एवं ग्वारहवीं की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 6 दिसंबर से शुरू हो रही हैं और स्कूलों में 50 प्रतिशत पढ़ाई भी अभी तक पूरी नहीं पायी है।

इस बार विधानसभा चुनाव से लेकर ट्रांसफर एवं वरिष्ठता सूची जारी होने जैसे कई कारण सामने आए हैं। कक्षा नौवीं एवं ग्वारहवीं की अर्धवार्षिक परीक्षा में अब सिर्फ 15 से 17 दिन बचे हैं। इस बार अगस्त से लेकर नवंबर तक विभाग में विभिन्न कार्यों के चलते उथल-पुथल चलती रही। सबसे पहले वरिष्ठता सूची जारी हुई। इस वरिष्ठता सूची के चलते कई शिक्षक इधर से उधर हुए और फिर स्थानांतरण सूची जारी की गई और इसके बाद दीपावली का अवकाश आ गया और चुनाव की ट्रेनिंग भी

विधानसभा चुनाव 17 नवंबर करे निपटे हैं। अब 20 नवंबर से ही स्कूल ठीक ढंग से लगा पाएंगे। अब अर्धवार्षिक परीक्षा में मात्र 15 दिन बचेंगे। इन 15 दिनों में मतगणना भी होनी है और इसमें भी शिक्षकों को लगाया जाएगा।

ऐसे में कक्षा 9वीं और ग्वारहवीं तक के विद्यार्थियों की पढ़ाई काफी प्रभावित हुई है। छह दिसंबर से शुरू होने वाली है। अर्धवार्षिक परीक्षा 16 दिसंबर तक चलेंगी और इसके बाद 10वीं और 12वीं की प्रायोगिक परीक्षा भी होनी है। चुनाव एवं विभिन्न कार्यों के चलते इस बार पढ़ाई बहुत प्रभावित हुई है। अब परिणाम कैसा आएगा ये चिंता का विषय बन गया है।

पाइप लाइन फूटने से जमीन से उठा 50 फीट ऊंचा फव्वारा

लाखों गैलन पानी हुआ बर्बाद

दमोह, देशबन्धु। दमोह शहर से लगे इमलाई तिराहे पर मुश्की बाबा के समीप सोमवार को पानी की पाइप लाइन फूट गई। इस लाइन के फूटने के साथ ही जमीन से 50 फीट ऊंचा फव्वारा उठने लगा, जिससे लाखों गैलन पानी बर्बाद हो गया। बड़ी संख्या में लोग इस फव्वारे को देखने पहुंचे और इस तरह के नजारे को अपने-अपने मोबाइल में कैद कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

उल्लेखनीय है कि मुश्की बाबा के समीप नगर पालिका द्वारा संचालित पानी की टंकी को भरने वाली मेन लाइन सुबह करीब 10 बजे अचानक फूट गई। लाइन फूटने के साथ ही इस लाइन से पानी का फव्वारा उठने लगा, जो इतना ऊंचा था कि पानी की टंकी भी नहीं दिखाई दे रही थी। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका को सूचित किया और करीब 11 बजे तक कोई भी कर्मचारी यहां सुधार करने नहीं पहुंचा और लाखों गैलन पानी इसी तरह सड़कों पर बह गया। वहीं, लोगों की भीड़ इस फव्वारे को देखने के लिए एकित्रत हो गई। यहीं से पथरिया मार्ग गुजरता है, इसलिए पथरिया जाने वाले लोग भी यहां रूककर इस नजारे को देखने लगे। वहीं, वाहनों की आवाजाही थम गई। क्योंकि पानी पूरी सड़क पर गिर रहा था और जैसे ही कोई व्यक्ति वहां से निकलता वह पूरा गीला हो जाता था। इसलिए लोगों ने एक ओर खड़े होना ही उचित समझा। नगर पालिका कर्मचारियों ने लाइन को बंद किया, तब जाकर यह फव्वारा बंद हुआ और आवाजाही शुरू हुई।

नर्मदा एक्सप्रेस, अंबिकापुर-जबलपुर ट्रेन सहित कई ट्रेनें 25 नवंबर से 4 दिसंबर तक बंद

बिलासपुर, देशबन्धु। रेल्वे अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत चंदिया रोड स्टेशन प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग के तहत तीसरी लाइन कनेक्टिविटी का कार्य 25 नवंबर से 4 दिसम्बर तक किया जाएगा। उमारिया से गुजरने वाली कई यात्री गाड़ियों का परिचालन पूरी तरह से बंद किया गया है।

रद्द होने वाली गाडियों में गाड़ी संख्या 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल एवं गाड़ी संख्या 08270 चंदिया रोड-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक रह रहेगी। गाड़ी संख्या 18231 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस एवं गाडी संख्या 18233 इंदौर बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस 23 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक रहेगी।

गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर भोपाल एक्सप्रेस एवं गाडी संख्या 18235 भोपाल बिलासपुर एक्सप्रेस 24 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 11265 जबलपुर अम्बिकापुर एक्सप्रेस 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक एवं गाडी संख्या 11266 अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस 25 नवम्बर से 05 दिसम्बर तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18217 बिलासपुर रीवा एक्सप्रेस 23 नवम्बर से 1 दिसम्बर एवं 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक गाड़ी संख्या 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस 30 नवम्बर व 7 दिसम्बर, गाड़ी संख्या 18206 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस 2 दिसम्बर व 09 दिसम्बर को रद्द रहेगी।

गाड़ी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस, 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर एवं गाडी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक रह रहेगी।

गाड़ी संख्या 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 11201 नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस 21 नवम्बर से 4 दिसम्बर एवं गाड़ी संख्या 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक रद्द रहेगी।

नर्मदा नदी के संबंध में गाईड लाईन पेश करने सरकार को मोहलत

अवैध निर्माणों को लेकर दायर की गई याचिकाएं

जबलपुर, देशबन्धु। नर्मदा नदी के तीन सौ मीटर के दायरे में हुए अवैध निर्माण को चुनौती देने वाले मामले में सोमवार को सुनवाई बढ़ गई। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ के समक्ष सुनवाई दौरान सरकार की ओर से रिपोर्ट पेश करने समय का आग्रह किया गया। जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने मामले की सुनवाई फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में निर्धारित की है।

उल्लेखनीय है कि दयोदय सेवा केन्द्र द्वारा नर्मदा नदी के तीन सौ मीटर दायरे में अवैध रूप से निर्माण कार्य किये जाने का आरोप लगाते हुए मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

वहीं पूर्व मंत्री व भाजपा नेता ओमप्रकाश धुर्वे द्वारा डिण्डौरी में बिना अनुमति नर्मदा नदी के लगभग पचास मीटर के दायरे में बहुमंजिला मकान बनाये जाने को भी कटघरे में रखा गया था। इसके अलावा एक अवमानना याचिका सहित तीन अन्य संबंधित मामले को लेकर याचिकाएं दायर की गयी थी। मामलों की पूर्व सुनवाई पर आवेदकों की ओर से कहा गया था कि नदी के अधिकत्तम जल भराव क्षेत्र से तीन सौ मीटर दूरी निर्धारित है। वहीं सरकार की ओर से टाउन एण्ड कंट्री के नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए कहा गया था कि रिवर बेल्ट से तीन सौ मीटर निर्धारित है। जिस पर न्यायालय ने नर्मदा नदी प्रदेश के जिन जिलो से निकलती है, उसके संबंध में जिला प्रशासन द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए जारी गाईड लाईन पेश करने के आदेश दिये थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश चंद्र तथा अधिवक्ता सौरभ कुमार तिवारी ने पैरवी की।

चलती ट्रेन में डिलिवरी, नवजात की गई जान, महिला एल्गिन में भर्ती

जबलपुर, देशबन्धु। सूरत से चलकर बिहार जा रही दानापुर एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया जिसकी जन्म के कुछ ही छणों के पश्चात मृत्यु हो गई। जबकि जन्म देने वाली महिला को एल्गिन अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार योगिन्दर दास जो सूरत में मजदूरी का काम करता है, वह अपनी गभर्वती पत्नी के साथ बीते आठ माह से सूरत में ही रह रहा था।

पत्नी की डिलेवरी का समय नजदीक होने के कारण उसने अपने मालिक से कुछ पैसे मांगे थे ताकि पत्नी को अस्पताल में भर्ती करके उसकी सुरक्षित डिलिवरी करवा सके। लेकिन मालिक(सेठ) ने अपने मजदूर कर्मचारी को पैसे नहीं दिए बल्कि उसे अपनी पत्नी को बिहार छोड़ आने के लिए कह दिया। मालिक की बात मानकर वह दानापुर एक्सप्रेस से बिहार अपनी पत्नी को छोड़ने जा रहा था कि चलती ट्रेन में जबलपुर स्टेशन के पहले महिला की डिलिवरी हो गई। कोच में सवार महिला यात्रियों ने जैसे तैसे जच्चा, बच्चा को संभाला लेकिन महिला की सहायता कर रहे कोच में सवार यात्रियों की अज्ञानता की वजह से बच्चे की जान चली गई। वहीं जबलपुर स्टेशन आने पर महिला को एल्गिन अस्पताल में भर्ती करवा दिया। बताया जाता है कि नवजात के मौत की खबर लगने पर ख्वाजा गरीब नवाज के सैय्यद इनायत अली और उनके साथियों ने योगिन्दर के पास एल्गिन अस्पताल पहुंच गए और अपने साधन से मृतक बच्चे को उसके पिता हाथों से रानीताल मुक्तिधाम ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कराया।

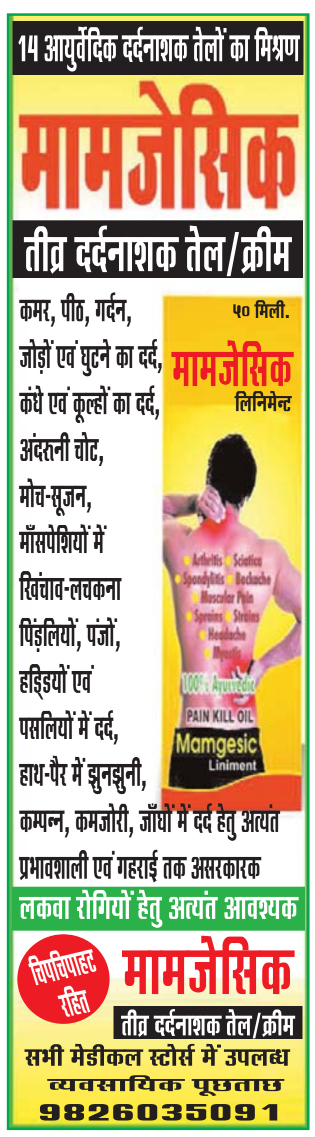

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 88

मीडियम ब्रॉयलर - रु.106

छोटा ब्रॉयलर - रु. 116

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 120

मुर्गा मीडियम - रु. 110

मुर्गा बड़ा - रु. 92

मुर्गा जम्बो - रु. 82

मो.-9039925000, 9425800409